सूर्योदय 5:20 सूर्यास्त 7:29

आज का तापमान

शिमला	16.5 न्यू	25.0 अधि
धर्मशाला	21.3 न्यू	31.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	77,100
निफ्टी	24,056
सोना	1,40,000
चांदी	2,17000

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | शनिवार, 27 जून 2026 | 13 आषाढ़, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 3, अंक 179, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | डाक पंजीकरण संख्या : HP/DO/DEHRA/01/2026-2028 follow us on: | 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

द. कोरिया के पूर्व राष्ट्रपति की पत्नी को 7 साल की जेल

एजेंसी, सियोल। दक्षिण कोरिया की पूर्व प्रथम महिला किम किओन ही को सरकारी

नियुक्तियों के बदले महंगे उपहार स्वीकार करने के रिश्वत मामले में सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने सात साल के कारावास की सजा सुनाई है। यून सुक येओल की पत्नी किम को प्रभाव का इस्तेमाल कर रिश्वत लेने का दोषी ठहराया गया। विशेष अभियोजक की टीम ने उनके लिए साढ़े सात साल की सजा की मांग की थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, किम ने मार्च से मई 2022 के बीच एक निर्माण कंपनी के चेयरमैन से 10 करोड़ वॉन (करीब 61.36 लाख रुपए) से अधिक मूल्य के महंगे उपहार लिए। इनमें वैन क्लीफ एंड अर्पेल्स का नेकलेस भी शामिल था। (अनंत ज्ञान)

एनसीईआरटी ने 9वीं की सोशल साइंस से हटाई संविधान प्रस्तावना

एजेंसी, नई दिल्ली। एनसीईआरटी ने क्लास 9वीं की सोशल साइंस की किताब में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) और इमरजेंसी पर एक नया चैप्टर जोड़ा गया है। किताब में बताया गया है कि एसआईआर का मुख्य कार्य मतदाता सूची को अपडेट करना, मतदाताओं का सत्यापन करना और मतदाताओं की सूची में त्रुटियां दूर करना है। चैप्टर की मदद से छात्रों को यह भी समझाया जाएगा कि मतदाता सूची का निरीक्षण करने से चुनावी प्रक्रिया को और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है। (अनंत ज्ञान)

कोटा में युवक के फोन से मिला पाक का ऑडियो

एजेंसी, कोटा। कोटा में एक युवक के मोबाइल से आपत्तिजनक ऑडियो और वीडियो मिलने के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी है। मामले में धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और महिलाओं से जुड़ी आपत्तिजनक सामग्री होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, मोबाइल से मिले ऑडियो और वीडियो की फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है। युवक मनीष शर्मा उर्फ मोइन खान को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। उसके खिलाफ धार्मिक भावनाएं आहत करने सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज है। मोबाइल को फॉरेंसिक साइंस लैब भेजा गया है। (अनंत ज्ञान)

मुख्यमंत्री सुक्खू ने चंडीगढ़ में मांगी हिमाचल की 7.19 प्रतिशत हिस्सेदारी

पंजाब राज्यपाल से उठाया बीबीएमबी के बकाया और बिजली हिस्सेदारी का मुद्दा

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश के हक व हितों से जुड़े वर्षों पुराने लंबित मामलों को लेकर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को पंजाब के राज्यपाल एवं चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया के समक्ष मजबूती से प्रदेश का पक्ष रखा। शिष्टाचार भेंट के दौरान मुख्यमंत्री ने साफ लहजे में कहा कि हिमाचल अब अपने वैधानिक अधिकारों से किसी भी सूरत में महरूम नहीं रह सकता। उन्होंने उम्मीद जताई कि रचनात्मक बातचीत, आपसी एहतिराम और सहकारी संघवाद की रूह के अनुरूप इन मुद्दों का जल्द समाधान निकलेगा।

पंजाब के राज्यपाल से मुलाकात करते सीएम सुक्खू।

मुख्यमंत्री ने चंडीगढ़ में हिमाचल प्रदेश की 7.19 प्रतिशत वैधानिक हिस्सेदारी का दावा एक बार फिर दोहराते हुए कहा कि पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 के तहत हिमाचल प्रदेश अविभाजित पंजाब का उत्तराधिकारी राज्य है। ऐसे में हस्तांतरित क्षेत्रों की आबादी के अनुपात में चंडीगढ़ की भूमि, परिसंपत्तियों और प्रशासनिक व्यवस्था में राज्य का हिस्सा बनता है। उन्होंने कहा कि पिछले पांच दशकों से पंजाब और हरियाणा इन संसाधनों का लाभ उठा रहे हैं, जबकि हिमाचल अपने अधिकार से अब तक वंचित है। उन्होंने चंडीगढ़ में एक नए और आधुनिक हिमाचल सदन के निर्माण की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि मौजूदा हिमाचल भवन अब बढ़ती जरूरतों को पूरा करने में सक्षम नहीं है। उच्च शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और प्रशासनिक कार्यों के लिए प्रतिदिन बड़ी संख्या में हिमाचल के विद्यार्थी, मरीज और अन्य नागरिक चंडीगढ़ पहुंचते हैं। उन्होंने बताया कि चंडीगढ़ प्रशासन के साथ विचार-विमर्श के बाद सेक्टर-52 में 4.736 एकड़ भूमि नए हिमाचल सदन के निर्माण के लिए चिन्हित की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) से जुड़े लंबित वित्तीय दावों का मामला भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय पहले ही बीबीएमबी परियोजनाओं और उनसे जुड़े लाभों में हिमाचल प्रदेश की 7.19 प्रतिशत हिस्सेदारी को मान्यता दे चुका है। इसके बावजूद राज्य पिछले एक दशक से अधिक समय से 13,066 मिलियन यूनिट बिजली और उससे जुड़े वित्तीय देयों की प्राप्ति का इंतजार कर रहा है। उन्होंने इन लंबित दावों के शीघ्र निपटारे की आवश्यकता पर बल दिया।

शानन जलविद्युत परियोजना का मुद्दा भी उठाया

मुख्यमंत्री सुक्खू ने शानन जलविद्युत परियोजना का मुद्दा उठाते हुए स्पष्ट किया कि मंडी रियासत कभी भी संयुक्त पंजाब का हिस्सा नहीं रही। उन्होंने कहा कि यह परियोजना पंजाब पुनर्गठन अधिनियम के अंतर्गत आने वाले हस्तांतरित क्षेत्रों में शामिल नहीं है, इसलिए इस पर किसी अन्य राज्य का दावा कानूनी रूप से टिक नहीं सकता। उन्होंने यह भी कहा कि परियोजना की 99 वर्ष की लीज 2 मार्च, 2024 को समाप्त हो चुकी है और इसके साथ ही लीज से जुड़े सभी अधिकार स्वतः समाप्त हो गए हैं। ऐसी स्थिति में परियोजना के संचालन, प्रबंधन अथवा कब्जे का कोई भी दावा विधिक आधार नहीं रखता।

हिमाचल के 28 लाख उपभोक्ताओं पर नए फ्यूल चार्ज की पड़ी मार

- बिजली उपभोक्ताओं पर बढ़ा अचानक आर्थिक बोझ
- मुफ्त बिजली योजना की राहत पर भी उठे सवाल

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल में बिजली उपभोक्ताओं पर लगाए गए नए फ्यूल चार्ज को लेकर विवाद गहरा गया है। लगातार बढती महंगाई के बीच बिजली बिलों में अतिरिक्त शुल्क जुड़ने की संभावना ने लाखों परिवारों की चिंता बढ़ा दी है। लिहाजा, अगर बिजली बिलों में लगातार नए-नए शुल्क जोड़े जाते रहे तो घरेलू बजट पर इसका सीधा असर पड़ेगा और सरकार द्वारा दी जा रही राहत का वास्तविक लाभ भी सीमित हो सकता है। ऐसे में फ्यूल चार्ज आम उपभोक्ताओं के लिए आर्थिक समस्या का विषय बनता जा रहा है।

सूत्र बताते हैं कि 30 मई से लागू किए गए फ्यूल चार्ज के तहत विभिन्न श्रेणियों के बिजली उपभोक्ताओं को अतिरिक्त भुगतान करना पड़ सकता है। इसका प्रभाव कम बिजली खपत करने वाले घरेलू उपभोक्ताओं से लेकर अधिक खपत वाले परिवारों तक देखने को मिल सकता है। ऐसे समय में जब रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की कीमतें पहले ही लोगों की जेब पर दबाव बना रही हैं, बिजली बिल में बढ़ा अतिरिक्त खर्च मासिक घरेलू बजट को और प्रभावित कर सकता है।

इतना ही नहीं प्रदेश में करीब 28 लाख बिजली उपभोक्ता इस नए शुल्क के दायरे में आ सकते हैं, जिसमें पिछले कुछ समय से बिजली बिलों में अलग-अलग मदों के तहत विभिन्न प्रकार के शुल्क जोड़े जा रहे हैं, जिससे कुल बिल लगातार बढ़ता जा रहा है। ऐसे में फ्यूल चार्ज लागू होने के बाद उपभोक्ताओं की आर्थिक चिंता और गहरा सकती है।

राज्य में मुफ्त बिजली सुविधा का लाभ लेने वाले उपभोक्ताओं का भी मानना है कि यदि बिजली बिलों में लगातार अतिरिक्त शुल्क जोड़े जाते रहे तो योजना से मिलने वाली राहत का वास्तविक असर कम हो जाएगा। उनका कहना है कि बिल में अन्य शुल्क बढ़ने से कुल भुगतान का बोझ बढ़ सकता है, जिससे मुफ्त बिजली योजना का लाभ पहले की तुलना में कम महसूस होगा।

फ्यूल चार्ज की समीक्षा की उठी मांग

बढ़ते आर्थिक बोझ को देखते हुए विभिन्न स्तरों पर फ्यूल चार्ज और बिजली बिलों में लगाए जा रहे अतिरिक्त शुल्कों की समीक्षा की मांग उठने लगी है। उपभोक्ताओं का तर्क है कि किसी भी नए शुल्क को लागू करने से पहले उसके व्यापक आर्थिक प्रभाव का आकलन किया जाना चाहिए। उनका कहना है कि ऐसी व्यवस्था बनाई जाए जिससे बिजली उपभोक्ताओं पर अनावश्यक वित्तीय दबाव न बढ़े और राहत योजनाओं का वास्तविक लाभ आम लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंच सके।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से महासचिव चंपत राय का इस्तीफा

एजेंसी, अयोध्या

रामनगरी अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के दान में कथित चोरी के मामले की जांच के बीच श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा ने शुक्रवार को अपने-अपने पद से इस्तीफा दे दिया। श्रीराम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने दोनों के इस्तीफे की पुष्टि की है। जांच की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के उद्देश्य से यह निर्णय लिया गया है।

जानकारी के अनुसार, चंपत राय और अनिल मिश्रा ने अपने त्यागपत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास को सौंप दिए हैं। दोनों ने ऐसे समय में इस्तीफा दिया है, जब दान में कथित अनियमितताओं की जांच कर रही विशेष जांच दल (एसआईटी) की कार्रवाई तेज हो गई है। एसआईटी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के आधार पर वीरवार को इस मामले में आठ लोगों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई थी। इसके बाद सभी आरोपितों को हिरासत में ले लिया गया। जांच में तेजी आने के साथ ही ट्रस्ट के दोनों पदाधिकारियों के इस्तीफे को महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावे से संबंधित कथित अनियमितताओं और चोरी की शिकायतें मिलने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राज्य सरकार ने उच्च स्तरीय जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया था। एसआईटी अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को सौंप चुकी है, जिसके आधार पर मामले में आगे की कार्रवाई शुरू की गई है। (अनंत ज्ञान)

वेनेजुएला : भूकंप में अब तक 235 लोगों की मौत

एजेंसी, काराकस (वेनेजुएला)

मलबे में महिला ने दिया बच्ची को जन्म

वेनेजुएला में आए शक्तिशाली भूकंपों ने भारी तबाही मचाई है। शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार अब तक कम से कम 235 लोगों की मौत हो चुकी है और 1500 से अधिक घायल हैं। यूएस जियोलॉजिकल सर्वे के मुताबिक 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो झटके करीब 40 सेकंड के अंतराल में महसूस किए गए, जिनका असर वेनेजुएला के साथ कैरिबियन क्षेत्रों तक पड़ा। कई इलाकों में इमारतें ढह गई हैं और बचाव दल मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं।

यूएसजीएस ने चेतावनी दी है कि आफ्टरशॉक्स की संभावना बनी हुई है और कुछ झटके 6 तीव्रता से अधिक हो सकते हैं। भूस्खलन और मिट्टी के तरल होने (लिक्विफैक्शन) का भी खतरा बताया गया है। रिपोर्टों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय सहायता अभियान शुरू हो गया है और रेडक्रॉस ने राहत सामग्री भेजी है। कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ने काराकस के लिए उड़ानें रद्द कर दी हैं। वेनेजुएला भूकंप प्रभावित क्षेत्रों में आता है, जहां कैरिबियन और दक्षिण अमेरिकी टेक्टोनिक प्लेटों की टकराहट से लगातार भूकंपीय जोखिम बना रहता है। वहीं, रेस्क्यू टीम ने ढह चुकी इमारत की छत को तोड़कर एक नवजात बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाला। मलबे के नीचे दबी एक गर्भवती महिला ने बच्ची को जन्म दिया था। (अनंत ज्ञान)

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 96 .3 करोड़ डॉलर बढ़ा

एजेंसी, मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार 19 जून को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 96.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 2587 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इससे पिछले सप्ताह दर्ज गिरावट की भरपाई हो गई है।

समीक्षा अवधि में देश के स्वर्ण भंडार का मूल्य भी 4.11 अरब डॉलर बढ़कर 107.930 अरब डॉलर हो गया। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत की स्पेशल ड्रॉइंग राइट्स (एसडीआर) होल्डिंग 5.2 करोड़ डॉलर घटकर 18.647 अरब डॉलर रह गई। हालिया उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत का विदेशी मुद्रा भंडार दुनिया के प्रमुख भंडारों में शामिल है। हालांकि, यह फरवरी 2024 में दर्ज रिकॉर्ड स्तर से नीचे है। रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक तनाव और डॉलर-रुपया उतार-चढ़ाव के बीच आरबीआई ने मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करते हुए स्थिति को संतुलित रखने का प्रयास किया है। इस बीच आरबीआई ने विदेशी मुद्रा गैर-निवासी बैंक (एफसीएनआर-बी) जमा से जुड़े नियमों पर भी स्पष्टीकरण जारी किया है, जिससे बैंकों को विदेशी मुद्रा जमा जुटाने में अधिक लचीलापन मिलेगा। (अनंत ज्ञान)

बटाला में घर पर गोलियां चलाकर यूके भेजी तस्वीरें

अनंत ज्ञान

बटाला। बटाला के नजदीकी गांव हरदोझंडे में देर रात अज्ञात मोटरसाइकिल सवार बदमाशों ने एक कोठी को निशाना बनाकर फायरिंग की। बदमाशों ने मुख्य गेट पर करीब पांच राउंड गोलियां चलाईं और मौके से फरार हो गए। गनीमत रही कि किसी को चोट नहीं आई।

घटना घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। मामले में इंग्लैंड में पढ़ाई कर रहे परिवार के बेटे से एक करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने की बात सामने आई है। पीड़ित लखबीर सिंह ने बताया कि उनका बेटा स्टडी वीजा पर इंग्लैंड में है और उसे लगातार धमकियां मिल रही थीं, लेकिन उन्होंने परिवार को इसकी जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा कि फायरिंग के बाद आरोपियों ने घटना की तस्वीरें और वीडियो उनके बेटे को व्हाट्सएप पर भेजे। सूचना मिलने पर थाना सदर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर सीसीटीवी फुटेज कब्जे में ले ली है।

हिमाचल में अगले हफ्ते दस्तक देगा मानसून

एक और 2 जुलाई को भारी बारिश का येलो अलर्ट

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश में लंबे इंतजार के बाद अब मानसून की एंट्री का काउंटडाउन शुरू हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार 30 जून की रात से मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है, जबकि एक और दो जुलाई को प्रदेश के कई हिस्सों में भारी बारिश होने के प्रबल आसार हैं। इससे पहले अगले चार-पांच दिनों तक अधिकांश क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश का दौर जारी रह सकता है।

फाइल फोटो

मौसम वैज्ञानिकों का मानना है कि पश्चिमी विक्षोभ के मजबूत होने के साथ मानसूनी गतिविधियां भी तेज होंगी और जुलाई के पहले सप्ताह में प्रदेश में मानसून पूरी तरह सक्रिय हो सकता है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार को राज्य के कई हिस्सों में हल्की बारिश हुई, जिससे तापमान में भी गिरावट आई है। चंबा का अधिकतम तापमान सामान्य से 8.8 डिग्री नीचे पहुंच गया, जबकि कांगड़ा, मनाली और सोलन सहित कई क्षेत्रों में लोगों को गर्मी से राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में अगले सात दिनों तक बारिश की गतिविधियां बनी रहेंगी। 30 जून की रात से पश्चिमी विक्षोभ अधिक सक्रिय होगा, जिसके प्रभाव से एक और दो जुलाई को कई पर्वतीय क्षेत्रों में भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान कुछ स्थानों पर 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की भी संभावना है। हालांकि, प्रदेश में जून के दौरान सामान्य से 31 प्रतिशत कम वर्षा दर्ज की गई है। एक से 26 जून के बीच जहां सामान्य रूप से 79.8 मिलीमीटर बारिश होती है, वहीं इस बार अब तक केवल 55.3 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

पहल

बिलासपुर सहित 10 जिलों के युवाओं को अपने जिले में मिलेगा प्रशिक्षण

हिमाचल के 13 आयुष अस्पतालों में शुरू होगा स्पा थैरेपी कोर्स

अनंत ज्ञान

अरुण डोगरा रीतू, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश सरकार ने आयुष शिक्षा और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए राज्य के 13 आयुष संस्थानों में स्पा थैरेपी (पंचकर्म तकनीशियन) का एक वर्षीय प्रमाणपत्र कोर्स शुरू करने का फैसला लिया है।

अब तक यह कोर्स केवल आरजीजीपीजी आयुष कॉलेज एवं अस्पताल पपरोला और क्षेत्रीय आयुष अस्पताल छोटा शिमला में संचालित होता था, लेकिन अब इसे 10 जिलों के आयुष अस्पतालों तक विस्तारित किया गया है। इस पहल से युवाओं को अपने ही जिले में प्रशिक्षण प्राप्त करने और स्वरोजगार के अवसर प्राप्त करने का लाभ मिलेगा।

आयुष विभाग ने इस सत्र के लिए कुल 256 सीटें निर्धारित की हैं, जिनमें विभिन्न जिलों के आयुष अस्पतालों में सीटों का वितरण किया गया है। इनमें शिमला क्षेत्रीय आयुष अस्पताल में 24 सीटें, चंबा में 20 सीटें तथा अन्य 11 संस्थानों में 16-16 सीटें शामिल हैं। बिलासपुर में इस कोर्स की शुरुआत को विशेष महत्व दिया जा रहा है, क्योंकि यहां एम्स जैसी आधुनिक चिकित्सा सुविधा के साथ आयुर्वेदिक उपचार एवं प्रशिक्षण का भी विस्तार हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि आधुनिक और पारंपरिक चिकित्सा का यह समन्वय स्वास्थ्य सेवाओं को और मजबूत करेगा।

इस पहल से न केवल मरीजों को बेहतर उपचार विकल्प मिलेंगे, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के नए रास्ते भी खुलेंगे।

स्पा थैरेपी?

स्पा थैरेपी (पंचकर्म) आयुर्वेद की एक वैज्ञानिक और प्राकृतिक उपचार पद्धति है, जिसका उद्देश्य शरीर में जमा विषैले तत्वों (टॉक्सिन्स) को बाहर निकालकर शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करना है। इसमें औषधीय तेलों से मालिश, स्वेदन (भाप चिकित्सा), बस्ती, विरेचन, नस्य तथा अन्य पंचकर्म प्रक्रियाओं के माध्यम से शरीर का शोधन किया जाता है। यह थैरेपी गठिया, जोड़ों के दर्द, कमर दर्द, तनाव, अनिद्रा, कब्ज, गैस, त्वचा रोग, मोटापा और जीवनशैली से जुड़ी कई समस्याओं में लाभकारी मानी जाती है। प्रशिक्षित पंचकर्म तकनीशियन चिकित्सक के निर्देशन में इन उपचार प्रक्रियाओं को सुरक्षित और वैज्ञानिक तरीके से संचालित करते हैं।

क्या कहते हैं आयुष मंत्री

प्रदेश के आयुष मंत्री यादविंदर गोमा ने कहा कि प्रदेश सरकार आयुर्वेद और पंचकर्म जैसी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को आधुनिक रोजगार और कौशल विकास से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि स्पा थैरेपी (पंचकर्म तकनीशियन) कोर्स का विस्तार युवाओं के लिए नए अवसर लेकर आएगा। अब उन्हें प्रशिक्षण के लिए दूसरे जिलों का रुख नहीं करना पड़ेगा। सरकार का उद्देश्य प्रदेश में कुशल मानव संसाधन तैयार करना, आयुष सेवाओं को मजबूत बनाना और स्वरोजगार को बढ़ावा देना है, ताकि हिमाचल प्रदेश आयुष एवं वेलनेस के क्षेत्र में देश के अग्रणी राज्यों में अपनी पहचान और मजबूत कर सके।

नशे के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान

अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्य निवारण दिवस पर सीपी वर्मा ने युवाओं से की नशे से दूर रहने की अपील

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्य निवारण दिवस के अवसर पर शुक्रवार को शिमला के बचत भवन में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से राज्यस्तरीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभाग के सचिव सीपी वर्मा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करते हुए दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि नशा आज केवल किसी व्यक्ति या परिवार की समस्या नहीं रह गया है, बल्कि समाज और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य के लिए गंभीर चुनौती बन चुका है।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि 'नशा रूपी आग अब घर-घर तक पहुंच चुकी है' और यदि लोग यह सोचते रहें कि जागरूकता तब आएगी जब उनका अपना कोई इसकी चपेट में आएगा, तो यह समाज के लिए बेहद खतरनाक सोच होगी। उन्होंने सभी नागरिकों से अभी से इस लड़ाई में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया।

सीपी वर्मा ने कहा कि नशा मुक्त हिमाचल केवल सरकार का लक्ष्य नहीं, बल्कि पूरे समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि सरकार रोकथाम, उपचार, पुनर्वास और जन-जागरूकता के लिए लगातार कार्य कर रही है, लेकिन परिवार, शिक्षण संस्थान, पंचायतें, युवा और स्वयंसेवी संगठन इस अभियान से जुड़ेंगे तभी प्रभावी परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने युवाओं से खेल, शिक्षा, संस्कृति और रचनात्मक गतिविधियों से जुड़ने तथा स्वयं नशे से दूर रहकर दूसरों को भी इसके दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में इसोमसा के निदेशक सुमित खिमटा ने विभागीय गतिविधियों की जानकारी दी, जबकि हेल्प एज इंडिया के डॉ. राजेश ने नशे के दुष्प्रभाव और बचाव के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित भी किया गया।

कार्यक्रम के दौरान नशा उन्मूलन का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के लिए सांस्कृतिक एवं जागरूकता प्रस्तुतियां आकर्षण का केंद्र रहीं।

पूजा कला मंच की सांस्कृतिक प्रस्तुति के अलावा डाइट शिमला, हिमालयन ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट और कोटशेरा कॉलेज के विद्यार्थियों ने प्रभावशाली नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से नशे के खिलाफ जनजागरण का संदेश दिया। प्रतिभागियों को जागरूक करने के लिए एनिमेटेड फिल्म भी प्रदर्शित की गई, जबकि दृष्टिबाधित बच्चों के संस्थान ढली के विद्यार्थियों ने राष्ट्रगीत प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।

जागरूकता कार्यक्रम की अध्यक्षता करते सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सचिव सीपी वर्मा।

प्रदेश भर में दिलाई एंटी-चिट्टा ई-शपथ

शिमला। अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्य निवारण दिवस के अवसर पर प्रदेशभर के सरकारी एवं निजी स्कूलों, शिक्षण संस्थानों और सरकारी कार्यालयों में एंटी-चिट्टा ई-शपथ भी दिलाई गई। हिमाचल प्रदेश पुलिस ने लोगों से अपील की है कि चिट्टा या अन्य किसी भी मादक पदार्थ की तस्करी, बिक्री, भंडारण अथवा सेवन से संबंधित सूचना तत्काल 112 या निकटतम पुलिस थाने में दें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। पुलिस ने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व, जनसहयोग और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से 'चिट्टा-मुक्त हिमाचल' का लक्ष्य अवश्य हासिल किया जाएगा।

कांग्रेस सरकार में बागवानों की अनदेखी नहीं मिल रही सब्सिडी व दवाइयां: चेतन

बोले- बागवानों के मुद्दों पर प्रदेश सरकार की चुप्पी हैरान करने वाली

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। प्रदेश में बागवानी से जुड़े मुद्दों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। भाजपा नेता चेतन सिंह बरागटा ने आरोप लगाया कि सरकार की बागवान विरोधी नीतियों व प्रशासनिक लापरवाही के कारण हिमाचल की सेब अर्थव्यवस्था गंभीर संकट का सामना कर रही है। उन्होंने कहा कि उत्पादन घटने, बढ़ती लागत, कृषि सामग्री की कमी और लंबित भुगतानों जैसी समस्याओं से जूझ रहे बागवानों को राहत देने के बजाय सरकार केवल दिशा-निर्देश जारी कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रही है।

चेतन बरागटा ने कहा कि एंटी हेलनेट सब्सिडी का लाभ समय पर बागवानों तक नहीं पहुंच रहा है। उनका दावा है कि केंद्र सरकार से सब्सिडी की राशि प्रदेश को मिल चुकी है, लेकिन सरकार उसे बागवानों तक पहुंचाने में नाकाम रही है। उन्होंने कहा कि यदि धनराशि प्राप्त हो चुकी है तो सरकार यह स्पष्ट करे कि अब तक उसका वितरण क्यों नहीं किया गया। बरागटा ने यह भी आरोप लगाया कि पीपी सेंटरों में फफूंदनाशक और कीटनाशक जैसी आवश्यक दवाइयां उपलब्ध नहीं हैं, जबकि एचपीएमसी भी खाद, स्प्रे ऑयल और अन्य कृषि सामग्री समय पर उपलब्ध कराने में विफल रहा। इसकी वजह से पहली बार बागवानों को रात से ही लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ा।

भाजपा नेता ने कहा कि एमआईएस के तहत खरीदी गई सेब बोरियों का भुगतान आज तक लंबित है, जिससे बागवान आर्थिक परेशानी झेल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में हजारों बोरियां सेब सड़कों पर सड़ गईं, जिससे बागवानों के साथ-साथ एचपीएमसी को भी भारी नुकसान उठाना पड़ा। बरागटा ने कहा कि सरकार को सबसे पहले बागवानों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान पर ध्यान देना चाहिए।

एफटीए को लेकर भी सरकार से मांगा जवाब

चेतन बरागटा ने कहा कि कांग्रेस नेता बार-बार एफटीए का मुद्दा उठाकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हैं, जबकि प्रदेश सरकार को पहले अपनी जिम्मेदारियों का जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि बागवानों को समय पर सब्सिडी, लंबित भुगतान और कृषि सामग्री उपलब्ध कराना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। उनका कहना था कि यदि एफटीए के तहत विदेशी सेब भारत आता भी है तो केंद्र सरकार देश के किसानों और बागवानों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा।

सरकार से की ठोस कदम उठाने की मांग

चेतन बरागटा ने प्रदेश सरकार से मांग की कि बागवानों के सभी लंबित भुगतान तत्काल जारी किए जाएं, कृषि सामग्री समय पर उपलब्ध कराई जाए, एंटी हेलनेट सब्सिडी का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए और बागवानी क्षेत्र के लिए पारदर्शी, व्यावहारिक तथा भरोसेमंद नीति लागू की जाए, ताकि प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले बागवानों को राहत मिल सके।

नाबालिग सौतेली बहन से दुष्कर्म के दोषी को 20 साल की कैद

अनंत ज्ञान

रामपुर बुशहर। रामपुर स्थित अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय (पॉक्सो कोर्ट) ने एक बेहद संवेदनशील मामले में नाबालिग सौतेली बहन से दुष्कर्म और मानसिक प्रताड़ना के दोषी 22 वर्षीय युवक को 20 वर्ष के कठोर कारावास और 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। अदालत ने मामले में प्रस्तुत 22 गवाहों की गवाही, वैज्ञानिक (फॉरेंसिक) साक्ष्यों और अन्य दस्तावेजी प्रमाणों के आधार पर आरोपी के खिलाफ लगाए गए सभी आरोप सिद्ध पाए। अदालत ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए किसी भी प्रकार की राहत देने से इनकार कर दिया। अभियोजन पक्ष के अनुसार आरोपी और पीड़िता एक ही पिता की संतान हैं, लेकिन उनकी माताएं अलग-अलग हैं। वर्षों बाद आरोपी अपने पिता के पास लौटकर रहने लगा, जहां उसने नाबालिग पीड़िता के साथ अश्लील हरकतें शुरू कर दीं। बाद में उसने जबरन दुष्कर्म किया और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी देता रहा। इतना ही नहीं, उसने पीड़िता को फंदे के साथ अपना वीडियो भेजकर आत्महत्या करने और झूठे मामले में फंसाने की धमकी भी दी, जिससे पीड़िता लंबे समय तक मानसिक दबाव में रही। आखिरकार उसने साहस जुटाकर अपनी मां को पूरी घटना बताई, जिसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा।

22 गवाहों ने दिए बयान

मुकदमे के दौरान अभियोजन पक्ष ने 22 गवाहों के बयान, फॉरेंसिक रिपोर्ट और अन्य वैज्ञानिक साक्ष्य अदालत के समक्ष प्रस्तुत किए। इन साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास और 10 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई।

13.28 करोड़ का नशे का सामान नष्ट

अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर प्रदेश के 10 स्थानों पर बड़ी कार्रवाई

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध एवं अवैध तस्करी निवारण दिवस के अवसर पर हिमाचल प्रदेश में शुक्रवार को नशे के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी समन्वित कार्रवाई की गई। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में चल रहे 'एंटी-चिट्टा जन-आंदोलन' के तहत प्रदेशभर के 10 स्थानों पर एनडीपीएस अधिनियम के मामलों में जब्त किए गए करीब 13.28 करोड़ रुपए मूल्य के मादक पदार्थों का वैज्ञानिक एवं कानूनी प्रक्रिया के तहत एक साथ निस्तारण किया गया। हिमाचल के इतिहास में पहली बार इतने बड़े स्तर पर पूरे प्रदेश में एक साथ यह कार्रवाई होने से ड्रग माफिया को कड़ा संदेश दिया गया।

मुख्य सचिव केके पंत की निगरानी में संचालित इस अभियान का उद्देश्य केवल जब्त नशीले पदार्थों को नष्ट करना नहीं, बल्कि प्रदेश में नशा तस्करी के नेटवर्क पर प्रभावी प्रहार करना और युवाओं को चिट्टा सहित अन्य मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए व्यापक जनजागरूकता फैलाना भी रहा। प्रदेश सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति के तहत विभिन्न जिलों में नशा प्रभावित पंचायतों में विशेष बैठकों का आयोजन किया गया, जिनमें पंचायत प्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और स्थानीय लोगों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

◆ **युवाओं को नशे से बचाने के लिए सुक्खू सरकार का नशे के खिलाफ अभियान**

जनभागीदारी से चिट्टा मुक्त हिमाचल का दृढ़ संकल्प

अभियान के तहत प्रदेश के सरकारी एवं निजी स्कूलों, शिक्षण संस्थानों और सरकारी कार्यालयों में एंटी-चिट्टा ई-शपथ भी दिलाई गई। हिमाचल प्रदेश पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि चिट्टा या अन्य किसी भी मादक पदार्थ की तस्करी, बिक्री, भंडारण अथवा सेवन से जुड़ी जानकारी तुरंत 112 या नजदीकी पुलिस थाने को दें। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि सूचना देने वाले की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी और जनसहयोग से 'चिट्टा मुक्त हिमाचल' का लक्ष्य साकार किया जाएगा।

शादी से लौट रहे व्यक्ति की गहरी खाई में गिरने से मौत

अनंत ज्ञान

शिमला। शिमला जिले के सुन्नी क्षेत्र में एक व्यक्ति की खड्ड के पास एक गहारी खाई में गिरने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार प्रारंभिक जांच में यह मामला दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है और मृतक के परिजनों ने किसी तरह के संदेह से इनकार किया है। पुलिस को गुरुवार को ग्राम पंचायत घैणी की प्रधान प्रमिला ठाकुर ने फोन पर सूचना दी थी कि नया सेर खड्ड में निर्माणाधीन पुल के पास काम कर रहे मजदूरों को एक व्यक्ति का शव दिखाई दिया है। सूचना मिलने के बाद थाना सुन्नी से एएसआई चमन लाल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

मृतक की पहचान सुन्नी की घैणी पंचायत के सनौर गांव निवासी तेज दास (55) पुत्र स्वर्गीय रूप चंद के रूप में हुई है। पुलिस जांच में सामने आया कि तेज दास एक-दो दिन पहले पाहल क्षेत्र के काबड़ा गांव में एक शादी समारोह में गए थे। बुधवार रात वह अपने घर लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार घर लौटते समय तेज दास नया सेर खड्ड के ऊपर बने पुराने पुल से होकर गुजर रहे थे। इसी दौरान संकरे और पथरीले रास्ते पर घना अंधेरा होने के कारण उनका पैर फिसल गया और वे करीब 22 से 25 फुट नीचे ढांक में पत्थरों के बीच जा गिरे। गिरने से उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आईं। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। जांच के दौरान पुलिस को घटनास्थल के पास मिट्टी और ढांक में ताजा रगड़ के निशान भी मिले, जो गिरने की आशंका की पुष्टि करते हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

लुहरी हाइड्रो परियोजना प्रभावित किसान 9 को करेंगे प्रदर्शन

सर्वे पूरा, फिर भी नहीं मिला मुआवजा, रोजगार और लंबित मांगों पर फूटा गुस्सा

अनंत ज्ञान

आत्मा सिंह, रामपुर बुशहर। लुहरी हाइड्रो प्रोजेक्ट प्रभावित समिति की शुक्रवार को निथर उपतहसील के विश्राम गृह में आयोजित बैठक में परियोजना से प्रभावित किसानों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर सरकार और प्रशासन के खिलाफ आंदोलन तेज करने का ऐलान किया।

बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यदि प्रभावित परिवारों को शीघ्र मुआवजा, रोजगार और अन्य लंबित अधिकार नहीं दिए गए तो 9 जुलाई 2026 को निथर में प्रदर्शन किया जाएगा तथा उपायुक्त कुल्लू के माध्यम से प्रदेश सरकार को मांगपत्र सौंपा जाएगा। समिति के महासचिव देवकी नंद ने कहा कि परियोजना निर्माण के दौरान किसानों की फसलें, मकान और भूमि प्रभावित हुई हैं, लेकिन वर्षों बाद भी कई परिवारों को नुकसान का उचित मुआवजा नहीं मिला है।

इससे प्रभावित लोगों में भारी रोष व्याप्त है और अब आर-पार की लड़ाई लड़ने का निर्णय लिया गया है। बैठक में किसानों ने आरोप लगाया कि निथर पंचायत के अनेक क्षेत्रों का सर्वेक्षण पूरा होने के बावजूद प्रभावित परिवारों को न तो मुआवजा जारी किया गया है और न ही अधिग्रहित भूमि के बदले रोजगार उपलब्ध कराया गया है। किसानों ने मांग की कि जिन स्थानों का सर्वे पूरा हो चुका है, वहां तुरंत मुआवजा वितरित किया जाए तथा सभी लंबित मामलों का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने शीघ्र सकारात्मक कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार और संबंधित विभाग की होगी।

निथर विश्राम गृह में आयोजित बैठक में आगामी आंदोलन की रणनीति बनाते लुहरी हाइड्रो परियोजना से प्रभावित किसान।

कैन में पेट्रोल-डीजल पर रोक से बढ़ेंगी बागवानों की मुश्किलें: सिंटू

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। प्रदेश कांग्रेस के यूथ सचिव अतिंदर पॉल सिंह उर्फ़ सिंटू राणा ने पेट्रोल पंपों पर कैन और अन्य पात्रों में पेट्रोल-डीजल देने पर लगी पाबंदी को किसानों और बागवानों के हितों के खिलाफ बताते हुए इस निर्णय पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्य में कृषि और बागवानी प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और लाखों परिवार अपनी आजीविका के लिए इन पर निर्भर हैं। खेती और बागवानी के अधिकांश कार्य स्प्रे मशीन, पावर टिलर, घास काटने की मशीन, लकड़ी काटने के उपकरण, पानी की मोटरों सहित कई ईंधन चालित कृषि यंत्रों के माध्यम से किए जाते हैं। ऐसे में कैन में पेट्रोल-डीजल उपलब्ध नहीं होने से किसानों और बागवानों के लिए अपने खेतों और बागानों में इन मशीनों का संचालन करना मुश्किल हो जाएगा, जिससे उत्पादन और कार्य दोनों प्रभावित होंगे। सिंटू राणा ने कहा कि हिमाचल के अधिकांश खेत और सेब के बाग दुर्गम क्षेत्रों में स्थित हैं, जहां वाहन या मशीनों को सीधे पेट्रोल पंप तक ले जाना संभव नहीं होता। किसान वर्षों से कैन में ईंधन भरवाकर अपने खेतों और बागानों तक पहुंचाते रहे हैं, लेकिन नई पाबंदी से विशेषकर सेब सीजन और अन्य फसलों के महत्वपूर्ण समय में गंभीर दिक्कतें पैदा होंगी। राणा ने प्रदेश सरकार से आग्रह किया कि वह किसानों और बागवानों के हितों को ध्यान में रखते हुए इस मुद्दे को केंद्र सरकार के समक्ष प्राथमिकता से उठाएं।

'एक पेड़ मां के नाम' पर पौधरोपण कर दिया मातृ सम्मान का संदेश

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। भारतीय जनता पार्टी अल्पसंख्यक मोर्चा ने शुक्रवार को शिमला ग्रामीण के सुन्नी मंडल में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में जिला अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष सरदार परविंदर सिंह चड्ढा, जिला उपाध्यक्ष गुरलीन सिंह, शिमला शहरी मंडल अध्यक्ष सरदार नरेंद्र सिंह, प्रदेश सोशल मीडिया सदस्य हिमांशी, मीडिया एवं सोशल मीडिया प्रभारी मीनाक्षी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। सभी ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण, हरियाली बढ़ाने और मातृ सम्मान का संदेश समाज तक पहुंचाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि यह अभियान प्रकृति संरक्षण के साथ भावी पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण जनभागीदारी अभियान है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुरमीत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अल्पसंख्यक समाज के विकास, शिक्षा, कौशल विकास, स्वरोजगार और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य किए हैं।

◆ **भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने सुन्नी में किया पौधरोपण**

शिमला में श्रद्धा और सौहार्द के साथ मनाया मुहर्रम पर्व

अनंत ज्ञान

शिमला। राजधानी शिमला में मुहर्रम का पर्व शुक्रवार को श्रद्धा, आस्था और शांतिपूर्ण माहौल में मनाया गया। इस अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शहर की मस्जिदों में विशेष दुआओं का आयोजन किया गया, जहां लोगों ने अमन, भाईचारे और देश की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। मुहर्रम के अवसर पर बड़ी संख्या में अकीदतमंद धार्मिक कार्यक्रमों में शामिल हुए। इस दौरान वक्ताओं ने हजरत इमाम हुसैन की कुर्बानी और उनके द्वारा इंसाफ, सच्चाई तथा मानवता की रक्षा के लिए दिए गए सर्वोच्च बलिदान को याद किया। उन्होंने कहा कि मुहर्रम केवल शोक का अवसर नहीं है, बल्कि यह अन्याय के खिलाफ खड़े होने, सत्य के मार्ग पर चलने और मानव मूल्यों की रक्षा करने का संदेश भी देता है। धार्मिक सभाओं में इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों के जीवन और उनके संघर्ष पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। उपस्थित लोगों ने उनकी शिक्षाओं को वर्तमान समय में भी प्रासंगिक बताते हुए समाज में शांति, सद्भाव और आपसी सम्मान बनाए रखने का आह्वान किया। समुदाय के लोगों ने एक-दूसरे को भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश भी दिया। मुहर्रम के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन की ओर से विशेष प्रबंध किए गए थे। संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात रहा और पूरे आयोजन पर निगरानी रखी गई। अधिकारियों ने विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के शांतिपूर्ण संचालन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की थीं।

चर्चा हिमाचल के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर और जेएंडके के मुख्यमंत्री डॉ. उमर अब्दुल्ला ने शिक्षा पर की बातचीत

जम्मू-कश्मीर और हिमाचल मिलकर गढ़ेंगे शिक्षा का नया मॉडल

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। पहाड़ी राज्यों की समान भौगोलिक परिस्थितियों और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी चुनौतियों को अवसर में बदलने की दिशा में हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर ने एक नई शुरुआत की है। शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर के जम्मू-कश्मीर दौरे के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. उमर अब्दुल्ला, शिक्षा मंत्री सकीना मसूद इटू तथा शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हुई अहम बैठकों में शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक, प्रभावी और विद्यार्थी केंद्रित बनाने को लेकर तफ्सील से मंथन हुआ। दोनों राज्यों ने इस बात पर इत्तेफाक जताया कि आपसी तजुर्बों, नई पहलों और सफल मॉडलों को साझा कर शिक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है।

◆ **दोनों पहाड़ी राज्यों के साझा अनुभवों से मजबूत होगी नई पीढ़ी की बुनियाद**

मुख्यमंत्री डॉ. उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर की भौगोलिक परिस्थितियां और विशेष हालात शिक्षा व्यवस्था के सामने कई चुनौतियां खड़ी करते हैं, लेकिन सरकार शिक्षा की गुणवत्ता, पहुंच और समावेशिता को मजबूत बनाने के लिए लगातार ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों का असर अब विद्यार्थियों के बढ़ते नामांकन और बेहतर शैक्षणिक परिणामों के रूप में दिखाई देने लगा है। वहीं शिक्षा मंत्री सकीना मसूद इटू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर की चुनौतियां काफी हद तक समान हैं। उन्होंने बताया कि जम्मू-कश्मीर में स्कूली शिक्षा की ऑनलाइन मॉनिटरिंग व्यवस्था को और सशक्त बनाया गया है, जिससे विद्यालयों की कार्यप्रणाली पर नियमित निगरानी रखी जा रही है। साथ ही शिक्षकों के प्रदर्शन में सुधार और पारदर्शी तबादला नीति लागू करने की दिशा में भी गंभीरता से काम किया जा रहा है, ताकि हर बच्चे तक बेहतर और गुणवत्तापूर्ण तालीम पहुंच सके।

शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश में शिक्षा क्षेत्र में किए जा रहे व्यापक सुधारों की जानकारी देते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने सरकारी स्कूलों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की दिशा में कई ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। सरकारी विद्यालयों को सीबीएसई से संबद्ध करने, अंग्रेजी माध्यम से शिक्षा शुरू करने, शिक्षकों को सिंगापुर में प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक भ्रमण पर भेजने, प्रिंसिपल्स अकादमी ऑफ सिंगापुर के साथ समझौता करने, यूनेस्को के सहयोग से 'एचपी फ्यूचर्स प्रोग्राम' शुरू करने तथा यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज के साथ करार जैसी पहलें प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को वैश्विक स्तर की गुणवत्ता प्रदान कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों के बीच नियमित संवाद और अनुभवों का आदान-प्रदान भविष्य में शिक्षा सुधारों को नई दिशा देगा।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री डॉ. उमर से बात करते शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर।

शिक्षा में नवाचार व वैश्विक साझेदारी पर रहा फोकस

रोहित ठाकुर ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में शिक्षा क्षेत्र में किए गए सुधारों के सकारात्मक नतीजे अब राष्ट्रीय स्तर पर भी दिखाई दे रहे हैं। परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण में प्रदेश ने देशभर में पांचवां स्थान हासिल किया है, जबकि परफॉर्मेंस ग्रेडिंग इंडेक्स (पीजीआई) में हिमाचल छठे स्थान पर पहुंच चुका है। असर रिपोर्ट में भी विद्यार्थियों के सीखने के स्तर में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि जम्मू-कश्मीर का यह दौरा दोनों राज्यों के बीच बेहतर तालमेल, साझा रणनीति और अनुभवों के आदान-प्रदान को नई मजबूती देगा। बैठक में हिमाचल के समग्र शिक्षा निदेशक राजेश शर्मा, स्कूली शिक्षा निदेशक आशीष कोहली तथा अतिरिक्त सचिव (शिक्षा) अनिल चौहान भी मौजूद रहे।

न्यूज ब्रीफ

अश्विन बने भोडा स्कूल के एसएमसी अध्यक्ष

अनंत ज्ञान, डरोह। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भोडा में विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) के गठन के लिए विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसमें दो-तिहाई से अधिक अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत 15 सदस्यीय समिति का गठन किया गया। सर्वसम्मति से अश्विनी पटियाल को अध्यक्ष और दीपिका बाला को उपाध्यक्ष चुना गया, जबकि शिक्षक वर्ग से प्रवक्ता हिंदी राजन सूद को सदस्य मनोनीत किया गया। प्रधानाचार्य संजीव जम्वाल ने नवगठित समिति को बधाई दी। निर्जला एकादशी के अवसर पर विद्यालय में अभिभावकों और विद्यार्थियों के लिए छबील भी लगाई गई।

विद्यार्थियों को दिलाई नशे से दूर रहने की शपथ

अनंत ज्ञान, डरोह। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाटी में आठ दिवसीय 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत जागरूकता सप्ताह मनाया गया। विद्यार्थियों ने स्लोगन लिखी तख्तियों के साथ जागरूकता रैली निकालकर लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। चित्रकला, नारा लेखन, योग, खेलकूद और ई-प्रतिज्ञा जैसे कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। प्रवक्ता नवीन गुलेरिया ने नशे के दुष्प्रभावों पर जानकारी दी। प्रधानाचार्य अंजू शर्मा ने विद्यार्थियों को नशामुक्त जीवन जीने तथा समाज को जागरूक करने की शपथ दिलाई।

वनीता बनीं थुरल स्कूल की एसएमसी अध्यक्ष

अनंत ज्ञान, राकेश डोगरा, डरोह। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, थुरल में विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) का चुनाव एवं गठन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। चुनाव में अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 21 सदस्यीय समिति में वनीता जम्वाल को अध्यक्ष तथा स्वर्ण सिंह जम्वाल को उपाध्यक्ष चुना गया। विद्यालय प्रमुख अनुपम वाला एवं समस्त स्टाफ ने नव-निर्वाचित समिति का स्वागत करते हुए सभी सदस्यों को बधाई दी।

डाडासीबा में निकाली एंटी चिट्टा जागरुकता रैली

अनंत ज्ञान, डाडासीबा। अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के अवसर पर पुलिस थाना डाडा सीबा ने शुक्रवार को एंटी चिट्टा जागरुकता रैली निकाली। थाना प्रभारी के नेतृत्व में आयोजित रैली में पुलिस कर्मियों, व्यापारियों, युवाओं और समाजसेवियों ने भाग लिया। रैली के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए चिट्टा सहित सभी नशीले पदार्थों से दूर रहने और नशा मुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया गया।

युवाओं को दी नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक एवं अवैध तस्करी विरोधी दिवस पर भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, धर्मशाला में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अधिकारियों और युवाओं ने नशा मुक्त समाज के निर्माण की शपथ ली। कार्यक्रम में नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी देकर स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर ध्रुव डोगरा, जय शानी, तुषार सिंह और जान्वी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सदवां में चिट्टा माफिया के खिलाफ छेड़ी मुहिम

अनंत ज्ञान, गरली। गरली के समीप सदवां पंचायत ने अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्य निषेध दिवस पर चिट्टा माफिया के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए नशा विरोधी अभियान चलाया। 'नशा नहीं, नई सोच चाहिए' के संकल्प के साथ ग्रामीणों, पंचायत प्रतिनिधियों और पुलिस ने एकजुट होकर नशा मुक्त समाज की शपथ ली। सैकड़ों ग्रामीणों ने 'न चिट्टा खरीदेंगे, न बेचने देंगे' की कसम खाई। पंचायत प्रधान प्रवीन कुमारी ने नशे को समाज के लिए जहर बताया। पुलिस ने सहयोग की अपील करते हुए सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया।

'योग साधना से होता है दुःखों का अंत'

अनंत ज्ञान, मनोज चंदेल, योल। वेद मंदिर, योल में चल रहे 78 दिवसीय चारों वेदों के महायज्ञानुष्ठान के 76वें दिन योगाचार्य स्वामी राम स्वरूप जी ने अथर्ववेद एवं यजुर्वेद के मंत्रों का अर्थ समझाते हुए योग साधना के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अष्टांग योग-यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि-को जीवन के लिए आवश्यक बताया। स्वामी जी ने कहा कि नियमित योग से मन की चंचलता दूर होती है और साधक ईश्वर प्राप्ति की ओर अग्रसर होता है।

संसारपुर टैरेस में नशे के खिलाफ मैराथन दौड़

अनंत ज्ञान, परागपुर। जसवां-परागपुर विस क्षेत्र के तहत संसारपुर- टैरेस में नशे के खिलाफ एक बड़ी मुहिम देखने को मिली है। पुलिस थाना संसारपुर टैरेस ने चिट्टा छोड़ो, जिंदगी जोड़ो थीम के साथ एक मैराथन दौड़ का आयोजन किया। इस दौड़ में युवाओं, महिलाओं और स्कूली बच्चों ने पूरी ऊर्जा के साथ भाग लिया और नशा मुक्त समाज बनाने का संदेश दिया। दौड़ की शुरुआत थाना प्रभारी संजय शर्मा ने की। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को नशा न करने की शपथ दिलाई और उसके बाद हरी झंडी दिखाकर दौड़ रवाना की। मैराथन के अंत में विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। लड़कों के वर्ग में उदय सपेलिया, लड़कियों के वर्ग में सपना, बच्चों के वर्ग में दिव्यांश और दिग्विमा तथा महिलाओं के वर्ग में अनुराधा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

नूरपुर की नई एसपी इल्मा अफरोज का सम्मान

अनंत ज्ञान, इंदौरा। प्रेस ट्रस्ट इंदौरा के प्रधान अशोक ठाकुर तथा समाजसेवी तथा इंडस्ट्रियलिस्ट अरुण शर्मा ने नूरपुर के नए पुलिस जिला के एसपी के तौर पर इल्मा अफरोज को नियुक्त किए जाने पर उन्हें गुलदस्ते भेंट किए तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। एसपी नूरपुर ने कहा कि यह नूरपुर का इलाका काफी संवेदनशील है, जिसमें अवैध माइनिंग तथा नशे का कारोबार काफी सालों से हो रहा है। उनकी प्राथमिकता नशे के खिलाफ रहेगी। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ उनका अभियान जारी रहेगा।

केवाईसी, डिजिटल भुगतान की दी जानकारी

अनंत ज्ञान, गरली। बढ़ते साइबर अपराध और डिजिटल लेन-देन के दौर में लोगों को सुरक्षित बैंकिंग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत प्रागपुर में वित्तीय साक्षरता केंद्र, देहरा द्वारा वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में ग्रामीणों को केवाईसी, डिजिटल भुगतान, साइबर ठगी से बचाव, नामांकन तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। वित्तीय साक्षरता केंद्र के प्रबंधक मोहिंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि बैंक खाते का समय-समय पर केवाईसी अपडेट करना अत्यंत आवश्यक है।

करियाड़ा में ठंडे पानी की लगाई छबील

अनंत ज्ञान, गरली। भीषण गर्मी के बीच मानव सेवा का प्रेरणादायी उदाहरण पेश करते हुए राष्ट्रीय हिंदू वाहिनी संघ, जिला कांगड़ा की ओर से गांव करियाड़ा (रजोल) में मीठे पानी की छबील लगाई गई। इस सेवा अभियान का नेतृत्व जिला कांगड़ा अध्यक्ष शिवांगी ठाकुर ने किया। छबील के माध्यम से राहगीरों, ग्रामीणों और वाहन चालकों को शीतल व मीठा पानी पिलाकर गर्मी से राहत पहुंचाई गई। शिवांगी ठाकुर ने कहा कि प्यासे को पानी पिलाना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है।

धर्मशाला नगर निगम का एक्शन, अवैध पोस्टर लगाने वालों पर 92 हजार जुर्माना

सार्वजनिक संपत्ति को बदरंग करने पर 25 मामलों में आयुक्त अदालत ने की कार्रवाई

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। नगर निगम धर्मशाला ने सार्वजनिक संपत्तियों पर अवैध रूप से पोस्टर चिपकाकर उन्हें बदरंग करने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। एसमी धर्मशाला आयुक्त अदालत ने 25 ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई करते हुए 92 हजार जुर्माना ठोका है। इसके साथ ही आगामी समय में फिर से मामले सामने आने पर एफआईआर सहित सलाखों के पहुंचाने की सख्त कार्रवाई भी की जा सकती है।

नगर निगम आयुक्त की अदालत में ऐसे 25 लोगों को तलब किया गया था, जिन्होंने नगर निगम क्षेत्र में वर्षा आश्रयों (रेन शेल्टर), सार्वजनिक चारदीवारियों, चौक सहित अन्य सरकारी एवं सार्वजनिक संपत्तियों पर पोस्टर चिपकाकर

सरकारी व सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने पर हुई कार्रवाई

नियमों का उल्लंघन किया था। सुनवाई के दौरान 25 में से 14 लोग स्वयं अथवा अपने अधिकृत प्रतिनिधियों के माध्यम से अदालत में उपस्थित हुए। पक्षों की दलीलें सुनने और मामले के तथ्यों का परीक्षण करने के बाद आयुक्त न्यायालय ने संबंधित दोषियों पर कुल 92 हजार रुपए का जुर्माना लगाया।

यह कार्रवाई नगर निगम अधिनियम एवं संबंधित उपविधियों के उल्लंघन तथा सरकारी और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने और बदरंग करने के आरोप में की गई। इसके अलावा, घर-घर कूड़ा संग्रहण सेवा के उपयोग शुल्क का भुगतान नहीं करने वाले डिफॉल्टरों से 36 हजार रुपए की राशि भी वसूल की गई। नगर निगम ने स्पष्ट किया कि जिन शेष आरोपियों ने समन मिलने के बावजूद अदालत में उपस्थित होना उचित नहीं समझा, उनके खिलाफ नगर निगम अधिनियम, संबंधित उपविधियों एवं अन्य प्रासंगिक कानूनी प्रावधानों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। इनमें वसूली की कार्रवाई के साथ-साथ कानूनी कार्रवाई भी शामिल होगी।

सार्वजनिक संपत्ति पर पोस्टर चिपकाना दंडनीय अपराध: जफर इकबाल

नगर निगम धर्मशाला के आयुक्त जफर इकबाल ने बताया कि नागरिकों, राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और अन्य संस्थाओं से अपील की है कि वे सार्वजनिक स्थानों, बस स्टॉप, रेन शेल्टर, दीवारों, बिजली के खंभों और अन्य सरकारी संपत्तियों पर पोस्टर, बैनर या विज्ञापन सामग्री न चिपकाएं। ऐसा करना न केवल शहर की सुंदरता को प्रभावित करता है, बल्कि यह दंडनीय अपराध भी है। नगर निगम का उद्देश्य धर्मशाला को पोस्टर मुक्त, स्वच्छ, सुंदर और दृश्य प्रदूषण से मुक्त शहर बनाना है। इसके लिए भविष्य में भी नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। कमिश्नर ने बताया कि एमसी क्षेत्र में विज्ञापन व होर्डिंग लगाने के स्थान निर्धारित किए गए हैं, कार्यालय में संपर्क कर उचित तरीके से अपने विज्ञापन डिस्प्ले कर सकते हैं।

15 किलो चरस और 900 ग्राम हेरोइन को किया नष्ट

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध एवं अवैध तस्करी निवारण दिवस के अवसर पर उत्तरी रेंज के जिला चंबा, जिला कांगड़ा के नूरपुर और देहरा में जब्त नशीले पदार्थों को नष्ट करने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। इसी क्रम में कांगड़ा जिले के गगल स्थित इंसीनरेटर में वैज्ञानिक प्रक्रिया के तहत विभिन्न मादक पदार्थों का सुरक्षित निस्तारण किया गया। इस दौरान डीआईजी सौम्या, एसपी कांगड़ा कुलभूषण वर्मा सहित पुलिस विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

डीआईजी नॉर्थ रेंज सौम्या ने बताया कि इस अभियान के तहत करीब 375 किलोग्राम पॉपी हस्क, 45 किलोग्राम चरस तथा 700 ग्राम चिट्टा (हेरोइन) सहित अन्य मादक पदार्थों को वैज्ञानिक तरीके से नष्ट किया गया। उन्होंने कहा कि नष्ट किए गए नशीले पदार्थों की अनुमानित बाजार कीमत करीब सवा चार करोड़ रुपए है। एसपी कांगड़ा कुलभूषण वर्मा ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर हिमाचल प्रदेश के सभी जिलों में न्यायिक प्रक्रिया पूरी हो चुके मामलों में जब्त मादक पदार्थों को नष्ट किया गया। उन्होंने कहा कि कांगड़ा जिले में वर्ष 2014 के बाद दर्ज और ट्रायल पूर्ण हो चुके 73 मामलों में जब्त करीब 15 किलोग्राम चरस, 900 ग्राम हेरोइन, अफीम के पौधे, नशीले कैप्सूल और टैबलेट्स को निर्धारित समिति की निगरानी में गगल स्थित इंसीनरेटर में वैज्ञानिक तरीके से नष्ट किया गया। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के खिलाफ पुलिस का अभियान लगातार जारी है। नशे की तस्करी और इसके कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के साथ-साथ युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं। पुलिस का उद्देश्य नशामुक्त समाज का निर्माण करना है, जिसके लिए कानून के साथ-साथ जनसहयोग भी बेहद आवश्यक है।

पंजाब के दो नशा तस्करों से 5.97 ग्राम चिट्टा किया बरामद

अनंत ज्ञान

गगल। जिला कांगड़ा पुलिस की ओर से नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस थाना गगल की टीम ने एक और महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस टीम को गश्त और यातायात जांच के दौरान कुठमा (गगल) के पास नाकाबंदी के दौरान एक मोटरसाइकिल (नंबर पीबी06-बीजे6542) को जांच के लिए रोका गया। मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्तियों की तलाशी लेने पर उनके कब्जे से कुल 5.97 ग्राम चिट्टा बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान हरपाल सिंह (34), पुत्र आत्मा सिंह तथा जसपाल सिंह (34) के रूप में हुई है। दोनों आरोपी गांव चौड़ा वाजवा, डाकघर एवं तहसील डेरा बाबा नानक, जिला गुरदासपुर (पंजाब) के निवासी हैं। पुलिस अधीक्षक (एसपी) कांगड़ा कुलभूषण वर्मा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। उनके खिलाफ पुलिस थाना गगल में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि बरामद हेरोइन को आपूर्ति कहां से हुई और इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क तो सक्रिय नहीं है। कांगड़ा पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगा।

टेट को बनाया जाए विभागीय परीक्षा, शिक्षकों को राहत देने के लिए फैसला ले सरकार

अनंत ज्ञान ब्यूरो धर्मशाला। सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले के बाद सेवारत शिक्षकों पर टेट की अनिवार्यता लागू किए जाने को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। शिक्षकों का कहना है कि यह निर्णय राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद की 17 अक्तूबर 2017 की अधिसूचना के विपरीत है, जिसमें स्पष्ट किया गया था कि आरटीई अधिनियम में किसी भी पूर्वव्यापी संशोधन से किसी शिक्षक के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। आरटीई अधिनियम की धारा 23 के अनुसार 23 अगस्त 2010 से नियुक्ति के लिए टेट अनिवार्य किया गया था, लेकिन इससे पहले नियुक्त शिक्षकों पर इसे लागू करने को गलत बताया जा रहा है। इसके बावजूद कई राज्यों में सेवारत शिक्षकों को टेट उत्तीर्ण करने के लिए बाध्य किया जा रहा है, जिससे उनकी पदोन्नति, वेतन वृद्धि और सेवा सुरक्षा प्रभावित हो रही है। शिक्षकों का तर्क है कि यह संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 का उल्लंघन है। सुप्रीम कोर्ट ने हालांकि 2028 तक पात्रता प्राप्त करने की समयसीमा दी है, लेकिन रिटायरमेंट के करीब पहुंचे शिक्षकों पर भी यह शर्त लागू होने से चिंता बढ़ गई है। टीजीटी कला संघ ने टेट को विभागीय परीक्षा की तरह वर्ष में दो बार आयोजित करने की मांग उठाई है। संघ का कहना है कि यदि इसे सरल और नियमित बनाया जाए तो अधिकतर शिक्षकों को राहत मिल सकती है। वहीं टेट 2026 की कठिनाई और त्रुटियों पर भी सवाल उठाए गए हैं, जिससे शिक्षक वर्ग में असंतोष बढ़ रहा है।

युवाओं से किया नशे से दूर रहने का आह्वान

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। अंतरराष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस के अवसर पर उपमंडल बैजनाथ के राजकीय आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र उतराला में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला उतराला के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय जागरूकता एवं शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। चिकित्सा अधिकारी डॉ. रंजना कपूर ने कहा कि नशा व्यक्ति के स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहने और समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने आयुर्वेद, योग, संतुलित आहार और नियमित दिनचर्या के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

वीबी-जी राम-जी व्यवस्था का विरोध

अनंत ज्ञान, डाडासीबा। कांग्रेस नेता सुरिंदर मनकोटिया ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित वीबी-जी राम-जी व्यवस्था का कड़ा विरोध करते हुए इसे ग्रामीण गरीबों, मजदूरों और किसानों के हितों के खिलाफ बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि हिमाचल प्रदेश में मनरेगा के तहत वर्तमान 320 रुपए की दिहाड़ी घटकर 247 रुपए रह जाएगी, जिससे मजदूरों की आर्थिक स्थिति प्रभावित होगी। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है जब मजदूरी बढ़ाने के बजाय घटाई जा रही है, जो गरीब विरोधी कदम है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था, महिलाओं और छोटे किसानों पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने केंद्र सरकार से इस प्रस्ताव पर पुनर्विचार करने की मांग की।

कांग्रेस सरकार का बेरोजगार युवाओं के साथ क्रूर मजाक: श्रेय अवस्थी

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। प्रदेश भाजपा के सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश सहसंयोजक श्रेय अवस्थी ने प्रदेश सरकार पर बेरोजगार युवाओं के साथ क्रूर मजाक करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) कर्मियों की हड़ताल के दौरान सरकार ने अस्थायी तौर पर चालकों की भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए, युवाओं से निर्धारित केंद्रों पर पहुंचकर टेस्ट ड्राइव भी करवाई गई। प्रदेश के हजारों बेरोजगार युवा अपना निजी खर्च पर, समय और संसाधन लगाकर इस उम्मीद से पहुंचे कि उन्हें प्रतिदिन 1500 रुपए के मानदेय पर रोजगार मिलेगा, लेकिन कुछ ही घंटों के भीतर पूरी प्रक्रिया समाप्त कर दी गई और युवाओं को वापस भेज दिया गया। श्रेय अवस्थी ने कहा कि यह प्रदेश के बेरोजगार युवाओं की भावनाओं के साथ किया गया एक भद्दा मजाक है। सरकार ने युवाओं का समय और पैसा दोनों बर्बाद किया। यदि सरकार को उनकी सेवाओं की आवश्यकता नहीं थी, तो उन्हें इस प्रकार बुलाकर अनिश्चितता की स्थिति में नहीं डालना चाहिए था। उन्होंने कहा कि प्रदेश संकट की घड़ी में यही युवा सरकार की मदद के लिए आगे आए थे। इसलिए सरकार का नैतिक दायित्व बनता है कि जिन युवाओं ने आवेदन किया और टेस्ट ड्राइव के लिए अपने खर्च पर पहुंचे, उन्हें कम से कम उचित प्रोत्साहन राशि या यात्रा व्यय प्रदान किया जाए। श्रेय अवस्थी ने प्रदेश सरकार से मांग की कि भविष्य में इस प्रकार की अव्यवस्थित और जल्दबाजी में की गई प्रक्रियाओं से बचा जाए तथा बेरोजगार युवाओं के सम्मान और उनके समय का पूरा ध्यान रखा जाए।

रेटिना बनेगा भविष्य की 'विंडो टू हेल्थ', शरीर की बीमारियों का देगा शुरुआती संकेत: संदीप

अनंत ज्ञान

आशीष दमीर, कांगड़ा। डॉ. संदीप महाजन के अनुसार, हाल के वर्षों में रेटिना जांच तकनीक में क्रांतिकारी बदलाव आया है। अब ऐसी अत्याधुनिक इमेजिंग उपलब्ध है, जिससे रेटिना की सूक्ष्म परतों और रक्त प्रवाह का भी गहन अध्ययन संभव हो गया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से इन चित्रों का विश्लेषण और भी अधिक सटीक हो गया है।

उन्होंने कहा कि जब मैं 1976-80 में मेडिकल कॉलेज में पढ़ता था, तब हमें सिखाया जाता था कि शरीर के अलग-अलग अंगों की बीमारी जानने के लिए अलग-अलग जांचें करनी पड़ती हैं। मस्तिष्क के लिए एक्स-रे, हृदय के लिए अलग जांच और रक्तवाहिनियों के लिए अलग परीक्षण किए जाते थे। लेकिन आज नेत्र विज्ञान जिस तेजी से आगे बढ़ रहा है, उसे देखकर लगता है कि भविष्य में चिकित्सा की तस्वीर काफी बदलने वाली है। उन्होंने कहा कि आंख शरीर का एकमात्र ऐसा हिस्सा है, जहां हम रक्तवाहिनियों को सीधे देख सकते हैं। रेटिना की सूक्ष्म नसें और धमनियां पूरे शरीर की रक्तवाहिनियों का प्रतिबिंब होती हैं। यही कारण है कि मधुमेह, उच्च रक्तचाप और कई अन्य बीमारियों के शुरुआती संकेत अक्सर सबसे पहले आंखों में दिखाई देते हैं। दुनिया भर के वैज्ञानिक और तकनीकी संस्थान इस दिशा में शोध कर रहे हैं कि केवल आंखों की तस्वीर से ही हृदय, मस्तिष्क और रक्तवाहिनियों की स्थिति का अनुमान लगाया जा सके। शुरुआती परिणाम अत्यंत उत्साहजनक हैं, क्योंकि कई मामलों में रेटिना में होने वाले परिवर्तन भविष्य के स्ट्रोक और हृदय रोगों का संकेत पहले ही दे देते हैं। मेरा मानना है कि भविष्य में साधारण फंडस या रेटिना स्कैन कुछ ही मिनटों में शरीर की रक्तवाहिनियों की स्थिति और रोगों की गंभीरता बता देगा। हालांकि एमआरआई और सीटी स्कैन की भूमिका बनी रहेगी, लेकिन प्रारंभिक जांच में रेटिना स्कैन अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकता है। नेत्र रोग विशेषज्ञ होने के नाते मैं देखता हूं कि आँखें केवल देखने का माध्यम नहीं, बल्कि पूरे शरीर के स्वास्थ्य का दर्पण हैं।

प्रेस क्लब ने किया नवनियुक्त एसपी का अभिनंदन

अनंत ज्ञान, परागपुर। जसवां-परागपुर प्रेस क्लब द्वारा शुक्रवार को देहरा पुलिस जिला के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक संदीप धवल का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर क्लब सदस्यों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके उज्ज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। पत्रकारों ने आशा व्यक्त की कि उनके नेतृत्व में क्षेत्र की कानून व्यवस्था और अधिक मजबूत होगी तथा पुलिस और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा। एसपी संदीप धवल ने निष्पक्ष पत्रकारिता को प्रोत्साहित करते हुए पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में डीएसपी डाडासीबा राजकुमार सहित कई अधिकारी एवं प्रेस क्लब सदस्य उपस्थित रहे।

वीरांगना रानी दुर्गावती नारी शक्ति सम्मान से सम्मानित हुईं मन्नत रंधावा और दिव्याना

अनंत ज्ञान, धर्मशाला। कांगड़ा हिमाचल प्रदेश की उभरती हुई युवा लेखिकाएं मन्नत रंधावा और दिव्याना को समाज में अपने लेखन और चित्रकारी के उत्कृष्ट योगदान, महिला सशक्तिकरण-नेतृत्व क्षमता और सार्वजनिक सेवा के लिए इंटरनेशनल एकेडमी फॉर ह्यूमन एक्सीलेंस संस्था द्वारा वीरांगना रानी दुर्गावती नारी शक्ति सम्मान देकर सम्मानित किया गया उनको यह सम्मान संस्था के अध्यक्ष तथा फाउंडर डॉ.टीकम सिंह द्वारा वर्चुअल माध्यम से दिया गया। मन्नत रंधावा,दिव्याना तथा उनके माता-पिता जगदीश सिंह,कमलेश कुमारी,मनिंदर सिंह और आशा देवी द्वारा छात्राओं के साहित्यिक गुरु डॉ.राजीव डोगरा का धन्यवाद किया जिनके मार्गदर्शन से उनको इतनी बड़ी उपलब्धि प्राप्त हुई।

श्रीमद्भागवत कथा में माता सती प्रसंग का वर्णन

अनंत ज्ञान, परागपुर। तहसील रक्कड़ के गांव चपलाह में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन कथाव्यास पंडित सुमित शास्त्री ने माता सती और भगवान शिव से जुड़े प्रसंगों का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने बताया कि यज्ञ में अपमान से आहत होकर माता सती ने योगाग्नि में देह त्याग दी, जिससे शक्तिपीठों की स्थापना हुई। कथा में बताया गया कि अगले जन्म में माता पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए कठोर तप और व्रत किया।

सरकार की प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए ऐतिहासिक पहल

कांगड़ा में 374 किसानों से खरीदी 776.50 क्विंटल प्राकृतिक गेहूं

अनंत ज्ञान

अजय पाल, पालमपुर। जिले में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में प्राकृतिक गेहूं की सरकारी खरीद प्रक्रिया 15 से 22 जून तक संपन्न हुई। इस वर्ष किसानों को प्राकृतिक गेहूं पर 80 रुपए प्रति किलोग्राम का प्रोत्साहन मूल्य दिया जा रहा है, जो पिछले वर्ष के 60 रुपए प्रति किलोग्राम से 20 रुपए अधिक है। बढ़े हुए समर्थन मूल्य से किसानों में प्राकृतिक खेती के प्रति उत्साह बढ़ा है।

परियोजना निदेशक आत्मा, जिला कांगड़ा, डॉ. शशि पाल अत्री ने बताया कि इस वर्ष जिले के 374 किसानों से कुल 776.50 क्विंटल प्राकृतिक गेहूं की खरीद की गई। इसके लिए ढलियारा, फतेहपुर और नगरोटा बगवां स्थित नागरिक आपूर्ति निगम के गोदामों में खरीद केंद्र स्थापित किए गए थे। फतेहपुर केंद्र में 123

प्राकृतिक गेहूं की सरकारी खरीद प्रक्रिया संपन्न। अनंत ज्ञान

किसानों से 520 क्विंटल, ढलियारा केंद्र में 79 किसानों से 104 क्विंटल तथा नगरोटा बगवां केंद्र में 172 किसानों से 152.50 क्विंटल गेहूं खरीदा गया। खरीद प्रक्रिया के दौरान गेहूं की नमी की जांच की गई और सभी किसानों को विधिवत रसीदें प्रदान की गईं। साथ ही किसानों के बैंक खातों का विवरण भी एकत्रित कर लिया गया है। सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य की राशि शीघ्र ही नियमानुसार किसानों के खातों में हस्तांतरित की जाएगी। डॉ. अत्री ने किसानों से प्राकृतिक खेती का दायरा बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि यह खेती किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और मानव स्वास्थ्य के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। सरकार प्राकृतिक रूप से उगाई गई मक्की पर 50 रुपए, गेहूं पर 80 रुपए व हल्दी पर 150 रुपए प्रति किलोग्राम न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान कर रही है, जो देश में सबसे अधिक है।

आरटीआई को दबाना भ्रष्टाचार को बढ़ावा देना है: शिव शाह

अनंत ज्ञान, परागपुर। सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम, जिसे लोकतंत्र में आम आदमी का सबसे धारदार हथियार माना जाता था, आज सरकारी विभागों की फाइलों में दम तोड़ रहा है। युवा विकास मण्डल परागपुर के संयोजक शिव शाह ने प्रशासनिक तंत्र की कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार को छिपाने के लिए सूचना के अधिकार का गला घोंटा जा रहा है। शिव शाह ने आरोप लगाया कि पारदर्शिता लाने वाला यह कानून अब भ्रष्टाचार को संरक्षण देने का जरिया बन चुका है। उन्होंने कहा कि स्थिति यह है कि सूचना अधिकारी जानकारी साझा करने के बजाय उसे दबाने में अपनी पूरी ऊर्जा खपा रहे हैं। नियम-कानूनों की परवाह किए बिना, सूचना अधिकारी मनमानी धाराओं का हवाला देकर आवेदन निरस्त कर देते हैं। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार से मांग की है कि आरटीआई कानून को और अधिक सुदृढ़ बनाया जाएगा।

आठ साल सेवाकाल पूर्ण करने वाले ही बनें हेडमास्टर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। राजकीय टीजीटी कला संघ ने हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग से हेडमास्टर और प्रवक्ता पदोन्नति प्रक्रिया में भर्ती एवं पदोन्नति नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने की मांग उठाई है। संघ के प्रदेश महासचिव विजय हीर ने कहा कि अगले माह जारी होने वाली टीजीटी से हेडमास्टर पदोन्नति सूची में केवल उन्हीं शिक्षकों को शामिल किया जाए, जिन्होंने बतौर टीजीटी आठ वर्ष का अनिवार्य सेवाकाल पूरा कर लिया हो।

उन्होंने बताया कि हेडमास्टर भर्ती एवं पदोन्नति नियमों के नियम-11 के अनुसार आठ वर्ष का सेवाकाल अनिवार्य है। इस संबंध में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने 12 सितंबर 2022 को अविनाश चंद्र बनाम हिमाचल सरकार (सीडब्ल्यूपी 5501/2022) मामले में भी स्पष्ट निर्देश दिए थे। इसके बावजूद बाद में जारी पदोन्नति सूची में ऐसे कई शिक्षकों को पदोन्नत किया गया, जिन्होंने यह अवधि पूरी नहीं की थी। संघ ने मांग की है कि पदोन्नति से पहले स्कूलों से प्राप्त आवेदनों की समीक्षा हाईकोर्ट में लंबित मामलों, जिनमें धर्म देव बनाम हिमाचल सरकार (सीडब्ल्यूपी 5987/2022) और देव राज बनाम हिमाचल सरकार (सीडब्ल्यूपी 4773/2021) शामिल हैं, के आधार पर की जाए। इसके अलावा संघ ने वर्ष 2012 की अधिसूचना में संशोधन की भी मांग की है। उनका कहना है कि 19 अगस्त 2011 से पहले स्नातकोत्तर एवं बीएड जैसी शैक्षणिक योग्यताएं हासिल करने वाले सभी शिक्षकों को न्यूनतम अंकों में छूट का लाभ मिलना चाहिए, चाहे उनकी टीजीटी नियुक्ति या पदोन्नति 19 अगस्त 2011 के बाद हुई हो।

संघ का कहना है कि इस शर्त के कारण कई शिक्षक प्रवक्ता पदोन्नति से वंचित हो रहे हैं और इस संबंध में अंतिम निर्णय अब शिक्षा सचिव को लेना है।

न्यूज ब्रीफ

लोगों को नशे के खिलाफ किया जागरूक

अनंत ज्ञान, संजीव चौहान, टौणी देवी। प्रदेश सरकार के जनसंपर्क विभाग द्वारा लोक गीतों और नाटक द्वारा लोगों को नशे से दूर रहने का आह्वान किया जा रहा है। सरस्वती कला मंच के कलाकारों ने बारी पंचायत के शिव मंदिर प्रांगण में लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। पंचायत प्रधान राजीव चौहान ने बताया कि प्रदेश में नशा बढ़ता जा रहा है, जिसके लिए लोगों को जागरूक होने कि आवश्यकता है। कला मंच के कलाकारों ने भी संगीत व नाटक के माध्यम लोगों को अपने बच्चों को नशे से दूर रखने की सलाह दी।

करोट स्कूल में एसएमसी का गठन, पंकज बने अध्यक्ष

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला करोट में स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) का गठन अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी के साथ किया गया। बैठक में लगभग 100 अभिभावकों ने भाग लिया। लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत 15 सदस्यीय समिति में पंकज कुमार को लगातार दूसरी बार अध्यक्ष तथा गोल्डी धीमान को उपाध्यक्ष चुना गया। बलवीर सिंह को सदस्य बनाया गया। प्रधानाचार्य अनीता कुमारी ने नवगठित समिति को शुभकामनाएं देते हुए विद्यालय के सर्वांगीण विकास में सहयोग की अपेक्षा जताई।

आंगनबाड़ी सहायिका के पद के लिए साक्षात्कार 15 को

अनंत ज्ञान, सुजानपुर। सक्षम आंगनबाड़ी योजना के अंतर्गत बाल विकास परियोजना सुजानपुर के आंगनबाड़ी केंद्र भरमाड में सहायिका पद हेतु आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 13 जुलाई 2026 कर दी गई है। न्यूनतम आवेदन न मिलने के कारण पूर्व में साक्षात्कार स्थगित कर दिए गए थे। अब साक्षात्कार 15 जुलाई 2026 को सीडीपीओ कार्यालय सुजानपुर में होंगे। पूर्व आवेदकों को पुनः आवेदन की आवश्यकता नहीं है। अभ्यर्थियों को निर्धारित समय पर मूल दस्तावेजों सहित उपस्थित होना अनिवार्य होगा।

नादौन में जहरीला पदार्थ निगलने से व्यक्ति की मौत

अनंत ज्ञान, नादौन। नादौन की पंचायत मझियार के वंटेरा गांव के अशोक कुमार पुत्र अजय कुमार आयु 54 वर्ष की जहरीले पदार्थ का सेवन करने से मृत्यु हो गई है। मिली मिली जानकारी के अनुसार अशोक कुमार ने 23 जून को जहरीले पदार्थ का सेवन किया था जिससे उसकी तबीयत काफी बिगड़ गई। उसे उपचार हेतु सिविल अस्पताल नादौन लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे मेडिकल कॉलेज टांडा रेफर कर दिया। जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। एसएचओ निर्मल मामले की पुष्टि करते हुए एसएचओ इंस्पेक्टर निर्मल सिंह ने बताया कि जांच के दौरान मृतक की पत्नी एवं अन्य परिजनों के बयान दर्ज किए गए। जांच में पाया गया कि मृतक मजदूरी का कार्य करता था और नशे का भी आदी था। मृतक की पत्नी ने अपने बयान में किसी पर भी कोई संदेह व्यक्त नहीं किया है। पोस्टमार्टम करवाने के बाद मृतक को परिजनों को सुपुर्द कर दिया है।

मेडिकल कॉलेज हमीरपुर में एमआरआई की मशीन तो इंस्टाल, मरीजों का इंतजार

जोल सप्पड़ में कुछ विभागों के शिफ्ट होने का इंतजार, उसके बाद ही शुरू होंगे एमआरआई

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने हाल ही में जोल सप्पड़ में डॉ. राधाकृष्णन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय हमीरपुर के नए परिसर में लगभग 35 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले अत्याधुनिक क्रिटिकल केयर ब्लॉक का शिलान्यास किया था। इस दौरान जोल सप्पड़ में अस्पताल ब्लॉक में एमआरआई की 27 करोड़ रूपए से स्थापित की गई मशीन का जायजा लिया था। जोल सप्पड़ में डॉ. राधाकृष्णन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय हमीरपुर में एमआरआई मशीन को स्थापित किए हुए दो माह से अधिक का समय हो गया है और इसका ट्रायल भी हो चुका है, लेकिन अब जोल सप्पड़ में कुछ विभाग जो शिफ्ट होने हैं उनका इंतजार किया जा रहा है। विभाग शिफ्ट होने के बाद मरीज आएंगे, उसके बाद ही एमआरआई शुरू होंगे। पिछले दो वर्षों से तैयार भवन में शिफ्ट करने को लेकर कई बार उम्मीद जगी लेकिन फिर वही फर्नीचर पर आकर टिक गई। जिस तरह से अस्पताल के तैयार भवन में धूल जम रही है उसी प्रकार मरीज न आने से इस मशीन पर धूल जमना शुरू न हो जाए। बता दें कि जोल सप्पड़ में डॉ. राधाकृष्णन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय हमीरपुर में अभी भी फर्नीचर को लेकर पेच फंसा हुआ है जिसका समाधान नहीं हो पा रहा है। अस्पताल का भवन भी पिछले दो सालों से बनकर तैयार है, कमी है तो फर्नीचर लगाने की। फर्नीचर लगने से विभागों को शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। हालांकि मुख्यमंत्री ने मेडिकल कॉलेज प्रशासन को जुलाई के पहले सप्ताह में मेडिकल कॉलेज के विभिन्न विभागों का संचालन करने के निर्देश दिए हैं। अब जुलाई माह में शिफट होने वाले विभागों का इंतजार किया जा रहा है। कारण कोई भी हो लेकिन मेडिकल कॉलेज प्रबंधन पर देनदारी का बोझ बढ़ता जा रहा है। दूसरी तरफ नए मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों के रेजीडेंस भी नहीं है। क्या डॉक्टर हमीरपुर से जोल सप्पड़ आएंगे और जाएंगे। सूत्रों से पता चला है कि डॉक्टरों को छोड़ने और ले जाने के लिए बसें लगाई जाएंगी, जिसका सारा खर्च मेडिकल कॉलेज करेगा। इससे डॉक्टरों के साथ मरीजों को भी परेशानी होगी। जब से जोल सप्पड़ में डॉ. राधाकृष्णन राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय हमीरपुर का निर्माण शुरू हुआ है तब से लेकर यह चर्चा में रहा है। अब सभी की निगाहें आने वाले जुलाई माह पर टिकी हुई हैं जब विभागों को शिफ्ट किया जाना है।

◆ सीएम ने जुलाई के पहले हफ्ते में विभिन्न विभागों का संचालन करने के दिए हैं निर्देश

लोहारली स्कूल में एसएमसी की गठित, राजेश बने प्रधान

लोहारली स्कूल में विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

बड़सर। बड़सर विधानसभा के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय लोहारली में विद्यालय प्रबंधन समिति की महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में सर्वसम्मति से राजेश कुमार (काकू) को विद्यालय प्रबंधन समिति का प्रधान निर्विरोध चुना गया। समिति के गठन के दौरान जसवंत सिंह ढटवालिया को उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। बैठक में विद्यालय के विकास, विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति, आधारभूत सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा विद्यालय प्रबंधन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर उपस्थित सदस्यों ने नवनिर्वाचित प्रधान राजेश कुमार (काकू) एवं उपाध्यक्ष जसवंत सिंह ढटवालिया को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। दोनों पदाधिकारियों ने विद्यालय के सर्वांगीण विकास, विद्यार्थियों के हितों की रक्षा तथा शिक्षा के बेहतर वातावरण के लिए सभी सदस्यों के सहयोग से कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई और विद्यालय की उन्नति के लिए सामूहिक प्रयासों पर बल दिया गया।

विशेष बच्चों ने नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को किया जागरूक

हमीरपुर में नशा मुक्ति अभियान के तहत विभिन्न प्रतियोगिताएं की आयोजित। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के सौजन्य से तथा जिला कल्याण अधिकारी कार्यालय हमीरपुर के सहयोग से पहचान स्पेशल स्कूल परिसर में नशा मुक्ति अभियान के तहत जागरूकता रैली एवं खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला कल्याण अधिकारी चमन लाल शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली स्कूल से सासन चौक तक निकाली गई, जिसमें विशेष बच्चों के साथ आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, महिला मंडलों और पंचायत प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

प्रतिभागियों ने नशा छोड़ो, घर जोड़ो जैसे नारों से जागरूकता फैलाई। रैली के बाद परिसर में खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें बैडमिंटन, बास्केटबॉल ड्रिब्लिंग, थ्री लेग रेस, लेमन एंड स्पून रेस तथा रस्साकशी शामिल रहीं। कार्यक्रम की शुरुआत नशे के दुष्परिणामों पर आधारित स्किट से हुई, जिसमें बच्चों ने सकारात्मक जीवन का संदेश दिया। जिला कल्याण अधिकारी ने विशेष बच्चों की भागीदारी को सराहनीय बताते हुए कहा कि वे समाज में सकारात्मक बदलाव के सशक्त वाहक हैं। संस्था की संचालिका चेतना शर्मा ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना के लिए पंचायत प्रतिनिधियों ने किया हवन यज्ञ

जोलसप्पड़ पंचायत में नवनिर्वाचित प्रधान वार्ड पंचों सहित हवन यज्ञ में आहूतियां डालते हुए। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

रंगस। जोलसप्पड़ पंचायत के नवनिर्वाचित प्रधान ने वार्ड पंचों के साथ मिलकर अपने कार्यकाल की शानदार शुरुआत और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना के लिए हवन-पूजन का आयोजन किया।

विधि-विधान से आयोजित इस धार्मिक अनुष्ठान के दौरान सभी प्रतिनिधियों ने यज्ञ में पूर्ण श्रद्धा के साथ आहुतियां दीं। पंचायत प्रधान पवन कुमार का कहना है कि इस आयोजन का मुख्य लक्ष्य पंचायत में शांति, आपसी भाईचारा और गांव का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करना था। यह आयोजन पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा एकजुट होकर जनहित और क्षेत्र की भलाई के लिए काम करने की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

हवन में नए प्रधान पवन कुमार और वार्ड पंचों रीता देवी, सिमरो देवी, पिंकी देवी, चंद्र देव, राकेश कुमार, सुरेंद्र कुमार व आशा देवी तथा अनीता कुमारी के अलावा गणमान्य नागरिक और स्थानीय ग्रामीण भी शामिल रहे। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ यज्ञ की पूर्णाहुति की गई, जिसके बाद उपस्थित लोगों के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। पवन ने बताया कि 27 जून को पंचायत में वार्ड सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह होगा, जिसमें जिला प्रशासन के अधिकारियों को आमंत्रित भी किया गया है। उन्होंने पंचायत के लोगों को अधिक से अधिक संख्या में इस कार्यक्रम में भाग लेने का आहवान किया है।

बिझड़ी-घोड़ीधबीरी सड़क पर सड़क किनारे अवैध अतिक्रमण से सिकुड़ा मार्ग

लोगों में रोष; हादसों को न्योता दे रहे रेत-बजरी के ढेर और अवैध निर्माण, रसूखदारों ने सरकारी भूमि पर जमाया कब्जा

अनंत ज्ञान

एसके ठाकुर, बड़सर। उपमंडल बड़सर के तहत पढ़ने वाले मुख्य संपर्क मार्गों के किनारे होने वाला अवैध अतिक्रमण लगातार विकराल रूप धारण करता जा रहा है, जिससे क्षेत्र के लोगों में भारी रोष है। मामला बिझड़ी से वाया महारल-घोड़ीधबीरी मुख्य सड़क मार्ग का है, जहां नियमों को ताक पर रखकर सरेआम सरकारी जमीनों को निशाना बनाया जा रहा है।

ग्रामीणों व वाहन चालकों द्वारा इस गंभीर विषय को बार-बार संबंधित विभागों के ध्यान में लाया गया, परंतु प्रशासनिक अधिकारियों की उदासीनता के चलते अब तक इस पर केवल कागजी लीपापोती ही देखने को मिली है। इस व्यस्त मार्ग के किनारे जगह-जगह बेतरतीब ढंग से बिछाए गए रेत, बजरी और पत्थरों के ढेरों के कारण सड़क की चौड़ाई आधी रह गई है। इसके अलावा, सड़क के दोनों ओर कबाड़ हो चुके और खराब वाहनों को स्थायी रूप से खड़ा कर दिया गया है। स्थानीय निवासियों का सीधा आरोप है कि अतिक्रमणकारियों और विभागीय फील्ड स्टाफ के बीच कथित आंतरिक सांठगांठ के चलते ही यह मार्ग दिन-प्रतिदिन सिकुड़ता जा रहा है। पहले से ही बेहद संकरे और ढलान वाले इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं, जिन्हें पार करवाते समय वाहन चालकों के पसीने छूट जाते हैं। तीखे मोड़ों पर सामने से आने वाले वाहनों को जगह न मिलने के कारण यहां हर समय किसी बड़े हादसे या जान-माल के नुकसान की आशंका बनी रहती है, जिससे राहगीर भी हमेशा खौफ के साए में सफर करने को मजबूर हैं। सड़क मार्ग की इस बदहाली के पीछे केवल रेत-बजरी के ढेर ही नहीं, बल्कि कुछ स्थानीय प्रभावशाली लोगों द्वारा किया गया पक्का अवैध निर्माण भी एक मुख्य वजह बनकर उभरा है। इस पूरे बेल्ट में हिमाचल सरकार के स्वामित्व वाली लोक निर्माण विभाग और राजस्व विभाग की कीमती भूमि पर रसूखदारों ने पूरी तरह से डाका डाल दिया है। सरकारी भूमि की सीमाओं का खुलेआम उल्लंघन करते हुए सड़क के बिल्कुल साथ लोहे के भारी-भरकम एंगल खड़े कर दिए गए हैं और कंटीली तारों से घेराबंदी कर दी गई है। सड़क की जद में ही पक्के बरामदे, पक्के आंगन और घरों के लेंटर के छज्जे बाहर हवा में निकालकर अवैध कब्जे जमा लिए हैं। हैरानी और विडंबना की बात यह है कि क्षेत्र के कुछ जागरूक नागरिकों द्वारा विशिष्ट व संवेदनशील जगहों पर नामजद औपचारिक शिकायतें दर्ज करवाई गईं, लेकिन इसके बावजूद आज दिन तक धरातल पर कोई भी ठोस या दंडात्मक कार्रवाई अमल में नहीं लाई गई है। दूसरी ओर, जब यह मामला पूरी तरह से मीडिया की सुर्खियों में आया और प्रशासनिक हलकों में इसकी गूंज सुनाई दी, तो लोक निर्माण विभाग ने मामले पर संज्ञान लेने की बात कही है। इस संदर्भ में लोक निर्माण विभाग, बड़सर के अधिशाषी अभियंता डीसी ठाकुर ने कहा कि 'बिझड़ी-महारल-घोड़ीधबीरी सड़क मार्ग पर अतिक्रमण और निर्माण सामग्री के कारण उत्पन्न हो रही बाधा का मामला उनके ध्यान में आया है। संबंधित क्षेत्र के कनिष्ठ अभियंता को तुरंत मौके का निरीक्षण कर एक विस्तृत और तथ्यात्मक रिपोर्ट सौंपने के कड़े निर्देश जारी कर दिए गए हैं। सरकारी भूमि पर किसी भी तरह का अवैध कब्जा या लोक निर्माण विभाग की सड़कों पर यातायात को बाधित करने वाली सामग्री को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जैसे ही कनिष्ठ अभियंता की रिपोर्ट कार्यालय को प्राप्त होती है, लोक निर्माण विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम गठित कर सड़क सीमा के भीतर से सभी प्रकार के अवैध कब्जों को हटाया जाएगा।

बिझड़ी-घोड़ीधबीरी सड़क के किनारे बेतरतीब ढंग से पार्क किए गए खराब वाहन तथा बीच राह में लगे रेत-बजरी के बड़े-बड़े ढेर। अनंत ज्ञान

ई केवाईसी नहीं करवाई तो गैस रिफिल हो जाएगा ब्लॉक

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। हमीरपुर गैस सर्विस के सभी गैस उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि आजकल गैस की सप्लाई में कोई भी कमी नहीं है। हमें गैस प्लांट से गैस की सप्लाई भरपूर मात्रा में आ रही है, जिससे गैस उपभोक्ताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। अब गैस उपभोक्ताओं को गैस सिलिंडर भरवाने के लिए कतारों में लगकर या एक-दूसरे के क्षेत्र (एरिया) में जाकर सिलिंडर भरवाने की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। सभी गैस उपभोक्ताओं को हमीरपुर गैस सर्विस द्वारा यह संदेश दिया जाता है कि अब गैस सिलिंडर भरवाने के लिए हफ्ता या 10 दिन पहले गैस की बुकिंग करने की कोई भी जरूरत नहीं है। अत: जिस दिन आपके क्षेत्र (एरिया) में गैस की सप्लाई आएगी उसके एक दिन पहले उपभोक्ता को गैस की बुकिंग करनी है और अगले दिन आपको गैस सिलेंडर मिल जाएगा। जिस किसी भी उपभोक्ता ने अभी तक ई केवाईसी नहीं करवाई है तथा गैस की सुरक्षा होज (गैस पाइप) पांच साल से नहीं बदली है, वे सभी उपभोक्ता 30, जून 2026 तक अपनी सुरक्षा होज (गैस पाइप) बदलवा लें एवं ई केवाईसी करवा लें, नहीं तो उपभोक्ताओं का गैस रिफिल ब्लॉक हो जाएगा। जिस कारण उपभोक्ता की गैस बुकिंग नहीं हो पाएगी।

कीटनाशक एवं रासायनिक दवाइयों के अत्यधिक उपयोग पर जताई चिंता

अनंत ज्ञान, सोनल, नादौन। करन्डोला पंचायत प्लासी ने पंचायत क्षेत्र में कृषि कार्यों के दौरान कीटनाशक, खरपतवार नाशक एवं रासायनिक दवाइयों के अत्यधिक एवं असावधानीपूर्वक उपयोग पर चिंता व्यक्त की है। पंचायत ने कहा कि इन रसायनों के अवशेष वर्षा जल या सिंचाई के माध्यम से बहकर प्राकृतिक जल स्त्रोतों तक पहुंच रहे हैं, जिससे पेयजल स्त्रोत प्रदूषित हो रहे हैं और मानव स्वास्थ्य, पशु-पक्षी, जैव विविधता एवं पर्यावरण पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। पंचायत ने स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार की कीटनाशक या रासायनिक दवाइयों का छिड़काव जल स्त्रोतों, बावड़ियों, हैंडपंप, नालों एवं पेयजल स्त्रोतों के आसपास न किया जाए। दवाइयों का प्रयोग केवल कृषि विभाग एवं प्रशासन द्वारा निर्धारित मानकों और दिशा-निर्देशों के अनुसार ही किया जाए। साथ ही खाली बोतलें, डिब्बे एवं पैकेटों का सुरक्षित निस्तारण सुनिश्चित करने तथा तेज हवा, वर्षा या जल स्त्रोतों की दिशा में छिड़काव न करने की भी अपील की गई है। इसके अलावा पंचायत ने यह भी कहा कि रासायनिक पदार्थों का उपयोग गांव की आबादी से लगभग 200 मीटर दूरी पर ही किया जाए तथा जल भंडारण टैंकों की नियमित सफाई एवं ब्लीचिंग पाउडर का प्रयोग किया जाए। साथ ही पंचायत ने नशा मुक्ति का आह्वान करते हुए कहा कि गांव में यदि कोई व्यक्ति नशीले पदार्थों के सेवन या कारोबार में संलिप्त पाया जाता है तो उसकी सूचना तुरंत पंचायत प्रधान या प्रशासन को दी जाए, ताकि पंचायत को नशा मुक्त बनाया जा सके।

दरकोटी में स्कूटी और कार की टक्कर, तीन लोग घायल

घायल हमीरपुर मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर

अनंत ज्ञान

टौणी देवी। हमीरपुर-आवाहदेवी हाईवे पर सड़क हादसों की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-03 के खुलने के बाद वाहनों की रफ्तार बढ़ने से दुर्घटनाओं में भी इजाफा हुआ है। वीरवार देर रात करीब एक बजे टौणी देवी पुलिस चौकी के समीप दरकोटी गांव में स्कूटी और कार की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई।

हादसा इतना भीषण था कि दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से घायलों को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें डॉ. राधाकृष्णन राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, हमीरपुर रेफर किया गया। घायलों में स्कूटी सवार युवकों को गंभीर चोटें आई हैं, जिनका उपचार जारी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाईवे पर तेज रफ्तार, लापरवाही और सुरक्षा उपायों की कमी दुर्घटनाओं का मुख्य कारण बन रही है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि संवेदनशील स्थानों पर स्पीड कैमरे, स्पीड ब्रेकर और अन्य सुरक्षा इंतजाम तुरंत किए जाएं ताकि भविष्य में ऐसे हादसों को रोका जा सके।

बड़ू में आज लगेगा मेगा जॉब फेयर, युवाओं को मिलेंगे रोजगार के अवसर

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। बहुतकनीकी महाविद्यालय बड़ू, हमीरपुर में शनिवार को मेगा जॉब फेयर आयोजित किया जा रहा है, जिसमें कॉरपोरेट सेक्टर की कई बड़ी कंपनियां युवाओं के इंटरव्यू लेंगी। सिटी ग्रुप एवं सीटी यूनिवर्सिटी द्वारा बहुतकनीकी महाविद्यालय के सहयोग से आयोजित इस जॉब फेयर का शुभारंभ हिमाचल प्रदेश के नगर एवं ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी करेंगे।

सिटी ग्रुप के अनुसार, इस मेगा जॉब फेयर में 25 से अधिक कंपनियां भाग ले रही हैं, जो विभिन्न पदों के लिए युवाओं के साक्षात्कार लेंगी। चयनित उम्मीदवारों को मौके पर ही ऑफर लेटर प्रदान किए जाएंगे। इस आयोजन से तकनीकी व व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर मिलने की उम्मीद है।

अनुराग बताएं, हमीरपुर के लिए कौन सा काम किया: सुरेश

◆ कहा- झूठ बोलना बंद करें अनुराग ठाकुर

अनंत ज्ञान

हमीरपुर। भोरंज के विधायक सुरेश कुमार ने एक बार फिर सांसद अनुराग ठाकुर पर झूठ बोलने और भ्रम फैलाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि जिस मेडिकल कॉलेज को लेकर वह झूठी बयान बाजी कर रहे हैं, अच्छा होता हमीरपुर के लिए उन्होंने पिछले 20 साल में क्या काम करवाया, उसका कोई ब्यौरा देते।

प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कई मुद्दों पर अनुराग पर जमकर हमले बोले और कहा की हद इस बात की हो गई है जिस मेडिकल कॉलेज के लिए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह ने तत्कालीन सरकार कांग्रेस से इसे स्वीकृत करवाया था। उसके पत्र गवाह है, लेकिन अनुराग ठाकुर को कुछ भी दिखता नहीं है। उन्होंने कहा कि झूठ के सहारे भ्रम फैलाने का काम अनुराग ठाकुर करते हैं। वह तथ्यों के साथ सामने आएं और बताएं कि हमीरपुर के लिए वास्तव में उन्होंने किया क्या है? वंदे भारत ट्रेन का श्रेय हुए लेते हैं लेकिन मिठाइयां तो तत्कालीन राज्यसभा सांसद हिंदू गोस्वामी ने बांटी थीं। बिलासपुर में एम्स का श्रेय जेपी नड्डा लेते हैं। हमीरपुर में अनुराग ने किया क्या है ट्रेन तो आई नहीं। स्टेडियम धर्मशाला में बनाया, उससे हमीरपुर के लोगों को क्या फायदा हुआ। जिस क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष रहे उसे समय भी वे हिमाचल और हमीरपुर के लिए कुछ नहीं कर पाए एक एकेडमी ही अपने संसदीय क्षेत्र में युवाओं के लिए, बच्चों के लिए खोल देते, तो खिलाड़ी और युवा उन्हें याद करते, शाबाशी देते। मेडिकल कॉलेज जब मुकम्मल होगा तब खुल जाएगा। उनके कहने से नहीं खुलेगा, केवल 170 करोड़ केंद्र ने दिया है।। 698 करोड़ इस पर खर्चे जा रहे हैं, मामूल रकम नहीं है।

नादौन कॉलेज में एमएससी फिजिक्स, जूलॉजी और बॉटनी कोर्स इसी सत्र से होंगे शुरू

मुख्यमंत्री का नादौन निवासियों को एक और तोहफा, अधिसूचना जारी

अनंत ज्ञान

नादौन। प्रदेश सरकार ने सिद्धार्थ राजकीय महाविद्यालय नादौन में नए स्नातकोत्तर (पीजी) कोर्स शुरू करने को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के आदेश पर उच्च शिक्षा विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। कॉलेज में एमएससी भौतिकी, जूलॉजी और वनस्पति विज्ञान विषयों में कक्षाएं शुरू की जाएंगी। यह कोर्स इसी शैक्षणिक सत्र 2026-27 से ही शुरू हो जाएंगे। स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव ने निदेशक उच्च शिक्षा को एमएससी की कक्षाएं शुरू करने के लिए सभी औपचारिकताएं पूरी करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री की इस सौगात से हमीरपुर जिले के विद्यार्थियों को बड़ी राहत मिलेगी, क्योंकि अब उन्हें स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई के लिए अन्य जिलों या शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। स्थानीय स्तर पर उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर उपलब्ध होने से क्षेत्र में शिक्षा का स्तर भी मजबूत होगा। उच्च शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद इसी सत्र से कक्षाएं विधिवत शुरू कर दी जाएंगी। नादौन को एक और बड़ी सौगात देने पर जिला परिषद सदस्य रविंद्र कुमार गद्दी, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष कैप्टन पृथ्वी चंद, युवा कांग्रेस अध्यक्ष अजय अत्री, एनएसयूआई नादौन के सक्रिय पदाधिकारियों विकास परमार, साहिल, शौर्य ठाकुर, आर्यन, रिश्व, मोहित, आदित्य, युवा कांग्रेस नेता मोंटी संधू, कांगड़ा बैंक के पूर्व मनोनीत निदेशक मोती जोशी आदि ने मुख्यमंत्री सुक्खू का हार्दिक आभार जताया है।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने नादौन विधानसभा क्षेत्र में विकास की नई इबारत लिखी है । क्षेत्र की जनता उनकी सदैव आभारी रहेगी, क्षेत्र व आसपास के बच्चों को इन तीनों विषयों में एमएससी करने के लिए दूसरे जिलों या राज्य से बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

◆ क्षेत्रवासियों ने जताया सीएम का आभार

न्यूज ब्रीफ

हिम साहित्य परिषद मंडी ने करवाई कवि गोष्ठी

अनंत ज्ञान, महादेव। हिमाचल प्रदेश की जानी मानी साहित्यिक संस्था हिम साहित्य परिषद मंडी की ओर से चिटटा विरोधी मुहिम के तहत लोअर नाचन क्षेत्र में एक कवि गोष्ठी का आयोजन बग्गी स्थित कार्यालय में तैनात अधिशाषी अभियंता कृष्ण कुमार शर्मा की अगुवाई में किया गया। सर्वप्रथम कला प्रेमी एवं कवि स्वामी राणा ने अपनी कविता में कुछ यूं कहा ये हाल हुआ है दो चार सालों में, लाशें मिल रही कभी खेतों में कभी नालों में,सबको आगे आना होगा डंडेमार जगाना होगा, दुनिया सारी सोई पड़ी है;चिटटे ने तबाही की है। इसी प्रकार हिम साहित्य परिषद मंडी के अध्यक्ष एवं जाने माने कवि व साहित्यकार डॉ. पीसी कौंडल ने नशे से होने वाले दुष्प्रभावों को लेकर अपनी कविता में कहा जो करता है नशा;मौत के मुंह से वह नहीं बचा,नशा है एक धीमा जहर वो ढा देता है मौत का कहर,आज युवाओं को लग चुकी है लत इस लत वाले की होती है बुरी गत, हम सबको चिट्टे से युवाओं को बचाना होगा।

95 वर्षीय बुजुर्ग जियूनू राम की इच्छा पूरी करने के लिए परिवार ने करवाया दंगल

अनंत ज्ञान, महादेव। लगभग 95 वर्षीय बुजुर्ग जियूनू राम की वर्षों पुरानी इच्छा को सम्मान देते हुए उनके परिवारजनों द्वारा उनकी अपनी भूमि पर पारंपरिक छिंज (दंगल) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दंगल में लगभग 30 जोड़ियों ने अपना दमखम दिखाया। बड़ी संख्या में ग्रामीणों एवं खेल प्रेमियों ने प्रतियोगिता का आनंद लिया। आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं एवं उपस्थित लोगों के लिए चूरमा, चने और हलवे का प्रसाद वितरित किया गया। वहीं अन्य राज्यों से आए पहलवानों तथा स्थानीय लोगों के लिए मीठे पानी (शरबत) की विशेष व्यवस्था की गई, जिसका सभी ने आनंद लिया। लगभग 95 वर्ष की आयु में जियूनू राम ने अपनी ही भूमि पर आयोजित इस पारंपरिक छिंज को देखकर अत्यंत प्रसन्नता व्यक्त की। परिवार के अनुसार युवावस्था में उन्हें कुश्ती और बैलों का विशेष शौक था तथा वे आसपास आयोजित होने वाली लगभग हर छिंज को देखने जाया करते थे।

बीबीएमबी कर्मचारी संघ ने की बैठक

अनंत ज्ञान, जंगमबाग। बीबीएमबी रेस्ट हाउस में बीबीएमबी कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता चमन लाल वर्मा, अतिरिक्त महामंत्री, हिमाचल परिवहन मजदूर संघ, हिमाचल प्रदेश ने की। इस अवसर पर अनंत ज्ञान, हेमराज, जंगमबाग सहित कर्मचारी संघ के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने तथा कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन करते हुए दलजीत सिंह को प्रधान, संजय कुमार को महासचिव तथा संजय सैन को अध्यक्ष नियुक्त किया। नवनियुक्त पदाधिकारियों ने संगठन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कर्मचारियों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने का भरोसा दिलाया।

स्याठी में हैंडपंप खराब, आंदोलन की चेतावनी

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। धर्मपुर उपमंडल की लौंगणी पंचायत के स्याठी गांव में गत वर्ष भूस्खलन से प्रभावित हुए 20 परिवार आज भी समस्याओं से जूझ रहे हैं। पूर्व जिला पार्षद भूपेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि तीन प्रभावित परिवारों के रसोई गैस कनेक्शन मलबे में दब गए थे, लेकिन एक वर्ष बीतने के बावजूद उन्हें नए कनेक्शन उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवार किराये के मकानों में रह रहे हैं और गैस तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं के अभाव में कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। वहीं गांव का हैंडपंप भी लंबे समय से खराब पड़ा है। भूपेंद्र सिंह ने आरोप लगाया कि सरकार और प्रशासन ने प्रभावितों को भूमि उपलब्ध कराने के वादे भी पूरे नहीं किए हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो वे सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेंगे।

सरसकान में नशा मुक्त समाज का लिया संकल्प

अनंत ज्ञान, धर्मपुर। विकास खंड धर्मपुर की ग्राम पंचायत सरसकान (रखेड़ा) में एंटी चिट्टा विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रधान मीरा देवी उप प्रधान विनोद कुमार (वार्ड) सदस्य नेकराम (डिंपल) विनोद कुमार ,प्रियंका देवी ने युवाओं से नशे से दूर रहने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। इस अवसर पर मुकेश लखनपाल, दीपक कुमार शर्मा, महिला मंडल की प्रधान सरिता देवी ,बबली देवी ,रीमा देवी ,अनुराधा ,कांता देवी, मीरा देवी, इत्यादि लोगों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। चिट्टा सहित अन्य मादक पदार्थ युवाओं के भविष्य और समाज के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। नशे के बढ़ते प्रचलन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए प्रशासन, पुलिस, पंचायत प्रतिनिधियों, शिक्षण संस्थानों तथा आम नागरिकों को मिलकर कार्य करना होगा। युवाओं से नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा अपने आसपास नशे से संबंधित किसी भी गतिविधि की जानकारी तुरंत प्रशासन एवं पुलिस को दे नशा मुक्त समाज का निर्माण तभी संभव है, जब प्रत्येक नागरिक अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए इस जन-जागरूकता अभियान का सक्रिय भागीदार बने पंचायतों के लोगों ने नशे के विरुद्ध एकजुट होकर जन-जागरूकता अभियान को गांव-गांव तक पहुंचाने तथा नशा मुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का सामूहिक संकल्प भी लिया।

लोगों ने कनैड में चिट्टे के खिलाफ ली शपथ

अनंत ज्ञान, मंडी। ग्राम पंचायत कनैड में नशा, विशेषकर चिट्टे के खिलाफ जन-जागरूकता एवं संकल्प अभियान आयोजित किया गया। इसमें पंचायत कनैड और भौर के जनप्रतिनिधियों, युवाओं तथा स्थानीय लोगों ने भाग लिया और नशा मुक्त समाज बनाने की शपथ ली। नशा मुक्ति केंद्र भढयाल से आए जतिन चौधरी, करण और विशाल ने अपने अनुभव साझा कर युवाओं को प्रेरित किया। वहीं श्री साईं नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया।कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एलएसईओ सत्य कौशल ने सभी से नशा मुक्त हिमाचल के निर्माण में सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया।

निर्जला एकादशी पर 26 विप्र दंपत्तियों का पूजन

अनंत ज्ञान, कोटली। निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर तहसील कोटली के गांव ढलवाणी निवासी लाभ सिंह ठाकुर के निवास पर भव्य धार्मिक आयोजन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर निर्जला एकादशी उद्यापन एवं पारायण संस्कार विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ, जिसमें 26 विप्र दंपत्तियों का विधिवत पूजन कर उन्हें सम्मानित किया गया। धार्मिक अनुष्ठान आचार्य पंडित संतोष कुमार शर्मा के सान्निध्य एवं मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लेकर धर्म, संस्कृति और सनातन परंपराओं के प्रति अपनी आस्था प्रकट की। वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक अनुष्ठानों के बीच पूरे वातावरण में भक्तिमय माहौल बना रहा। यजमान लाभ सिंह ठाकुर एवं उनके परिवार ने सभी ब्राह्मण दंपत्तियों का पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार स्वागत एवं सत्कार किया। इस दौरान वस्त्र, आभूषण, दक्षिणा तथा अन्य उपयोगी सामग्री भेंट कर उनका सम्मान किया गया। आयोजन में उपस्थित लोगों ने इसे भारतीय संस्कृति और सनातन मूल्यों के संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल बताया। श्रद्धालुओं का कहना था कि आधुनिकता के इस दौर में भी ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज को अपनी जड़ों से जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में आस्था, श्रद्धा और सामाजिक समरसता का अनूठा संगम देखने को मिला। ग्रामीणों ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन न केवल आध्यात्मिक चेतना को मजबूत करते हैं, बल्कि समाज में संस्कार, सेवा और परंपराओं के संरक्षण का संदेश भी देते हैं।

मंडी में बनेगा प्रदेश का पहला आपदा जोखिम न्यूनीकरण प्रशिक्षण केंद्र

40 करोड़ रुपए की परियोजना से कांगू बनेगा सुरक्षित निर्माण तकनीकों का हब, 2030 तक बनकर होगा तैयार

अनंत ज्ञान

उमेश भारद्वाज, सुंदरनगर। प्राकृतिक आपदाओं के लिहाज से संवेदनशील हिमाचल प्रदेश में अब सुरक्षित भविष्य की मजबूत नींव रखी जा रही है। मंडी जिले के सुंदरनगर उपमंडल के कांगू में प्रदेश का पहला तकनीकी प्रदर्शन इकाई एवं आपदा जोखिम न्यूनीकरण प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया जाएगा।

करीब 40 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला यह अत्याधुनिक केंद्र भूकंप और अन्य प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए सुरक्षित एवं आपदा-रोधी निर्माण तकनीकों का प्रशिक्षण देगा। करीब 12.5 बीघा भूमि पर बनने

जानकारी देती हुईं परियोजना की नोडल अधिकारी मधु शर्मा। अनंत ज्ञान

वाले इस केंद्र में राजमिस्त्रियों, इंजीनियरों, आर्किटेक्ट्स, ठेकेदारों, विद्यार्थियों और आम लोगों को आधुनिक एवं पारंपरिक भूकंपरोधी निर्माण तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसका उद्देश्य केवल तकनीकी जानकारी देना नहीं, बल्कि लोगों में सुरक्षित निर्माण के प्रति व्यवहारिक समझ विकसित करना भी है। इस परियोजना को फ्रांस की एजेंसी फ्रांसेज डे डेवेलपमेंट (एएफडी) के वित्तीय सहयोग से विकसित की जा रही है। जवाहरलाल नेहरू इंजीनियरिंग कॉलेज सुंदरनगर को इसका नोडल संस्थान बनाया गया है। परियोजना के अंतिम स्वरूप को लेकर कॉलेज प्रशासन ने लोक निर्माण विभाग, जल शक्ति विभाग, हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड, आर्किटेक्चरल विंग, पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर सुझाव लिए। पर्यावरणीय एवं सामाजिक प्रभाव, जेंडर एक्शन प्लान और स्थानीय सहभागिता जैसे पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कॉलेज के निदेशक-प्राचार्य प्रो. राजीव खंडूजा ने बताया कि केंद्र में पारंपरिक और आधुनिक भूकंपरोधी निर्माण तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा। प्रशिक्षण के माध्यम से विभिन्न वर्गों को सुरक्षित निर्माण की जानकारी दी जाएगी, जिससे प्राकृतिक आपदाओं के दौरान जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि परियोजना को वर्ष 2030 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

निर्माण में सिमुलेशन मॉडलिंग का होगा उपयोग

पर्यावरण विशेषज्ञ रूपा ने बताया कि यह प्रदेश का पहला ऐसा संस्थान होगा, जहां आधुनिक तकनीकों और सिमुलेशन मॉडलिंग के जरिए भूकंप और जंगलों की आग जैसी आपदाओं से निपटने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इससे सरकारी विभागों के इंजीनियरों, विद्यार्थियों और स्थानीय समुदायों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

12.5 बीघा में होगा निर्माण

परियोजना की नोडल अधिकारी एवं सिविल इंजीनियरिंग विभागाध्यक्ष मधु शर्मा ने बताया कि राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा आमंत्रित प्रस्तावों में जेएनईसी सुंदरनगर का प्रस्ताव चयनित हुआ। राजस्व विभाग ने कांगू में 12.5 बीघा भूमि तकनीकी शिक्षा विभाग के नाम स्थानांतरित कर दी है। परियोजना की ड्राइंग अंतिम रूप में है और निर्माण कार्य दो चरणों में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य नवंबर-दिसंबर 2026 तक शुरू करने का लक्ष्य है।

बीबीएमबी प्रशासन की नाक तले लाखों का पार्क बना जंगल

ज्यादातर पौधे सूख चुके, जंगली घास-झाड़ियों और भांग ने बिगाड़ी सूरत

अनंत ज्ञान मुद्दा

हेमराज, जंगमबाग। बीएसएल परियोजना (बीबीएमबी) द्वारा मुख्य प्रशासनिक कार्यालय के समीप अस्पताल मार्ग पर लाखों रुपए की लागत से विकसित किया गया पार्क आज बदहाली का शिकार नजर आ रहा है। पार्क में लगाए गए अधिकांश पौधे सूख चुके हैं, जबकि चारों ओर जंगली घास, झाड़ियां और भांग उग आई है। पार्क की यह स्थिति संबंधित प्रशासन की लापरवाही को उजागर कर रही है। सामाजिक कार्यकर्ता हेमराज सहित अन्य स्थानीय लोगों का कहना है कि लोगों के बैठने, सैर करने और बच्चों के मनोरंजन के लिए बनाए गए इस पार्क में पर्याप्त सुविधाओं का अभाव है। यहां लगी बेंचें भी

अस्पताल मार्ग पर बनाए बीबीएमबी पार्क में उगी जंगली घास, झाड़ियां और सूखे पौधे। अनंत ज्ञान

जंगली झाड़ियों की चपेट में हैं, जिससे लोगों को बैठने में परेशानी होती है। पार्क में साफ-सफाई की व्यवस्था भी नाममात्र की रह गई है। स्थानीय बुद्धिजीवियों का कहना है कि पार्क को बने अभी अधिक समय नहीं हुआ है, लेकिन रखरखाव के अभाव में इसकी हालत लगातार खराब होती जा रही है। लाखों रुपये खर्च कर बनाए गए इस पार्क की अनदेखी से लोगों में रोष है। उनका कहना है कि यदि समय रहते उचित देखभाल नहीं की गई तो यह पार्क पूरी तरह बंजर भूमि में तब्दील हो सकता है। लोगों ने बीएसएल प्रोजेक्ट (बीबीएमबी) प्रशासन तथा संबंधित चेयरमैन से मांग की है कि पार्क की नियमित साफ-सफाई, पौधों की देखरेख, घास की कटाई और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि यह पार्क अपने मूल उद्देश्य के अनुरूप लोगों के उपयोग में आ सके।

◆ **लोगों ने रखरखाव करने व सुविधाएं बढ़ाने की उठाई मांग**

किशोरी लाल वैद्य के निधन पर संगठनों ने जताया शोक

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, मंडी। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग से संयुक्त निदेशक पद से सेवानिवृत्त एवं प्रख्यात साहित्यकार किशोरी लाल वैद्य के निधन पर विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक संगठनों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। 89 वर्षीय किशोरी लाल वैद्य के निधन को साहित्य जगत की अपूरणीय क्षति बताया गया। भारतीय सांस्कृतिक निधि मंडी चैप्टर के संयोजक नरेश मल्होत्रा, सह संयोजक अनिल शर्मा, सदस्य कमलकांत शर्मा, गजेंद्र बहल, कपिल चटर्जी, कैप्टन वाई.सी. वैद्य, हरीश शर्मा, निपुण बहल, राजीव कुमार, अजय सहगल, महेश पुरी, कर्नल के.के. मल्होत्रा, हरीश बहल, इंजीनियर कमल मल्होत्रा, अरविंद शर्मा, नीरज शर्मा, बनिता मल्होत्रा, निशि कपूर, सोनिया बहल, इंदु शर्मा, हेमंत शर्मा, निशि टंडन, उषा हांडा, हेमलता पुरी, प्रेम वर्षा, मृदु गोयल, रेखा विशिष्ट, हितेश वैद्य, ज्योत्सना हांडा, पुष्पा ठाकुर, मीनाक्षी कपूर, निर्मल वर्मा, रजनी शर्मा एवं अनुपमा चौधरी ने शोक व्यक्त किया। इसके अलावा बीजे हाई स्कूल ओल्ड स्टूडेंट्स एसोसिएशन के अनिल शर्मा, एडवोकेट हेमंत कपूर, नरेंद्र कौशल, ताराचंद पटियाल, डॉ. कमलजीत सिंह, ताराचंद वर्मा, दिनेश गुप्ता, संतोष कुमार, डॉ. मंजूल शर्मा, डॉ. हेमंत कुमार, डॉ. हरीश बहल, इंजीनियर कुशाल ठाकुर, हुकम चंद्र ठाकुर, राजीव कपूर, विजय कपूर, मंडीपीडिया के संयोजक विनोद बहल तथा सरदार पटेल विश्वविद्यालय के इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश शर्मा ने भी गहरा दुःख व्यक्त किया। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को यह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

◆ **साहित्य जगत के लिए अपूरणीय क्षति दिया करार**

बृज लाल को चुना सेवा संकल्प समिति सरकाघाट का उपाध्यक्ष

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। सामाजिक सरोकारों में सक्रिय सेवा संकल्प समिति सरकाघाट की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। अध्यक्ष चंद्रमणि वर्मा की अगुवाई में समिति की बैठक में सर्वसम्मति से पदाधिकारियों व सदस्यों का चयन किया गया, जिसमें समाज सेवा और जनहित कार्यों को और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया गया। उपाध्यक्ष के रूप में बृज लाल भारद्वाज तथा कल्पना ठाकुर को चुना गया है। महामंत्री पद पर राकेश कुमार पंकज, मंत्री पद पर रजनीश सकलानी तथा कोषाध्यक्ष के रूप में मनोहर लाल शर्मा को दायित्व दिया गया है। सह-कोषाध्यक्ष पद पर रमेश चंदेल तथा संगठन मंत्री के रूप में रवि दत्त शर्मा को नियुक्त किया गया। प्रचार मंत्री पद की जिम्मेदारी मेहर चंद गारला को दी गई है, जबकि कानूनी सलाहकार के रूप में टेक चंद पटियाल को नामित किया गया है। अंकेक्षक के रूप में राधा लाल और बलवीर सिंह बन्याल को चुना गया। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में नानक चंद शमी, रूप लाल गारला, शकुंतला देवी, रामप्यारी, यश पाल सिंह, पदमा ठाकुर, प्रकाश चंद गुलेरिया, ओम प्रकाश, दिनेश नारंग और रवि सिंह को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त विभिन्न उप-समितियों का भी गठन किया गया है। जांच-पड़ताल उप-समिति में डॉ. विजय कुमार शर्मा, डॉ. सुमन शर्मा एवं निर्मल हाज़री को जिम्मेदारी दी गई है। पाकशाला प्रबंधन उप-समिति में ध्यान सिंह चौहान को शामिल किया गया है। वहीं मोक्ष-धाम लकड़ी प्रबंधन उप-समिति में जगदीश कुमार भलवाल, कै. रघुवीर सिंह चौहान एवं देव राज शर्मा को जिम्मेदारी सौंपी गई है। समिति के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने समाज सेवा, पारदर्शिता एवं जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया।

◆ **अध्यक्ष चंद्रमणि वर्मा ने सौंपी नई जिम्मेदारियां**

एंटी चिट्टा कमेटियों के गठन सहित कई जनहित कार्यों का लिया संकल्प

रोपड़ी में जनप्रतिनिधियों का किया सम्मान

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। ग्राम पंचायत रोपड़ी में शुक्रवार को जेपीआर (झंझेल-परसदा-रोपड़ी) वेलफेयर सोसाइटी की ओर से तीनों पंचायतों के नवनिर्वाचित प्रधानों, उपप्रधानों एवं पंचायत समिति सदस्यों के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में संस्था के संस्थापक बालम राम राणा,अध्यक्ष दूनी चंद पालसरा कोषाध्यक्ष रवींद्र चौहान तथा अन्य पदाधिकारियों ने सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को सम्मानित कर उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं। समारोह में ग्राम पंचायत रोपड़ी के प्रधान अजय चंदेल, उपप्रधान अनूप बल्याणी,

ग्राम पंचायत रोपड़ी में सम्मानित किए नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधि। अनंत ज्ञान

पंचायत समिति सदस्य शांता देवी, ग्राम पंचायत झंझेल के प्रधान बिरि सिंह, उपप्रधान अच्छर सिंह, ग्राम पंचायत परसदा-हवाणी की प्रधान रीना देवी तथा पंचायत समिति सदस्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों ने बताया कि जेपीआर वेलफेयर सोसाइटी क्षेत्र में सामाजिक सुधार और जनकल्याण के उद्देश्य से कार्य करेगी। संस्था द्वारा चिट्टे के खिलाफ जनजागरूकता अभियान चलाने और एंटी चिट्टा कमेटियों का गठन करने, विवाह एवं अन्य सामाजिक आयोजनों में शराब पर रोक लगाने, तीनों पंचायतों में मिस्त्री एवं मजदूरी की एक समान दरें तय करने, नालों और नदियों में कचरा फेंकने पर रोक लगाने, प्राकृतिक जल स्रोतों की सफाई सुनिश्चित करने, स्वास्थ्य शिविर आयोजित करने, किन्नरों के नेग की दरें निर्धारित कराने तथा बंद होने की कगार पर पहुंचे सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों की संख्या बढ़ाने के लिए जनजागरण अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। समारोह में सेवानिवृत्त डॉ. एच.एस. राणा, सेवानिवृत्त मुख्याध्यापक बिरिदत्त शर्मा, रोशन राणा, अच्छर सिंह और राकेश कुमार सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

दीनबंधु सेवा मंडल बाल आश्रम में गूंजा नशा मुक्ति का संदेश

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। दीनबंधु सेवा मंडल बाल आश्रम भरनाल में विश्व नशा निषेध दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों और युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का आयोजन आश्रम के इंचार्ज प्रेम सिंह की देखरेख में किया गया। इस अवसर पर बच्चों के लिए भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी हुआ, जिसमें प्रतिभागियों ने नशे के खिलाफ अपने विचार प्रस्तुत किए। आश्रम के बच्चों दीपक, दिव्यांशु, कुलदीप और धर्मेंद्र ने विशेष रूप से नशे के दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए अपने साथियों को इससे दूर रहने का संदेश दिया। अपने संबोधन में प्रेम सिंह ने कहा कि युवा पीढ़ी को नशे की गिरफ्त से बचाना समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बच्चों से जीवन में किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने और दूसरों को भी जागरूक करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में आश्रम के बच्चों और शिक्षकों ने नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय योगदान देने की शपथ ली।

खुडला में एसडीएम ने दिलाई नशा मुक्ति की शपथ

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के अवसर पर 'एंटी-चिट्टा : नशा मुक्त हिमाचल अभियान' के तहत ग्राम पंचायत खुडला में जागरूकता संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीएम सरकाघाट राजेंद्र कुमार गौतम ने की। इस अवसर पर एसडीएम ने कहा कि नशा समाज और विशेषकर युवाओं के भविष्य के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर सकारात्मक जीवनशैली अपनाने तथा समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनसहभागिता से ही नशा मुक्त समाज का निर्माण संभव है। कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों, अधिकारियों, कर्मचारियों एवं ग्रामीणों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई। इस दौरान प्रधान उमावती, उपप्रधान बलवंत सिंह, पूर्व प्रधान तारा चंद ठाकुर, रवि राणा, डॉ. संजय शर्मा सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

संदेश असेंट स्कूल पधर में 'विश्व तंबाकू निषेध दिवस' पर कार्यक्रम आयोजित

'धुआं छोड़ो, सांसें जोड़ो' का दिया संदेश

अनंत ज्ञान

पधर। असेंट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पधर में 'विश्व तंबाकू निषेध दिवस' के उपलक्ष्य पर जागरूकता कार्यक्रम और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य गुलाब सिंह चौहान ने विद्यार्थियों को तंबाकू के गंभीर दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी और उन्हें भविष्य में इस जानलेवा लत से हमेशा दूर रहने की प्रेरणा दी।

तंबाकू के खिलाफ जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विद्यालय में एक पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें नौवीं से बारहवीं कक्षा तक के सभी विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ

भाग लिया। छात्रों ने रंग-बिरंगे और प्रभावशाली पोस्टर्स बनाकर यह कड़ा संदेश दिया कि तंबाकू एक घातक बीमारी की जड़ है। विद्यार्थियों ने अपनी कला के माध्यम से समाज को यह समझाया कि तंबाकू स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है और इसके जानलेवा दुष्परिणामों के प्रति हर नागरिक को सजग रहना चाहिए।

कार्यक्रम के समापन पर प्रधानाचार्य गुलाब सिंह चौहान ने सभी विद्यार्थियों और शिक्षक वर्ग को संबोधित करते हुए 'धुआं छोड़ो, सांसें जोड़ो' का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि हमें अपने जीवन और समाज को सुरक्षित रखने के लिए भविष्य में हमेशा सतर्क रहना होगा। उन्होंने सभी से निवेदन किया कि वे खुद भी तंबाकू के सेवन से दूर रहें और अपने आसपास के लोगों को भी इस बुराई के खिलाफ जागरूक करें, ताकि हमारा समाज एक स्वस्थ जीवन जी सके।

देव ब्राड़ता के मेले को मिला 52 हजार रुपए का सहयोग

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। देव ब्राड़ता स्थित कामेश्वर धाम में आयोजित महादंगल एवं पारंपरिक मेले के सफल आयोजन के उपरांत मुख्य अतिथि एवं भारतीय जनता पार्टी पंचायती राज प्रकोष्ठ के प्रदेश सह-संयोजक चंद्रमोहन शर्मा द्वारा मेले एवं क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए दिए गए सहयोग की क्षेत्रभर में सराहना हो रही है। चंद्रमोहन शर्मा ने महादंगल एवं मेले के आयोजन के लिए 41,000 रुपए तथा बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रोत्साहन हेतु 11,000 रुपए की सहयोग राशि प्रदान की।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की लोक संस्कृति, धार्मिक परंपराएं और पारंपरिक मेले हमारी अमूल्य धरोहर हैं, जिन्हें सहेजना और नई पीढ़ी तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। ऐसे आयोजनों से सामाजिक एकता मजबूत होती है और युवाओं का अपनी संस्कृति से जुड़ाव भी बढ़ता है।

मेले के समापन अवसर पर क्षेत्रवासियों द्वारा किए गए आत्मीय स्वागत एवं सम्मान पर आभार व्यक्त करते हुए प्रदेश के प्रमुख समाजसेवी चंद्रमोहन शर्मा ने कहा कि देव ब्राड़ता की जनता उनका परिवार है और क्षेत्र के विकास में निरंतर सहयोग जारी रहेगा।

उन्होंने मंदिर कमेटी, मेला आयोजन समिति, पंचायत प्रतिनिधियों, मातृशक्ति, युवा मंडलों तथा सभी सहयोगियों का सफल आयोजन के लिए धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि जनसहयोग और सामूहिक भागीदारी से ही हमारी सांस्कृतिक विरासत सुरक्षित रह सकती है।

ओपिनियन

सबसे उत्तम विजय प्रेम की है जो सदैव के लिए विजेताओं का हृदय बांध लेती है।

–सम्राट अशोक

संपादकीय

रेव पार्टियों पर लगाम जरूरी

हिमाचल प्रदेश में पिछले कुछ वर्षों में कुछ पर्यटन स्थलों, विशेषकर कुल्लू जिले के कसोल और उसके आसपास के क्षेत्रों में रेव पार्टियों का बढ़ता चलन चिंता का विषय बन गया है। मनोरंजन और आधुनिक जीवनशैली के नाम पर आयोजित होने वाले ये कार्यक्रम अब कानून व्यवस्था, सामाजिक मर्यादाओं और सांस्कृतिक मूल्यों के लिए गंभीर चुनौती बनते जा रहे हैं।

हाल ही में कसोल के जंगलों में आयोजित रेव पार्टियों को लेकर हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। न्यायालय ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि कानून और नियमों की अनदेखी किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं की जाएगी। अदालत ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) कुल्लू के सचिव को संबंधित क्षेत्र का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए थे। साथ ही उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक से भी व्यक्तिगत हलफनामे के माध्यम से स्थिति स्पष्ट करने को कहा गया था। दुर्भाग्यपूर्ण बात यह रही कि संबंधित अधिकारियों ने न्यायालय के निर्देशों का अपेक्षित गंभीरता से पालन नहीं किया। परिणामस्वरूप हाई कोर्ट को कठोर रुख अपनाते हुए संबंधित अधिकारियों के तबादले के आदेश जारी करने पड़े। यह घटना प्रशासनिक जवाबदेही और कानून के शासन की आवश्यकता को रेखांकित करती है।

जब जिम्मेदार अधिकारी अपने दायित्वों के प्रति उदासीन हो जाएं, तब न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना पड़ता है। यह भी चिंताजनक है कि जिन गतिविधियों पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस को स्वयं निगरानी रखनी चाहिए थी, वे इतने बड़े स्तर पर संचालित होती रहीं। इससे प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिन्ह लगते हैं।

कसोल लंबे समय से रेव पार्टियों और नशे से जुड़े मामलों के कारण चर्चा में रहा है। बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक, विशेषकर इसराइल से आने वाले युवा, यहां पहुंचते हैं। इसी कारण कसोल को कई लोग 'मिनी इसराइल' के नाम से भी जानते हैं। पर्यटन किसी भी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है और इससे स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी प्राप्त होते हैं, लेकिन जब पर्यटन के नाम पर ऐसे आयोजन होने लगें जो कानून, सामाजिक व्यवस्था और स्थानीय संस्कृति को प्रभावित करें, तब उन पर नियंत्रण आवश्यक हो जाता है। रेव पार्टियों के आयोजक अक्सर इन्हें संगीत और मनोरंजन का कार्यक्रम बताकर प्रचारित करते हैं। इन आयोजनों में प्रवेश शुल्क भी हजारों रुपए तक रखा जाता है और बड़ी संख्या में देश-विदेश से लोग शामिल होते हैं। ऐसे कार्यक्रमों से आयोजकों को भारी आर्थिक लाभ होता है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या आर्थिक लाभ के लिए किसी प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान और सामाजिक मूल्यों को दांव पर लगाया जा सकता है? निश्चित रूप से इसका उत्तर ना है। विकास और पर्यटन तभी सार्थक हैं जब वे समाज और संस्कृति के साथ संतुलन बनाकर चलें।

सबसे गंभीर चिंता इन आयोजनों में मादक पदार्थों के कथित उपयोग को लेकर है। समय-समय पर ऐसी खबरें सामने आती रही हैं कि रेव पार्टियों में शराब, भांग और अन्य प्रतिबंधित नशीले पदार्थों का सेवन किया जाता है। यदि किसी कार्यक्रम में नशे का माहौल बनता है, तो उसका प्रभाव केवल वहां मौजूद लोगों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरे समाज पर पड़ता है। विशेष रूप से युवा वर्ग ऐसे आयोजनों से प्रभावित होता है। नशे की लत व्यक्ति को मानसिक, शारीरिक और आर्थिक रूप से कमजोर बनाती है तथा अपराध की संभावनाओं को भी बढ़ाती है।

हिमाचल प्रदेश की पहचान उसकी संस्कृति, लोक परंपराओं, मेलों, त्योहारों और सामाजिक मूल्यों से है। यहां की संस्कृति प्रकृति के साथ सामंजस्य और संतुलन का संदेश देती है। ऐसे में यदि प्रदेश के पर्यटन स्थलों की पहचान धीरे-धीरे रेव पार्टियों और नशे के केंद्र के रूप में बनने लगे, तो यह अत्यंत चिंताजनक स्थिति होगी। पर्यटन को बढ़ावा देना आवश्यक है, लेकिन पर्यटन और अराजकता के बीच स्पष्ट अंतर बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। सरकार और प्रशासन को यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी बड़े आयोजन की अनुमति पूरी पारदर्शिता और नियमों के अनुरूप दी जाए। जंगलों और पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में आयोजित होने वाले कार्य, मों की विशेष निगरानी होनी चाहिए। पुलिस, प्रशासन, वन विभाग और स्थानीय निकायों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया जाना चाहिए ताकि किसी भी अवैध गतिविधि को समय रहते रोका जा सके।

आज की प्रमुख हस्ती

भारत की 'उड़न परी' और महान धाविका

पीटी उषा भारतीय एथलेटिक्स इतिहास की सबसे महान खिलाड़ियों में से एक हैं। उनका पूरा नाम पिलावुळ्ळकण्टि तेक्केपरम्पिल उषा है। उनका जन्म 27 जून 1964 को पय्योली में हुआ था। अपनी अद्भुत गति और शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें 'उड़न परी' तथा भारतीय ट्रैक एंड फील्ड की रानी कहा जाता है।

पीटी उषा

जन्म : 27 जून, 1964

उषा की खेल प्रतिभा को सबसे पहले उनके प्रशिक्षक ओपी नंबियार ने पहचाना। उनके मार्गदर्शन में उषा ने कम उम्र से ही कठोर प्रशिक्षण लिया और शीघ्र ही राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना ली। वर्ष 1980 में उन्होंने मास्को ओलंपिक में भाग लिया, जो उनके अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत थी।

वर्ष 1984 के लॉस एंजेल्स ओलंपिक में उन्होंने 400 मीटर बाधा दौड़ के फाइनल में प्रवेश कर इतिहास रच दिया। वे किसी ओलंपिक फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला धाविका बनीं। हालांकि वे मात्र 1/100 सेकंड से कांस्य पदक से चूक गईं, फिर भी उनका प्रदर्शन भारतीय खेल इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज है।

वर्ष 1985 की एशियाई ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप में उन्होंने 5 स्वर्ण और 1 कांस्य पदक जीतकर एशिया की सर्वश्रेष्ठ धाविका होने का गौरव प्राप्त किया। इसके बाद 1986 के एशियाई खेल में 4 स्वर्ण और 1 रजत पदक जीते। अपने शानदार खेल जीवन में पी. टी. उषा ने 100 से अधिक अंतरराष्ट्रीय पदक जीते। उन्हें अर्जुन पुरस्कार और पद्म श्री से सम्मानित किया गया।

कविता

हे युवा! राष्ट्र की शान तुम

डॉ. कौमार्या मनोज

हे युवा! राष्ट्र की शान तुम।
मातृ भूमि की आन तुम।।
हे युवा! देश का प्राण तुम।
संकल्प तुम समाधान तुम।।
तू रीढ़ नहीं बाजू की ताकत।
अंधेरों में इक मशाल तुम।।
हे गिर गिर कर उठने वाले।
हो हौसलों की मिसाल तुम।।
संग डिग्री तेरे और ज्ञान भी।
रखते सबकी बातों का मान भी।।
मंजिल तय करते दिशा बताते।
कलम हुनर,अभिमान भी।।
नवनिर्माण का साथी हो तुम।
तेरा सवाल पूछना जुर्म नहीं।।
चुप रहना आसान नहीं अब।
हार का तुझको मान नहीं।।
उठ जाग कदम से कदम मिला।
तेरे कदमों में इतिहास बसे।
रुकना अब तेरा काम नहीं।
हे युवा! तुम्हीं से विकास रचे।।

गांवों का उत्थान, विकसित भारत का अभियान

भारत में ग्रामीण विकास देश को विकसित बनाने की रीढ़ है। पिछले 12 वर्ष में ग्रामीण विकास की दिशा में सराहनीय कार्य हुए हैं, जिसके परिणाम अब पूरे देशभर के ग्रामीण क्षेत्र में दिखाई दे रहे हैं। पंचायती राज संस्थान और स्थानीय निकास के माध्यम से ग्रामीण भारत में महत्वपूर्ण परिवर्तन और प्रगति देखने को मिली है, जो पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई) को स्वशासन के प्रभावी संस्थानों के रूप में मजबूत करने में एक महत्वपूर्ण चरण है। सक्षम, जवाबदेह और वित्तीय रूप से सशक्त पंचायतों के निर्माण के दृष्टि से पंचायती राज मंत्रालय ने कई पहल की हैं, जिन्होंने लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण को गहरा, डिजिटल शासन का विस्तार, स्थानीय योजना को मजबूत, राजकोषीय हस्तांतरण में वृद्धि और देश भर में ग्रामीण लोगों के लिए समावेशी विकास को बढ़ावा दिया है।

डॉ. नितिका शर्मा
भोरंज, जिला हमीरपुर

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

इन वर्षों में संस्थागत क्षमता को मजबूत करने पर प्रमुख ध्यान दिया गया है। इस गति के आधार पर, 2026-27 से 2030-31 की अवधि के लिए, 16वें वित्त आयोग ने विधिवत गठित ग्रामीण स्थानीय निकायों के लिए कुल 4,35,236 करोड़ रुपए के अनुदान की सिफारिश की है, जो 15वें वित्त आयोग के तहत किए गए आवंटन की तुलना में लगभग 84 प्रतिशत ज्यादा है। यह बढ़ा हुआ आवंटन पंचायती राज संस्थानों के राजकोषीय सशक्तिकरण और जमीनी स्तर पर आवश्यक सेवाओं के बेहतर वितरण के लिए एक मजबूत प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। ज्ञात रहे कि 2018-19 में शुरू किए गए और 2022-23 से संशोधित राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के तहत, तीनों स्तरों पर 2.70 लाख से अधिक पंचायती राज संस्थानों (पीआरआई) के 4.10 करोड़ पंचायत निर्वाचित प्रतिनिधियों और पदाधिकारियों (संचयी) का प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण पूरा हो गया है, जो ग्रामीण शासन के इतिहास में संस्थागत पहुंच की एक अनोखी उपलब्धि है। आरजीएसए महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों के क्षमता निर्माण, पेसा प्रशिक्षण और शासन कौशल पहलों की एक श्रृंखला के लिए भी मुख्य आधार रहा है। आरजीएसए के तहत, अकेले वित्त वर्ष 2022-23 से वित्त वर्ष 2025-26 तक 33.55 लाख से अधिक महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों को प्रशिक्षित किया गया है, जो उन्हें पंचायत के कामकाज, सेवा वितरण और नेतृत्व के ज्ञान से लैस करता है।

पंचायतों के कामकाज में सुधार के लिए, स्थानीय शासन के बुनियादी ढांचे को

मजबूत करने में पर्याप्त निवेश किया गया है। आरजीएसए और संशोधित आरजीएसए के तहत 25,100 से अधिक ग्राम पंचायत भवन और 61,000 से अधिक कंप्यूटर प्रदान किए गए हैं, जिससे पंचायती राज संस्थानों की भौतिक और डिजिटल दोनों क्षमताओं में वृद्धि हुई है। इसके साथ ही, ग्राम पंचायत विकास योजनाओं (जीपीडीपी) को सहभागी ग्राम नियोजन के प्राथमिक साधन के रूप में संस्थागत किया गया है, जिसमें 2.55 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों में विकास योजनाएं तैयार और कार्यान्वित की जा रही हैं।

ई-ग्राम स्वराज प्लेटफॉर्म के माध्यम से जीपीडीपी के डिजिटल एकीकरण ने स्थानीय विकास योजना की पारदर्शिता और पहुंच में और सुधार किया है। इस अवधि की सबसे परिवर्तनकारी पहलों में से एक स्वामित्व योजना रही है। 2020 में शुरुआत के बाद से, इस योजना ने बसे हुए ग्रामीण क्षेत्रों के ड्रोन-आधारित सर्वेक्षणों को सक्षम किया है और 10 जून 2026 तक 1.92 लाख गांवों में लगभग 3.18 करोड़ संपत्ति स्वामित्व कार्डों के वितरण की सुविधा प्रदान की है।

ई-ग्रामस्वराज प्लेटफॉर्म के माध्यम से ग्रामीण स्थानीय शासन के डिजिटल परिवर्तन का भी नेतृत्व किया है, जिसने पंचायतों में योजना, बजट, लेखांकन और वित्तीय प्रबंधन प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण किया है। 2.59 लाख से अधिक पंचायतों को ई-पंचायत ईकोसिस्टम में शामिल किया गया है, जबकि सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के साथ एकीकरण ने वास्तविक समय की वित्तीय निगरानी और ऑनलाइन भुगतान को सक्षम किया है। 10 जून 2026 तक, एकीकृत प्लेटफॉर्म के माध्यम से 3.16 लाख करोड़ रुपए से अधिक के ऑनलाइन लेनदेन को संसाधित किया गया है, जिससे पंचायत वित्त में पारदर्शिता और जवाबदेही में काफी सुधार हुआ है।

पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार के अनुसार 15वें वित्त आयोग (2020-26) के तहत ग्रामीण स्थानीय निकायों को 2.82 लाख करोड़ रुपए का अनुदान मिला, जो कुल आवंटन का 94.98 प्रतिशत है। यह स्थानीय स्वशासन को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

पंचायत उन्नति सूचकांक (PAI) और AI आधारित 'सभासार' जैसे डिजिटल नवाचारों ने ग्राम स्तर पर पारदर्शिता और दक्षता को बढ़ाया है। वहीं पंचायत (अनुसूचित क्षेत्रों तक विस्तार) अधिनियम, 1996 के तहत जनजातीय क्षेत्रों में प्रशासनिक सुधारों को नई गति मिली है।

महिला नेतृत्व और युवाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए भी कई पहलें की गई हैं। इससे पंचायतें अब विकास, सेवा वितरण और लोकतांत्रिक भागीदारी का मजबूत आधार बन चुकी हैं। विकसित भारत-2047 के लक्ष्य में इनकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना से जल और फसल की सुरक्षा

भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा 1 जुलाई 2015 को 'प्रधान मंत्री कृषि सिंचाई योजना: प्रति बूंद अधिक फसल' नामक योजना शुरू की गई थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य सूक्ष्म सिंचाई (ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई प्रणाली) के माध्यम से खेत स्तर पर जल उपयोग दक्षता को बढ़ाना है।

दिनेश दमाथीआ
स्वतंत्र लेखक

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

इसके अतिरिक्त यह सूक्ष्म सिंचाई के लिए संसाधन सृजन को पूरा करने हेतु सूक्ष्म स्तर पर जल संचयन और जल संरक्षण/प्रबंधन गतिविधियों (अन्य हस्तक्षेपों) का भी समर्थन करता है। देश में जल उपयोग दक्षता बढ़ाने के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रौद्योगिकियों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र को बढ़ाना है। उचित जल प्रबंधन के माध्यम से फसल उत्पादकता और किसानों की आय में वृद्धि करना भी अहम है। गन्ना, केला, कपास आदि जैसी जल-संवेदनशील/जल-उपभोक्ता फसलों में सूक्ष्म सिंचाई प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देकर और सूक्ष्म सिंचाई प्रौद्योगिकियों के अंतर्गत आने वाली फसलों के क्षेत्र को बढ़ाने पर उचित ध्यान दिया जाता है। उर्वरक सिंचाई को बढ़ावा देने के लिए सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों का संभावित उपयोग करना होगा। जल की कमी वाले जल संकटग्रस्त और महत्वपूर्ण भूजल वाले क्षेत्रों/जिलों में सूक्ष्म सिंचाई प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना होगा। ट्यूबवेल/नदी-उठाने वाली सिंचाई परियोजनाओं को सूक्ष्म सिंचाई प्रौद्योगिकियों से जोड़ना जरूरी है ताकि उत्थापन और दबावयुक्त सिंचाई दोनों के लिए ऊर्जा का अधिकतम उपयोग किया जा सके। चल रहे कार्यक्रमों के साथ समन्वय और तालमेल स्थापित करना और गतिविधियों की योजना बनाना, विशेष रूप

से सृजित जल संसाधनों के संभावित उपयोग, दबावयुक्त सिंचाई के लिए सौर ऊर्जा के एकीकरण आदि के लिए अनिवार्य है। कृषि एवं बागवानी विकास के लिए आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान के साथ सूक्ष्म सिंचाई प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना, विकसित करना और उसका प्रसार करना भी इस योजना का एक लाभ है। सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों की स्थापना और रखरखाव के लिए कुशल और अकुशल व्यक्तियों, विशेषकर बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित किये जा सकते हैं। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) का उद्देश्य न केवल सुनिश्चित सिंचाई के लिए जल संसाधन सृजित करना है, बल्कि 'जल संचय' और 'जल सिंचाई' के माध्यम से सूक्ष्म स्तर पर वर्षा जल का उपयोग करके सुरक्षात्मक सिंचाई को बढ़ावा देना भी है।

सूक्ष्म सिंचाई इस योजना का अभिन्न हिस्सा है, जिसका उद्देश्य खेत स्तर पर जल उपयोग दक्षता को अधिकतम करना है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के चार प्रमुख घटक हैं— त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम (AIBP), प्रति बूंद अधिक फसल (PDMC), हर खेत तक पानी और जलसंभर विकास। यह योजना कृषि में जल संरक्षण और उत्पादकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

'प्रति बूंद अधिक फसल' घटक के तहत सूक्ष्म स्तर के भंडारण ढांचे, सटीक सिंचाई प्रणाली, कुशल जल परिसंचरण, द्वितीयक जल स्रोतों का उपयोग और जल उत्थापन उपकरणों पर विशेष ध्यान दिया जाता है। साथ ही कृषि गतिविधियों के बेहतर समन्वय और प्रबंधन पर भी जोर दिया जाता है, जिससे जल संसाधनों का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित हो सके।

इस योजना का उद्देश्य प्रत्येक खेत तक पानी की कुशल आपूर्ति सुनिश्चित करना है, जिससे फसल उत्पादन और किसानों की आय में वृद्धि हो। इसके तहत ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों को बढ़ावा दिया जाता है और किसानों को वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नीतिगत गतिरोध के बावजूद मोदी युग ने भारत को नए सिरे से परिभाषित किया

वर्ष 2014 के बाद से भारत ने आर्थिक, सामाजिक और प्रशासनिक क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन देखा है। देश की अर्थव्यवस्था अधिक मजबूत हुई है, बुनियादी ढांचे में तेज सुधार हुए हैं, महिलाओं का सशक्तिकरण बढ़ा है, किसानों की स्थिति में सुधार आया है और गरीब वर्ग को पहले की तुलना में अधिक सुरक्षा मिली है। इन सभी बदलावों के केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व रहा है, जिसने भारत को नीतिगत गतिरोध और आर्थिक अनिश्चितता के दौर से निकालकर विकास और सुशासन की नई दिशा दी है।

पीयूष गोयल
केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

2014 से पहले भारत को नीतिगत ठहराव, भ्रष्टाचार, घोटालों और निवेशकों के घटते विश्वास जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था, लेकिन इसके बाद सरकार ने सुधारों की एक श्रृंखला शुरू की, जिससे शासन व्यवस्था अधिक पारदर्शी, डिजिटल और परिणाम-आधारित बनी। इसके परिणामस्वरूप भारत आज दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और वैश्विक निवेश का एक प्रमुख आकर्षण बन गया है।

गरीब कल्याण के क्षेत्र में सरकार ने बड़े पैमाने पर कार्य किया है। 81 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया गया, करोड़ों जनधन खाते खोले गए और लाखों घरों तक नल जल कनेक्शन पहुंचाया गया। आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से 5 लाख रुपए तक का स्वास्थ्य बीमा प्रदान कर करोड़ों परिवारों को चिकित्सा सुरक्षा दी गई है। इन प्रयासों ने गरीब वर्ग की आर्थिक स्थिरता को मजबूत किया है और जीवन स्तर में सुधार लाया है। महिला सशक्तिकरण इस परिवर्तन यात्रा का एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत करोड़ों शौचालयों

का निर्माण कर महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा सुनिश्चित की गई। उज्ज्वला योजना के माध्यम से करोड़ों परिवारों को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन देकर उन्हें धुएं से भरी रसोई की समस्या से मुक्त किया गया। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान ने बालिका शिक्षा और उनके अधिकारों को नई मजबूती दी है। साथ ही नारी शक्ति वंदन अधिनियम ने राजनीति और नीति निर्माण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर महिला नेतृत्व को नई दिशा दी है। किसानों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं के माध्यम से सीधी आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। इसके तहत करोड़ों किसानों को नियमित आय सहायता मिल रही है। न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि, उर्वरकों पर सब्सिडी और कृषि सुधारों ने किसानों को अधिक सुरक्षा और स्थिरता प्रदान की है, जिससे उनकी आय में सुधार हुआ है।

युवाओं के लिए 'मेक इन इंडिया', 'स्टार्टअप इंडिया' और कौशल विकास कार्य, मों ने रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर खोले हैं। इससे युवा वर्ग केवल नौकरी खोजने तक सीमित नहीं रहा, बल्कि नौकरी देने वाला भी बन रहा है। डिजिटल इंडिया, यूपीआई और जीएसटी जैसे सुधारों ने देश की अर्थव्यवस्था को अधिक पारदर्शी, आधुनिक और सक्षम बनाया है। छोटे व्यापारियों और मध्यम वर्ग को भी इससे बड़ा लाभ मिला है।

बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में भारत ने ऐतिहासिक प्रगति की है। हवाई अड्डों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, रेलवे का विद्युतीकरण तेजी से हुआ है, राष्ट्रीय राजमार्गों और एक्सप्रेसवे का विस्तार किया गया है तथा बुलेट ट्रेन जैसी परियोजनाओं ने देश के परिवहन ढांचे को आधुनिक स्वरूप दिया है। समग्र रूप से कहा जाए तो मोदी युग ने भारत को नीतिगत गतिरोध से निकालकर विकास, सुशासन, डिजिटल परिवर्तन और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया है। यह परिवर्तन यात्रा केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक सशक्तिकरण और राष्ट्रीय आत्मविश्वास को भी नई ऊंचाई दे रही है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

नशा युवा पीढ़ी के सपनों और भविष्य का सबसे बड़ा दुश्मन

प्राय: आज के परिवेश में यह देखने में सामने आ रहा है कि युवा वर्ग आए दिन नशे की गिरफ्त में जकड़े जा रहे हैं और उसके कारण हमारे सारे सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक मूल्यों का दिन-प्रतिदिन हनन हो रहा है जो कि अभिभावकों के साथ-साथ आने वाले युवाओं व बच्चों का भविष्य अंधकार में धकेल रहा है।

आनंद स्वरूप धीमान
सेवानिवृत्त कोषाधिकारी
पंचरुखी, जिला कांगड़ा

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

साथ ही स्वास्थ्य संबंधी चिंता की लकीरें साफ तौर पर ऐसे युवाओं के चेहरों पर नजर आ रही हैं जो कि एक बहुत ही संवेदनशील व भयावह कर देने वाला मामला प्रतीत हो रहा है, जिससे युवा वर्ग उत्थान के बजाए अंधेरे की गर्त की ओर अपने भविष्य को लिए जा रहा है। नशा एक ऐसा जहर है जो कि दिमाग व शरीर की संवेदनशीलता को खत्म कर देता है। चाहे खाना खाने के लिए नसीब न हो, शरीर व दिमाग केवल नशा ही ढूंढता है जिसके कारण प्रतिदिन अवसाद बढ़ता जाता है। और इस अवसाद के चलते कई बार इसका आदि आत्महत्या करने के लिए मजबूर हो जाता है या यूं कहिए कि दिल व दिमाग की उथल-पुथल ऐसा करने के लिए उसे मजबूर कर देती है। इसके चलते नशेड़ी लोग गंभीर मानसिक रोगों के शिकार हो जाते हैं व अपने अच्छे भले जीवन को दांव पर लगा देते हैं।

शुरू-शुरू में नशा शौक के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है, परंतु धीरे-धीरे इसका इस्तेमाल करने वाले एडिक्शन रूपी रोग के शिकार हो जाते हैं। हालात ऐसे बन जाते हैं कि खाना खाने के बिना तो जी सकते हैं, परंतु नशे के बिना उनका शरीर बिलकुल शिथिल होने लगता है तथा इसका आदी व्यक्ति नशा न मिलने पर कुछ भी करने को तैयार हो जाता है। वह स्थिति परिवार के लिए भी बड़ी खतरनाक बन जाती है जब ऐसे हालात परिवार में पैदा हो जाते हैं जिससे पूरा परिवार ही मानो हिल जाता है।

पहले संयुक्त परिवारों की वजह से पूरा परिवार एक-दूसरे पर नजर रखता था। सब आदर और सम्मान से जीवनयापन करते थे।

साथ ही अच्छे मानवीय मूल्यों का अनुसरण भी करते थे। आज के परिवेश में एकल परिवार प्रणाली भी कहीं न कहीं इस बीमारी की जड़ हो सकती है, क्योंकि कोई भी पारिवारिक सदस्य गलत रास्ता अपनाने से पहले संयुक्त परिवार प्रणाली में सौ बार सोच विचार करता था, परंतु इसके विपरीत एकल परिवार में बच्चे युवा होने तक इन मानवीय मूल्यों से वंचित रह रहा है। युवाओं के जीने की शैली को काफी हद तक मोबाइल फोन भी जिम्मेदार है। प्रतियोगिता की होड़ में आज का युवा तनावग्रस्त होकर भी नशे का आदी बन रहा है। वह अकेलेपन की जिंदगी बिताने से भी नहीं हिचकिचा रहा है और यही अकेलापन उसे क्राइम यानी अपराध की ओर अग्रेषित कर रहा है। अगर समय रहते हम सबने इस गंभीर मसले पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया तो इसके परिणाम बड़े ही भयानक व विनाशकारी होंगे। इस बर्बादी से बचने के लिए हम सबको मिलकर सरकार द्वारा उठाए जा रहे सख्त कानूनों से आमजन को जागरूक करना होगा ताकि ये नशा समूल ही नाश हो जाए, लेकिन सरकार का यह प्रयास तब तक सफल नहीं हो सकता जब तक इस कार्य में समाज में जीने वाले सभी सभ्य लोग शामिल नहीं हो जाते व एक साथ इस बीमारी पर पूरी तरह प्रहार नहीं करते। नशे से बचने के लिए युवाओं को पढ़ाई के साथ-साथ खेलने पर भी ध्यान केंद्रित करना होगा। जीवन के काल्पनिकपन को छोड़कर यथार्थ में जीना होगा। घर के कामकाज में भी हाथ बंटाना होगा। भगवान पर भरोसा करके कार्य करना होगा। हर दिन की चिंता के साथ -साथ वर्तमान का पूरा सदुपयोग करना होगा ताकि युवा पीढ़ी को नशे के चंगुल से छुड़ाया जा सके व आने वाले देश का भविष्य सुरक्षित रह सके।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद धर्मशाला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

स्पोर्ट्स विंडो

फीफा विश्व कप: जापान और स्वीडन ने ड्रॉ खेलकर अंतिम 32 में बनाई जगह

एजेंसी, डलास। फीफा विश्व कप के ग्रुप चरण के मुकाबले में जापान और स्वीडन ने गुरुवार को 1-1 से ड्रॉ खेलते हुए अंतिम 32 में अपनी जगह पक्की कर ली। इस परिणाम के साथ जापान ग्रुप में उपविजेता रहा, जबकि स्वीडन तीसरे स्थान पर रहते हुए भी अगले दौर में पहुंचने में सफल रहा। पहला हाफ गोलरहित समाप्त हुआ, जिसमें दोनों टीमों ने कुछ मौके बनाए लेकिन कोई भी उन्हें गोल में नहीं बदल सकी। स्वीडन के लिए एंथनी एलांगा और अलेक्जेंडर बर्नहार्डसन ने आक्रामक खेल दिखाया, जबकि जापान की ओर से दाइज़ेन माएदा और आयासे उएदा ने प्रयास किए। दूसरे हाफ की शुरुआत में जापान ने दबाव बढ़ाया और 56वें मिनट में शानदार टीम मूव के बाद दाइज़ेन माएदा ने गोल दागकर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। इस गोल में रित्सु दोआन और आयासे उएदा की बेहतरीन तालमेल देखने को मिली। हालांकि, जापान की बढ़त ज्यादा देर कायम नहीं रह सकी। 62वें मिनट में स्वीडन के एंथनी एलांगा ने बॉक्स के बाहर से शानदार लंबी दूरी का शॉट लगाकर गेंद को गोल में पहुंचाया और मुकाबला 1-1 से बराबर कर दिया। इसके बाद दोनों टीमों ने जीत का गोल तलाशने की कोशिश की। स्वीडन के अलेक्जेंडर इसाक और एलांगा ने कई अच्छे मौके बनाए, लेकिन जापान के गोलकीपर ज़ायन सुज़ुकी ने शानदार बचाव किया। वहीं अंतिम क्षणों में जापान भी निर्णायक गोल नहीं कर सका। ड्रॉ के साथ जापान ने ग्रुप में दूसरा स्थान हासिल किया और अब अंतिम 32 में उसका सामना ब्राज़ील से होगा।

चार्ली डीन का खूबसूरत अंदाज

इंग्लैंड। क्रिकेटर चार्ली डीन इंग्लैंड की रहने वाली हैं, जो वर्तमान में अंतरराष्ट्रीय टीम के लिए सभी प्रारूप में खेलती हैं। एक ऑलराउंडर, यह दाएं हाथ की बल्लेबाज और ऑफ ब्रेक गेंदबाज हैं। यह बहुत ही कुशल क्षेत्ररक्षण के लिए भी जानी जाती है।

श्वेनस्टीगर की टिप्पणी पर भड़के आइवरी कोस्ट के कोच

एजेंसी, फिलाडेल्फिया। आइवरी कोस्ट के कोच एमर्स फाए ने जर्मनी के पूर्व खिलाड़ी बास्टियन श्वेनस्टीगर द्वारा उनकी टीम के बारे में की गई उन टिप्पणियों की आलोचना की जिन्हें उन्होंने नस्लवादी माना। श्वेनस्टीगर ने पिछले सप्ताहांत जर्मनी और आइवरी कोस्ट के बीच मैच से पहले जर्मन प्रसारणकर्ता एआरडी पर ये टिप्पणियां की थीं जब वे इस बारे में बात कर रहे थे कि जर्मनी के खिलाड़ी अपने विरोधियों से क्या उम्मीद कर सकते हैं। श्वेनस्टीगर ने कहा, ''थोड़ा अफ्रीकी फुटबॉल, थोड़ा अनोखा, थोड़ा बेतरतीब, शायद थोड़ा ऐसा भी जिसमें रणनीति का अधिक असर नहीं हो। हमें इसके लिए तैयार रहना होगा कि यह अप्रत्याशित हो सकता है।'' (अनंत ज्ञान)

मुनिता प्रजापति ने हाफ मैराथन का स्वर्ण पदक जीता

एजेंसी, भुवनेश्वर। उत्तर प्रदेश की अनुभवी धावक मुनिता प्रजापति ने राष्ट्रीय अंतर राज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की महिलाओं की हाफ मैराथन में स्वर्ण पदक जीता, लेकिन एशियाई खेलों के लिए निर्धारित क्वालिफाइंग समय हासिल नहीं कर सकीं। 24 वर्षीय मुनिता ने 21.09 किमी की दूरी 1:45:05 में पूरी की, जबकि एशियाई खेलों के लिए एथलेटिक्स महासंघ का क्वालिफाइंग समय 1:37:20 है। उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 1:39:26 है। मुनिता ने कहा कि भुवनेश्वर की भीषण गर्मी और 90 प्रतिशत से अधिक उमस में क्वालिफाइंग समय हासिल करना बेहद कठिन था। उन्होंने उम्मीद जताई कि चयन समिति उनके फरवरी में किए गए बेहतर प्रदर्शन और मौजूदा परिस्थितियों को भी टीम चयन में ध्यान में रखेगी। (अनंत ज्ञान)

एशियाई खेल चयन विवाद

मनिका बत्रा ने टीटीएफआई पर लगाए नियम तोड़ने के आरोप

एजेंसी, नई दिल्ली। स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने एशियाई खेल 2026 की चयन प्रक्रिया पर भारतीय टेबल टेनिस महासंघ (टीटीएफआई) को निशाने पर लेते हुए आरोप लगाया कि टीम चयन में महासंघ ने अपने ही संविधान का उल्लंघन किया। हालांकि टीटीएफआई ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि पूरी चयन प्रक्रिया नियमों के अनुरूप हुई है। मनिका, जिन्हें मुख्य टीम की बजाय रिजर्व खिलाड़ियों में रखा गया है, ने दावा किया कि नौ सदस्यीय चयन समिति ने टीम चुनी, जबकि संविधान के अनुसार किसी भी उपसमिति में सात से अधिक सदस्य नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि वह इस विवाद से मानसिक रूप से थक चुकी हैं और अब इस लड़ाई को आगे नहीं बढ़ाना चाहतीं। मनिका ने कहा कि उनका पूरा ध्यान अमेरिका में चल रहे टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व करने पर है। उन्होंने चयनित भारतीय टीम को शुभकामनाएं देते हुए एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन की उम्मीद जताई। (अनंत ज्ञान)

फीफा विश्व कप | हार के बावजूद अमेरिका ग्रुप विजेता बनकर अंतिम 32 में कायम

तुर्किये ने अमेरिका को 3-2 से हराया

एजेंसी, लॉस एंजिलिस

फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप डी के औपचारिक मुकाबले में शुक्रवार को तुर्किये ने अतिरिक्त समय में किए गए निर्णायक गोल की बदौलत सह-मेजबान अमेरिका को 3-2 से हरा दिया। पहले ही ग्रुप विजेता बनकर अंतिम 32 में पहुंच चुका अमेरिका अपनी लगातार तीसरी जीत की तलाश में था, जबकि टूर्नामेंट से बाहर हो चुका तुर्किये सम्मान बचाने के इरादे से मैदान में उतरा। अमेरिका ने मुकाबले की शानदार शुरुआत की। तीसरे मिनट में ऑस्टन ट्रस्टी ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। यह विश्व कप में अमेरिका के लिए दूसरा सबसे तेज गोल भी रहा। हालांकि, तुर्किये ने जल्द ही वापसी की। 10वें मिनट में स्टार खिलाड़ी अर्दा गुलर ने शानदार फिनिश करते हुए विश्व कप का अपना पहला गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद 31वें मिनट में एरेन एलमाली के शानदार मूव पर बारिस अल्पर यिलमाज ने गोल कर तुर्किये को 2-1 की बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ की शुरुआत में अमेरिका ने बराबरी हासिल कर ली। 49वें मिनट में सेबास्टियन बेरहॉल्टर ने दमदार शॉट लगाकर स्कोर 2-2 कर दिया। इसके बाद अमेरिका के स्टार खिलाड़ी क्रिस्टियन पुलिसिक को मैदान पर उतारा गया, जिन्होंने वापसी के बाद कई अच्छे आक्रमण किए, लेकिन गोल करने में सफल नहीं हो सके। दूसरी ओर तुर्किये भी लगातार दबाव बनाता रहा। जब मुकाबला ड्रॉ की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा था, तभी अतिरिक्त समय में कान आयहान ने नजदीक से शानदार गोल दागकर तुर्किये को 3-2 की यादगार जीत दिला दी। हार के बावजूद अमेरिका ग्रुप डी में शीर्ष स्थान पर रहते हुए पहले ही अंतिम 32 में अपनी जगह पक्की कर चुका था और अब उसका सामना अगले सप्ताह बोस्निया एवं हर्जेगोविना से होगा। वहीं, तुर्किये टूर्नामेंट से बाहर होने के बावजूद जीत के साथ अपने अभियान का समापन करने में सफल रहा। (अनंत ज्ञान)

पैराग्वे से ड्रॉ खेल ऑस्ट्रेलिया नॉकआउट में

ऑस्ट्रेलिया ने फीफा विश्व कप 2026 के ग्रुप डी मुकाबले में पैराग्वे से 0-0 की बराबरी खेलकर अंतिम 32 में जगह पक्की कर ली। इस ड्रॉ के साथ ऑस्ट्रेलिया सात अंकों के साथ ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहा, जबकि चार अंकों पर तीसरे स्थान पर मौजूद पैराग्वे को अब अगले दौर में पहुंचने के लिए अन्य मैचों के नतीजों का इंतजार करना होगा। सैन फ्रांसिस्को बे एरिया स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन कई अच्छे मौके गंवा दिए। दूसरे हाफ में पैराग्वे ने भी दबाव बनाया, हालांकि दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रहीं। अब नॉकआउट में ऑस्ट्रेलिया का सामना ग्रुप जी की उपविजेता टीम से होगा।

ब्राजील का अंतिम 32 में जापान से होगा सामना

एजेंसी, नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 के अंतिम 32 का एक और मुकाबला तय हो गया है। पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील अब नॉकआउट चरण में जापान से भिड़ेगा। यह मुकाबला 29 जून को अमेरिका के ह्यूस्टन स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसकी शुरुआत भारतीय समयानुसार रात 10:30 बजे होगी।

जापान ने ग्रुप एफ के अपने अंतिम मुकाबले में स्वीडन के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेलकर चार अंक हासिल किए और नीदरलैंड के बाद दूसरे स्थान पर रहते हुए अंतिम 32 में जगह बनाई। दूसरी ओर, ब्राजील ने ग्रुप सी में दो जीत और एक ड्रॉ के साथ शीर्ष स्थान हासिल कर नॉकआउट चरण में प्रवेश किया। ब्राजील के ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहने वाला मोरक्को अब अंतिम 32 में नीदरलैंड का सामना करेगा।

ब्राजील और जापान के बीच पिछली भिड़ंत अक्टूबर 2025 में एक अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में हुई थी, जिसमें जापान ने 3-2 से जीत दर्ज कर इतिहास रचा था। यह 14 मुकाबलों में ब्राजील के खिलाफ जापान की पहली जीत थी। हालांकि, विश्व कप के इतिहास में दोनों टीमों की अब तक केवल एक बार टक्कर हुई है। वर्ष 2006 के विश्व कप में ब्राजील ने जापान को 4-1 से हराया था। अब लगभग दो दशक बाद दोनों टीमें फिर विश्व कप के मंच पर आमने-सामने होंगी, जहां जापान पिछली जीत का आत्मविश्वास लेकर उतरेगा, जबकि ब्राजील अपने शानदार रिकॉर्ड को कायम रखने की कोशिश करेगा। (अनंत ज्ञान)

महिला टी20 विश्व कप: ब्रिट्स ने बनाए नाबाद 114 रन

दक्षिण अफ्रीका ने नीदरलैंड को 88 रन से हराया

एजेंसी ब्रिस्टल

ताजमिन ब्रिट्स के शानदार पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक और गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के ग्रुप-ए मुकाबले में नीदरलैंड को 88 रन से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने सेमीफाइनल की उम्मीदें मजबूत करते हुए चार मैचों में छह अंक हासिल कर लिए और अंक तालिका में भारत के बराबर पहुंच गया। हालांकि बेहतर नेट रन रेट के कारण भारत अभी भी दूसरे स्थान पर बना हुआ है।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका ने निर्धारित 20 ओवर में एक विकेट पर 208 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। सलामी बल्लेबाज ताजमिन ब्रिट्स ने नाबाद 114 रन की विस्फोटक पारी खेली, जबकि कप्तान लॉरा वोल्वार्ट ने 45 और एनेरी डर्कसन ने मात्र 16 गेंदों में 37 रन बनाकर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। ब्रिट्स और वोल्वार्ट ने पहले विकेट के लिए 121 रन की साझेदारी की। 209 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड ने तेज शुरुआत की और पावरप्ले में बिना विकेट खोए 50 रन बना लिए। फीबे मोल्केनबोअर ने 41 और सान्या खुराना ने 36 रन बनाए, लेकिन इसके बाद पूरी टीम लड़खड़ा गई। दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी के सामने नीदरलैंड की पारी 20 ओवर में आठ विकेट पर 120 रन तक ही सिमट गई। अयाबोंगा खाका ने तीन विकेट लिए, जबकि क्लोई ट्रायन ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

इस जीत के बाद ग्रुप-ए से दूसरे सेमीफाइनलिस्ट की लड़ाई और भी रोमांचक हो गई है। इंग्लैंड पहले ही अंतिम चार में जगह बना चुका है। दक्षिण अफ्रीका अपने अंतिम लीग मुकाबले में 28 जून को बांग्लादेश से भिड़ेगा, जबकि उसी दिन भारत का मुकाबला मजबूत ऑस्ट्रेलियाई टीम से होगा, जो सेमीफाइनल की तस्वीर तय करेगा। (अनंत ज्ञान)

एफआईएच प्रो लीग

शूटआउट में इंग्लैंड ने भारत को हराया

एजेंसी, लंदन

एफआईएच प्रो लीग 2026 के यूरोपीय दौरे में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को गुरुवार को मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले में शूटआउट में 1-4 से हार का सामना करना पड़ा। निर्धारित समय तक मुकाबला 2-2 से बराबरी पर रहा, लेकिन शूटआउट में इंग्लैंड ने बोनस अंक अपने नाम कर लिया।

भारत के लिए दिलप्रीत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 10वें और 58वें मिनट में दो गोल दागे। वहीं इंग्लैंड की ओर से डेविड गुडफील्ड ने 29वें मिनट और निकोलस बंडुराक ने 56वें मिनट में गोल किए। मुकाबले की शुरुआत भारत ने आक्रामक अंदाज में की। 10वें मिनट में मनदीप सिंह के शानदार पास पर दिलप्रीत सिंह ने डाइव लगाकर गेंद को गोल में पहुंचाते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। दूसरे क्वार्टर में भारत बढ़त दोगुनी करने के करीब पहुंचा, लेकिन इंग्लैंड के रक्षक थॉमस सोरसबी ने गोल लाइन पर शानदार बचाव किया। इसके बाद 29वें मिनट में डेविड गुडफील्ड ने फील्ड गोल कर इंग्लैंड को 1-1 की बराबरी दिला दी। तीसरे क्वार्टर में दोनों टीमों को कई मौके मिले, लेकिन मजबूत रक्षण के चलते कोई भी गोल नहीं हो सका।

चौथे और अंतिम क्वार्टर में इंग्लैंड ने लगातार दबाव बनाए रखा और 56वें मिनट में निकोलस बंडुराक ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर टीम को 2-1 से आगे कर दिया। हालांकि भारत ने हार नहीं मानी और दो मिनट बाद सुमित के शानदार मूव पर दिलप्रीत सिंह ने जोरदार शॉट लगाकर मुकाबला 2-2 से बराबर कर दिया।

शूटआउट में इंग्लैंड ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। थॉमस सोर्सबी, जेम्स अल्बरी और कप्तान जैकरी वालेस ने अपने प्रयास सफल किए। एक पेनाल्टी स्ट्रोक भी इंग्लैंड को मिला, जिसे वालेस ने गोल में बदल दिया। भारत की ओर से केवल कप्तान हरमनप्रीत सिंह ही शूटआउट में गोल करने में सफल रहे। इस हार के साथ भारत को एक अंक मिला, जबकि इंग्लैंड ने शूटआउट जीतकर बोनस अंक हासिल किया। भारतीय टीम अब 26 जून को पाक से भिड़ेगी। (अनंत ज्ञान)

केजरीवाल ने राम जन्मभूमि और हनुमानगढ़ी में किए दर्शन

एजेंसी, अयोध्या। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर और हनुमानगढ़ी में दर्शन किए। रामलला के दर्शन के बाद आआपा नेता और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मीडिया से बात की। केजरीवाल ने कहा कि आज श्रीराम मंदिर में प्रभु रामलला के दर्शन का परम सौभाग्य मिला। यह भव्य मंदिर करोड़ों हिंदुओं की आस्था और गौरव का प्रतीक है। राम मंदिर में प्रभु की मनमोहक मूरत की दिव्य आभा को शब्दों में पिरोना असंभव है।

उन्होंने कहा कि हमने भगवान से प्रार्थना की कि जिन लोगों ने भी श्रीराम मंदिर से चढ़ावा चोरी करने का महापाप किया है, वे उन्हें कठोर से कठोर दंड दें। उन्होंने आज अयोध्या श्रीहनुमान गढ़ी मंदिर में बजरंगबली के दर्शन किया। इस दौरान महंत धर्मदास व अन्य साधु-महात्माओं के सानिध्य का सौभाग्य मिला। (अनंत ज्ञान)

बांग्लादेश के साथ चीन बीआरआई सहयोग को बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध: शी जिनपिंग

एजेंसी, बीजिंग

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि चीन बांग्लादेश की नई सरकार के साथ उच्च गुणवत्ता वाले बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव (बीआरआई) सहयोग को आगे बढ़ाने और दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। बीजिंग में प्रधानमंत्री तारिक रहमान से मुलाकात के दौरान जिनपिंग ने हरित एवं निम्न-कार्बन विकास, डिजिटल अर्थव्यवस्था, सूचना प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे उभरते क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया।

चार दिवसीय चीन दौरे पर आए तारिक रहमान ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग और प्रधानमंत्री ली कियांग से अलग-अलग मुलाकात की। दोनों देशों ने विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए 13 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। वहीं, बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) के बीच भी पार्टी-स्तरीय सहयोग का एक एमओयू हुआ।

रहमान ने 'इन्वेस्ट बांग्लादेश' कार्यक्रम में चीनी निवेशकों को बांग्लादेश में निवेश के अवसरों से अवगत कराया और कई प्रमुख चीनी कंपनियों के प्रतिनिधियों से निवेश एवं व्यापार बढ़ाने पर चर्चा की। इससे पहले उन्होंने डालियान में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के 'समर दावोस' सम्मेलन में भी हिस्सा लिया। (अनंत ज्ञान)

ऑपरेशन सिंदूर के 6 शहीदों के नाम पहली बार सार्वजनिक

एजेंसी, नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान शहीद हुए भारतीय सशस्त्र बलों के 6 जवानों के नाम पहली बार आधिकारिक तौर पर सार्वजनिक किए गए हैं। इन नामों को नेशनल वॉर मेमोरियल की वेबसाइट के 'रोल ऑफ ऑनर' में शामिल किया गया है। नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय युद्ध स्मारक की उड़ी वॉल पर साल 2025 के खंड में भी उनके नाम अंकित किए गए हैं। नेशनल वॉर मेमोरियल के त्याग चक्र में 16 गोल ग्रेनाइट की दीवारें हैं, जिन पर आजादी के बाद से देश के लिए अपनी जान देने वाले हर सैनिक का नाम, रैंक और यूनिट लिखी हैं।

◆ इनमें 5 सेना, एक एयरफोर्स का जवान

दरअसल, 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला हुआ था। 26 टूरिस्ट की हत्या की गई थी। भारतीय सेना ने 6-7 मई रात पीओके में आतंकी ठिकानों पर हमला किया था। इस दौरान 100 से ज्यादा आतंकी मार गिराए थे। भारत पाकिस्तान के बीच 4 दिन हवाई युद्ध चला था। 10 मई को दोनों देशों के बीच सीजफायर हुआ था। (अनंत ज्ञान)

पीएम मोदी ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को उनकी जयंती पर दी श्रद्धांजलि

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को महान साहित्यकार बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय और सामाजिक न्याय के प्रणेता राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को एक ऐसे महान साहित्यिक व्यक्तित्व के रूप में याद किया, जिनकी रचनाओं ने भारतीयों की कई पीढ़ियों में देशभक्ति और सांस्कृतिक गौरव की भावना को प्रज्वलित किया।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर अपने संदेश में बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि एक महान साहित्यकार के रूप में, उनकी रचनाओं ने पीढ़ियों से भारतीयों में देशभक्ति और सांस्कृतिक गौरव की भावना को जागृत किया है। उनका समृद्ध साहित्यिक कार्य आज भी हमारे मन को प्रकाशित करता है और राष्ट्र निर्माण के प्रति हमारे सामूहिक संकल्प को मजबूत करता है। इस वर्ष के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने उल्लेख किया कि देश वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ मना रहा है। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम के माध्यम से बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्र के प्रेरणा के सबसे चिरस्थायी स्रोतों में से एक प्रदान किया। एक अन्य पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजर्षि छत्रपति शाहू महाराज को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वे सामाजिक न्याय और समानता के प्रबल समर्थक थे। (अनंत ज्ञान)

रिपोर्ट में खुलासा: दुनिया के 65.5 करोड़ लोगों के पास बिजली की सुविधा नहीं

एजेंसी, पेरिस

विकास के एजेंडे में आज ऊर्जा क्षेत्र सबसे ऊपर है। बावजूद इसके दुनियाभर में 65.5 करोड़ लोगों के पास अभी भी बिजली की सुविधा नहीं है और लगभग दो अरब लोग खाना पकाने के लिए प्रदूषण फैलाने वाले ईंधन और तकनीक का इस्तेमाल करते हैं। इससे उनके स्वास्थ्य को गंभीर खतरा है। यह खुलासा संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में किया गया है।

गल्फ न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि इसका सबसे ज्यादा असर उप सहारा अफ्रीका पर पड़ा है। यहां 56 करोड़ से ज्यादा लोग बिना बिजली के रह रहे हैं और 97 करोड़ लोगों के पास खाना पकाने के लिए साफ-सुथरे ईंधन की सुविधा नहीं है। ट्रैकिंग एसडीजी 7: द एनर्जी प्रोग्रेस रिपोर्ट' के नए संस्करण में उपलब्ध विवरण चिंताजनक है। इसमें 2023 और 2024 के अध्ययन के हवाले से बताया गया है कि ज्यादातर इलाके सभी के लिए बिजली की सुविधा (यूनिवर्सल एक्सेस) के करीब पहुंच रहे हैं, वहीं उप सहारा अफ्रीका में प्रगति काफी धीमी है। 2030 तक सभी के लिए बिजली की सुविधा का लक्ष्य पाने के लिए इसकी रफ्तार को तीन गुना करना होगा।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार, इन चुनौतियों के बावजूद, टिकाऊ ऊर्जा (सस्टेनेबल एनर्जी) के कई क्षेत्रों में उत्साहजनक प्रगति हुई है। इसने दुनिया भर में बिजली की कुल खपत में 30 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी निभाई है। साथ ही रिन्यूएबल एनर्जी पैदा करने की क्षमता 544 वाट प्रति व्यक्ति के वैश्विक रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। विकासशील देशों में स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय पब्लिक फाइनेंशियल फ्लो में थोड़ी बढ़ोतरी हुई और यह 24.6 बिलियन डालर तक पहुंच गया रिपोर्ट में चेताया गया है कि अगर तुरंत और बड़े पैमाने पर कार्रवाई नहीं की गई तो दुनिया 2030 तक सभी के लिए सस्ती, भरोसेमंद, टिकाऊ और आधुनिक ऊर्जा तक पहुंच सुनिश्चित करने वाले एसडीजी 7 के लक्ष्य को हासिल करने में पीछे रह जाएगी। मौजूदा वैश्विक ऊर्जा संकट अभी भी जारी है। (अनंत ज्ञान)

नशे के खिलाफ 'रूथलेस अप्रोच' जरूरी: अमित शाह

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नशे के खिलाफ लड़ाई को अगले तीन वर्षों के लिए निर्णायक बताते हुए इसे सख्त और रूथलेस अप्रोच के साथ आगे बढ़ाने की आवश्यकता जताई। वे नार्को-ऑर्डिनेशन सेंटर की दसवीं शीर्ष स्तरीय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे जिसमें देशभर के राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय एजेंसियों के प्रतिनिधि शामिल हुए।

शाह ने कहा कि सरकार ने 2026 से 2029 के लिए नशा मुक्त भारत का विस्तृत रोडमैप तैयार किया है जो चार प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। उन्होंने कहा कि ड्रग तस्करी अब तकनीक आधारित और नेटवर्क संचालित अपराध बन चुकी है जिसमें ड्रोन, डार्क नेट, क्रिप्टो भुगतान और आधुनिक लॉजिस्टिक्स का उपयोग हो रहा है।

उन्होंने कहा कि तस्करों के प्रति सख्त रुख और नशे के पीड़ितों के प्रति संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाया जाएगा और राज्यों से इस अभियान को तेज करने की अपील की गई। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त भारत केवल कानून व्यवस्था का विषय नहीं बल्कि युवाओं और देश के भविष्य की सुरक्षा का प्रश्न है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार, सुरक्षा एजेंसियों और समाज को मिलकर एक व्यापक और सतत अभियान चलाना होगा ताकि देश से नशे की समस्या को पूरी तरह समाप्त किया जा सके। (अनंत ज्ञान)

ईरान बोला-नाटो देशों ने जंग में दिया अमेरिका का साथ

एजेंसी, तेहरान। ईरान ने आरोप लगाया है कि उसके खिलाफ अमेरिका और इस्राइल की सैन्य कार्रवाई में कुछ देशों ने समर्थन दिया, जिसके लिए उन्हें जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघई ने कहा कि नाटो प्रमुख ने स्वीकार किया है कि इटली और रोमानिया ने इस कार्रवाई में अमेरिका का साथ दिया। ईरान ने मांग की है कि संबंधित देश अपने नागरिकों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को इस पर स्पष्टीकरण दें। इसी बीच होर्मुज जलडमरूमध्य में एक वाणिज्यिक जहाज पर अज्ञात प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ। ब्रिटेन की मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस एजेंसी के अनुसार, जहाज ओमान के तट के पास था, तभी यह हमला हुआ, जिससे जहाज के ब्रिज को नुकसान पहुंचा। हालांकि इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। (अनंत ज्ञान)

मनाली का बूम बैरियर बदहाल, मूलभूत सुविधाओं का अभाव बना बड़ी परेशानी

शौचालय और पानी तक नहीं उपलब्ध; हर रोज पहुंचते हजारों वाहन, बूम बैरियर बना जाम का केंद्र

अनंत ज्ञान

एम बोकटापा, मनाली। हर साल मनाली को करोड़ों रुपए अर्जित करने वाला बूम बैरियर आज खुद अपनी हालत पर आंसू बहा रहा है। मनाली का बूम बैरियर हर दिन हजारों पर्यटकों और स्थानीय लोगों की आवाजाही का प्रमुख प्रवेश बिंदु है, लेकिन यहां मूलभूत सुविधाओं की कमी पर्यटकों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। बूम बैरियर पर न तो पर्याप्त शौचालयों की व्यवस्था है और न ही पीने के स्वच्छ पानी की सुविधा।

दो-लाइन सिस्टम से बढ़ रही परेशानी। अनंत ज्ञान

लंबे समय तक वाहनों की कतार में फंसे पर्यटकों, बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। पर्यटन सीजन में प्रतिदिन तीन हजार से अधिक वाहन मनाली पहुंचते हैं। यहां केबल दो लाइन का बूम बैरियर है, जिस कारण वाहनों की लंबी लाइन लग जाती है। स्थानीय विधायक भुवनेश्वर गोड़ से जब इस बारे पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह मामला सामने आया है। इस समस्या का जल्द ही हल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ मनाली नेशनल हाईवे पर मनाली के समीप लगते आलूग्राउंड में स्थित ग्रीन टैक्स बैरियर के पास पर्यटन सीजन के दौरान लगने वाले जाम से निजात दिलाने के लिए अतिरिक्त वाहन लाइन और ट्रैफिक साइन का इस्तेमाल किया जाएगा। यह लाइन और ट्रैफिक साइन लगभग 150 से 200 मीटर की दूरी पर लगाया जाएगा, ताकि बाहरी राज्यों की गाड़ियां और राज्य के वाहन दूर से ही अपनी कतार में आ सके ताकि किसी को भी यंहा पर जाम की समस्या का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि ग्रीन टैक्स बैरियर के पास सड़क संकरी होने के कारण भी भारी जाम देखने को मिलता है। ऐसे में प्रशासन के साथ वार्ता कर के ग्रीन टैक्स बैरियर में पर्यटकों स्थानिय लोगों और बड़े वाहनों के लिए अतिरिक्त लाइन और ट्रैफिक साइन लगाने का निर्णय लिया गया है, ताकि यहां लगने वाले ट्रैफिक की समस्या से निजात मिलेगी। उन्होंने कहा की जो बूम बैरियर यहां पर लगाए गए हैं, वे पहले के समय के हिसाब से लगाए गए थे। अब पर्यटन सीजन के दौरान हजारों की तादात में रोज वाहन पहुंचने के कारण अतिरिक्त बूम बैरियर की आवश्यकता है और इस पर भी जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। मनाली कांग्रेस नेता गौतम ठाकुर ने कहा कि इसके लिए प्रशासन को तीन साल से आग्रह किया जा रहा था कि अभी बूम बैरियर दो लाइन की है इसे बढ़ाकर तीन या चार लाइन का किया जाए।

स्कूलों में मानसून से पहले राशन आपूर्ति सुनिश्चित बनाएं : अश्वनी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। अतिरिक्त उपायुक्त कुल्लू अश्वनी कुमार की अध्यक्षता में पीएम पोषण योजना की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। उन्होंने कहा कि छात्रों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए निर्धारित चार प्रकार के साप्ताहिक मेनू का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी स्कूल प्रबंधन, खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों एवं संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि योजना के दिशा-निर्देशों का पूर्ण अनुपालन किया जाए।

उन्होंने कहा कि बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य एवं कल्याण में सुधार के लिए नियमित निरीक्षण और जमीनी स्तर पर निगरानी आवश्यक है। बैठक में बताया गया कि जिले के 991 स्कूलों में पीएम पोषण योजना लागू है, जिससे 34,950 छात्र लाभान्वित हो रहे हैं। भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता, रसोई

अतिरिक्त उपायुक्त कुल्लू बैठक के दौरान अधिकारियों से चर्चा करते हुए। अनंत ज्ञान

शेड और सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। जिले के 991 स्कूलों में न्यूट्रिशन गार्डन विकसित किए जा चुके हैं, जिनमें लगभग 8 बीघा भूमि का उपयोग किया गया है। इस तिमाही के दौरान जिला के 11 स्कूलों में 'तिथि भोजन दिवस' मनाया गया जिसमें कोई भी व्यक्ति विद्यालयों के लिए मध्याह्न भोजन प्रायोजित कर सकता है। अतिरिक्त उपायुक्त ने समुदायों को बच्चों के भोजन के लिए ताजे फल और सब्जियां स्वैच्छिक रूप से दान करने के लिए प्रेरित करने पर बल दिया। उप-निदेशक प्रारंभिक शिक्षा ने कुल्लू के विभिन्न ब्लॉकों के लिए बजट आंटन की जानकारी दी। बैठक की कार्रवाइ का संचालन उपनिदेशक क्वालिटी कंट्रोल सुनील दत ठाकुर ने किया। बैठक में उपनिदेशक उच्च शिक्षा देसराज डोगरा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

प्रकाश ठाकुर संभालेंगे एसएमसी की कमान

अनंत ज्ञान तीर्थन। उपमंडल बंजार के राजकीय उच्च पाठशाला मंझली में विद्यालय प्रबंधन समिति (एसएमसी) की नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। प्रकाश ठाकुर को अध्यक्ष और धने राम को उपाध्यक्ष चुना गया। मुख्याध्यापक प्रदीप कुमार ने नवगठित समिति को बधाई देते हुए विद्यालय के विकास में सक्रिय सहयोग की अपेक्षा जताई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने विद्यालय की आवश्यकताओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का भरोसा दिलाया।

जन्मदिवस पर बीजू हिमदल ने किया रक्तदान

अनंत ज्ञान, मनाली। टीम सहभागिता के अध्यक्ष बीजू हिमदल ने अपने जन्मदिवस की पूर्व संध्या पर मानवता का उदाहरण पेश करते हुए क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू में जरूरतमंद मरीज के लिए 37वां स्वैच्छिक रक्तदान किया। आपात सूचना मिलते ही उन्होंने तुरंत पहुंचकर रक्तदान कर जीवन बचाने में योगदान दिया। उन्होंने कहा कि रक्तदान ही सच्चा जन्मदिवस उत्सव है। वर्षों से नियमित रक्तदान कर रहे हिमदल जिले के प्रमुख रक्तदाताओं में शामिल हैं और युवाओं को भी रक्तदान के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

केलांग पुलिस ग्राउंड में सांस्कृतिक कार्यक्रम 28 को

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग। उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित 'संस्कृतिक यात्रा-2026' के अंतर्गत लगभग 90 लोक कलाकारों का दल लाहौल-स्पीति पहुंचेगा। यह दल विभिन्न राज्यों की लोक संस्कृति, संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियां देगा। 28 जून को केलांग पुलिस ग्राउंड में शाम 4 बजे भव्य सांस्कृतिक संध्या आयोजित होगी। उपायुक्त किरण भड़ाना ने लोगों से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम का आनंद लेने और राष्ट्रीय एकता व सांस्कृतिक समरसता को बढ़ावा देने की अपील की है।

कुल्लू अस्पताल में प्रसूता की मौत की हो निष्पक्ष जांच

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक ऋतिक कार्तिक ने कुल्लू क्षेत्रीय अस्पताल में प्रसूता की मृत्यु को अत्यंत दुखद बताया है। उन्होंने कहा कि यह घटना स्वास्थ्य व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न उठाती है। एबीवीपी ने मामले की निष्पक्ष, उच्च स्तरीय और समयबद्ध जांच की मांग की है। संगठन ने दोषी पाए जाने पर संबंधित चिकित्सकों या कर्मचारियों पर कड़ी कार्रवाई की अपील की है। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की भी मांग की गई है।

गाय को राष्ट्रीय माता का दर्जा देने की मांग

अनंत ज्ञान, पतलीकूहल। संभाग दक्षिण हिमाचल गतिविधि विभाग के नैपुण्य वर्ग का समापन समारोह जिला परिषद सदस्य राज कुमार के करकमलों द्वारा संपन्न हुआ। इस प्रशिक्षण वर्ग में 15 अंचलों के गतिविधि प्रमुखों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि ने भारतीय संस्कृति में गाय के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उसे राष्ट्रीय माता का दर्जा देने की मांग की। उन्होंने गोवंश संरक्षण और तस्करी पर चिंता जताई। कार्यक्रम में वर्ग अधिकारी लता ठाकुर, महेंद्र शर्मा एवं दीने राम उपस्थित रहे। प्रतिभागियों को समाज सेवा के लिए प्रेरित किया गया।

श्रद्धालुओं को धर्म के मार्ग पर चलने का दिया संदेश

हिडिम्बा मंदिर परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा संपन्न। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

मनाली। ढूंगरी स्थित माता हिडिम्बा मंदिर परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण कथा शुक्रवार को संपन्न हो गई। कथा के अंतिम दिन कथा व्यास ने धर्म, मानव जीवन और तीर्थों की मर्यादा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए श्रद्धालुओं को धर्म के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मनुष्य को जीवनभर धर्म के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए, क्योंकि अंत समय में न धन, न परिवार और न ही कोई संबंध साथ जाता है, केवल धर्म ही मनुष्य का सच्चा साथी बनकर परलोक तक साथ जाता है। उन्होंने कहा कि इस संसार में जो भी आया है, उसे एक दिन अवश्य जाना है। किसी व्यक्ति के जाने के बाद संसार का क्रम चलता रहता है, इसलिए जीवन को धर्म, सेवा और सद्कर्मों के लिए समर्पित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान के समक्ष टांगें फैलाकर बैठना, ऊंची आवाज में बातचीत करना, अनावश्यक शोर-शराबा करना, गंदगी फैलाना अथवा मंदिर को मनोरंजन का केंद्र बना देना धार्मिक मर्यादाओं के विरुद्ध है। आयोजन समिति ने बताया कि शनिवार को महायज्ञ की महापूर्णाहुति, कन्या पूजन तथा विशाल भंडारे (महाप्रसाद) के साथ धार्मिक आयोजन का समापन होगा।

जाहलमा गांव के लोगों ने बढ़ाया बीआरओ के जवानों का मनोबल, किया सम्मानित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग। लाहौल घाटी के जाहलमा नाले पर नए पुल के निर्माण में जुटी बीआरओ की टीम के सहयोग के लिए महिला मंडल जाहलमा ने भोजन की व्यवस्था कर मानवीय संवेदनाओं और सामुदायिक सहभागिता का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने स्थानीय देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना कर कार्य की सफलता की कामना की। पंचायत प्रधान प्रेमलाल ठाकुर ने बताया कि ग्रामीणों की ओर से बीआरओ को हरसंभव सहयोग दिया जा रहा है। बीआरओ ने आश्वासन दिया है कि नया पुल जुलाई के अंतिम सप्ताह तक तैयार कर लिया जाएगा।उन्होंने बताया कि पुराने पुल के समीप लोक निर्माण विभाग द्वारा एक फुट ब्रिज का निर्माण भी किया जाएगा, जो आपात परिस्थितियों में लोगों के लिए राहत का माध्यम बनेगा। बाढ़ या जलस्तर बढ़ने की स्थिति में यदि यातायात बाधित होता है, तो यह फुट ब्रिज विशेष रूप से किसानों को अपनी नगदी फसलों के आवागमन में मदद करेगा। ग्रामीणों, महिला मंडल और बीआरओ के संयुक्त प्रयास से जाहलमा में विकास और सहयोग की नई मिसाल कायम हो रही है।

ब्यास किनारे जाने पर सख्ती, मनाली पुलिस ने 12 पर्यटकों के किए चालान

नदी किनारे गए लोगों के चालान करते पुलिस कर्मी। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

मनाली। पर्यटन नगरी मनाली में पर्यटकों की सुरक्षा को लेकर पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। ब्यास नदी के किनारे अनधिकृत रूप से जाने वाले 12 पर्यटकों के खिलाफ मनाली पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चालान किए हैं। मनाली पुलिस ने संबंधित एजेंसियों, विशेषकर बीआरओ और एनएचएआई से राष्ट्रीय राजमार्ग से नदी की ओर जाने वाले अनधिकृत रास्तों को बंद करने, आवश्यक स्थानों पर फेंसिंग लगाने तथा चेतावनी एवं जागरूकता संबंधी साइन बोर्ड स्थापित करने का आग्रह किया है। इसके बावजूद कुछ पर्यटकों द्वारा सुरक्षा निर्देशों की अनदेखी करते हुए नदी किनारे जाने की घटनाएं सामने आईं। इसी क्रम में मनाली पुलिस ने को ऐसे 12 व्यक्तियों के चालान किए है। एसडीपीओ मनाली केडी शर्मा ने बताया कि पर्यटकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने पर्यटकों से अपील की है कि जोखिमपूर्ण नदी तट क्षेत्रों के समीप जाने से बचें तथा दिशा-निर्देशों का पालन करें।

रवि ठाकुर बोले- सिंधु दर्शन अभियान ने देश को आध्यात्मिक रूप से जोड़ा

अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग। लाहौल-स्पीति के पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रवि ठाकुर ने लद्दाख विश्वविद्यालय में आयोजित 'विश्व शांति एवं भारत दर्शन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता की। इस अवसर पर राज्यपाल कविंदर गुप्ता, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार, रूपेश डीआरडीओ के वरिष्ठ अधिकारी, लद्दाख विश्वविद्यालय के कुलपति व विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े विद्वानों एवं गणमान्य नागरिकों ने अपने विचार व्यक्त किए। संगोष्ठी में सिंधु दर्शन के आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय महत्व पर विस्तार से चर्चा हुई। वक्ताओं ने कहा कि कैलाश मानसरोवर क्षेत्र से प्रवाहित होने वाली पावन सिंधु धारा भारतीय सभ्यता, संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता की प्रतीक रही है। सिंधु तट पर प्रतिदिन होने वाली प्रात: एवं संध्या आरती के माध्यम से विश्व शांति, राष्ट्र की एकता एवं अखंडता का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। इस मौके पर रवि ठाकुर ने कहा कि सिंधु दर्शन अभियान ने देश के विभिन्न राज्यों के लोगों को इस पवित्र धारा से जोड़ने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक परंपराओं एवं राष्ट्रीय चेतना को मजबूत करने के लिए ऐसे आयोजनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। संगोष्ठी में सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास, राष्ट्रीय सुरक्षा तथा सीमांत क्षेत्रों में अनुसंधान एवं तकनीकी क्षमताओं को सुदृढ़ करने में डीआरडीओ की भूमिका पर भी सार्थक चर्चा की गई। रवि ठाकुर ने राज्यपाल कविंदर गुप्ता, इंद्रेश कुमार, आयोजन समिति तथा सभी विद्वानों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन भारत की सांस्कृतिक विरासत, राष्ट्रीय एकात्मता एवं विश्व शांति के संदेश को और अधिक सशक्त बनाने का कार्य करते हैं।

मनाली एबीवीआईएमएएस में बेसिक और एडवांस्ड माउंटेनियरिंग कोर्स संपन्न

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक गबीर को मिला सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु का सम्मान

देश भर से आए 170 महिला एवं पुरुष प्रशिक्षुओं ने लिया भाग। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

मनाली। अटल बिहारी वाजपेयी पर्वतारोहण एवं संबद्ध खेल संस्थान (एबीवीआईएमएएस), मनाली में बेसिक माउंटेनियरिंग कोर्स (बीएमसी) और एडवांस्ड माउंटेनियरिंग कोर्स (एएमसी) का सफल समापन हुआ।

दोनों कोर्सों में देशभर से आए 170 महिला एवं पुरुष प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। बीएमसी एक जून तथा एएमसी 30 मई को शुरू हुए थे, जो क्रमश: 26 और 28 दिनों तक चले। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को रॉक क्राफ्ट, स्नो क्राफ्ट, आइस क्राफ्ट, ग्लेशियर ट्रैवल, रेस्क्यू तकनीक, नेविगेशन, अभियान योजना तथा उच्च हिमालयी जीवन कौशल का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षुओं ने लगभग 15,700 फुट तक ट्रेकिंग और 17,300 फुट ऊंची माउंट फ्रेंडशिप पीक का सफल आरोहण किया। समापन अवसर पर सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु का पुरस्कार 1997 बैच के आईपीएस अधिकारी एवं एडीजीपी गबीर दास को दिया गया। एबीवीआईएमएएस निदेशक अविनाश नेगी ने सभी प्रशिक्षुओं को बधाई देते हुए कहा कि पर्वतारोहण अनुशासन, नेतृत्व और आत्मविश्वास का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि अगली प्रशिक्षण श्रृंखला 30 जून से शुरू होगी।

मंजू शर्मा मौत के मामले की गंभीरता से की जाए जांच

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति जिला कमेटी कुल्लू ने क्षेत्रीय अस्पताल कुल्लू में गत दिनों मंजू शर्मा की डिलीवरी के उपरांत हुई दुखद मृत्यु की घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है। समिति की अध्यक्ष सहित अन्य सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने इस पूरी घटना की उच्च स्तरीय निष्पक्ष एवं गहन जांच कराने की मांग की है। जनवादी महिला समिति ने इस तरह की घटना पर अत्यंत दुख एवं चिंता जताते हुए कहा है कि किसी भी परिवार के लिए ऐसी पीड़ा असहनीय होती है। स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े मामलों में संवेदनशीलता, जिम्मेदारी तथा जवाबदेही अत्यंत आवश्यक है और इस मामले में इसकी सख्त जरूरत है। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति जिला कमेटी ने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि मंजू शर्मा की मृत्यु के पूरे मामले की गंभीरता से जांच की जाए ताकि सच्चाई सामने आ सके। यदि जांच के दौरान किसी भी स्तर पर किसी डॉक्टर, स्टाफ, सदस्य अथवा संबंधित व्यक्ति की लापरवाही सामने आती है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। अस्पतालों में मातृत्व और प्रसूति सेवाओं को अधिक सुरक्षित व संवेदनशील बनाया जाए ताकि भविष्य में किसी भी परिवार को ऐसी असहनीय पीड़ा से न गुजरना पड़े। जनवादी महिला समिति जिला कमेटी ने स्पष्ट किया है कि न्याय केवल पीड़ित परिवारों के लिए ही नहीं, बल्कि समाज के स्वास्थ्य व्यवस्था पर विश्वास बनाए रखने के लिए भी आवश्यक है। जनवादी महिला समिति जिला कमेटी कुल्लू पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है और आगे मांगे पूरी ना होने पर सख्त कदम उठाने के लिए भी बाध्य होगी।

पुलिस ने आग के हवाले किए 1.19 करोड़ के नशीले पदार्थ

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, कुल्लू। प्रदेश में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कुल्लू व लाहौल-स्पीति स्पीति जिला पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने माननीय अदालत द्वारा तय (डिसाइड) किए जा चुके 53 मामलों से संबंधित करीब 1 करोड़ 19 लाख रुपए अंतरराष्ट्रीय बाजार मूल्य के मादक पदार्थों को विधिवत रूप से आग के हवाले कर नष्ट कर दिया।

नशीले पदार्थों के निस्तारण (डिस्पोजल) की यह पूरी प्रक्रिया औद्योगिक क्षेत्र शमशी स्थित ललित मेडिरोमा के बॉयलर की आग में कानूनी प्रोटोकॉल के तहत पूरी की गई। यह कार्रवाई नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस डिस्पोजल कमेटी की मंजूरी और कोर्ट के कड़े आदेशों के बाद अमल में लाई गई है। नष्ट की गई खेप में मुख्य रूप से 46 किलोग्राम चरस सहित भारी मात्रा में अफीम, गांजा और अन्य प्रतिबंधित नशीली सामग्रियां शामिल थीं। इन सभी मादक पदार्थों को कुल्लू और मनाली पुलिस थानों के अंतर्गत अलग-अलग समय पर नशा तस्करों से जब्त किया गया था। पुलिस अधीक्षक कुल्लू मदन लाल कौशल की अध्यक्षता में गठित विशेष कमेटी की देखरेख में इस पूरी कानूनी प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से निपटाया गया। वहीं, लाहौल-स्पीति एसपी शिवानी मैहला ने बताया कि लाहौल-स्पीति जिले के 3 मामले थे जिनमें 164 ग्राम चरस थी जिसे कुल्लू पुलिस के साथ मिलकर नष्ट किया है।

पनारसा-घराट नाला मार्ग 16 जुलाई तक रहेगा बंद

अनंत ज्ञान भुंतर। पनारसा से घराट नाला (दलाशनी रोड) से हुरला थरास रोड वाहनों की आवाजाही अस्थायी रूप से बजौरा-भुंतर-कुल्लू मार्ग से होकर गुजरेगी। पनारसा से घराट नाला (दलाशनी रोड) से हुरला-थरास रोड पर वाहनों की आवाजाही को अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। यह प्रतिबंध 25 जून से लेकर 16 जुलाई तक लागू रहेगा। जिला दंडाधिकारी कुल्लू अश्वनी कुमार द्वारा जारी आदेश के अनुसार, पनारसा में 68 मीटर लंबे स्टील ट्रस ब्रिज का निर्माण कार्य चल रहा है। इस काम में भारी लिफ्टिंग मशीनों का उपयोग और पुल की लॉन्चिंग जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं, जो सीधे सड़क के ऊपर होने हैं। इसी वजह से आम जनता और वहां काम कर रहे मजदूरों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह आदेश जारी किए गए हैं। इस दौरान इस मार्ग से गुजरने वाले सभी वाहनों की आवाजाही बजौरा-भुंतर-कुल्लू मार्ग से होकर गुजरेगी। अतिरिक्त जिला दंडाधिकारी अश्वनी कुमार ने मोटर वाहन अधिनियम के तहत यह आदेश जारी करते हुए लोक निर्माण विभाग को जगह-जगह पर सूचना बोर्ड लगाने और पुलिस प्रशासन को यातायात व्यवस्था संभालने के निर्देश दिए हैं ताकि जनता को ज्यादा परेशानी न हो।

केलांग में गूंजा नीट पेपर लीक मुद्दा कांग्रेस ने रैली निकालकर की नारेबाजी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, केलांग। जिला मुख्यालय केलांग में जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से एक विशाल जनजागरण रैली और आक्रोश प्रदर्शन का आयोजन किया गया। यह प्रदर्शन केंद्र सरकार की शिक्षा नीतियों तथा बार-बार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों के विरोध में किया गया।

रैली का नेतृत्व अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव एवं हिमाचल प्रदेश के सह-प्रभारी विदित चौधरी ने किया। रैली में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल हुए, जिन्होंने केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने केलांग बाजार में जनजागरण अभियान भी चलाया और आम लोगों को छात्रों से जुड़े कथित अनियमितताओं और परीक्षा प्रणाली में गड़बड़ियों के प्रति

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की उठाई मांग। अनंत ज्ञान

जागरूक किया। मुख्य अतिथि विदित चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि नीट जैसी राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में सामने आए पेपर लीक मामलों ने देशभर के लाखों विद्यार्थियों के भविष्य पर गंभीर असर डाला है। उन्होंने दावा किया कि ऐसी घटनाओं से छात्र मानसिक दबाव में आकर निराशा का शिकार हो रहे हैं, जो अत्यंत चिंताजनक स्थिति है। उन्होंने यह भी कहा कि विभिन्न राज्यों में परीक्षा अनियमितताओं की घटनाओं ने शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। चौधरी ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछले वर्षों में कई प्रतियोगी परीक्षाओं में अनियमितताओं और पेपर लीक की घटनाएं सामने आई हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। इस अवसर पर लाहुल-स्पीति के प्रभारी प्रकाश चौधरी, सह-प्रभारी हरी चंद शर्मा, जिला कांग्रेस अध्यक्ष दोरजे लारजे, वरिष्ठ नेता अनिल सहगल सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, युवा कांग्रेस कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

सिनवी स्कूल में एसएमसी गठित, भाग चंद बने अध्यक्ष

सिनवी स्कूल प्रबंधन समिति की नई कार्यकारिणी। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

आनी। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला सिनवी में वीरवार को स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) की नई कार्यकारिणी का गठन उपप्रधानाचार्य गोविंद शर्मा की अध्यक्षता में किया गया।

बैठक में भाग चंद को दूसरी बार अध्यक्ष तथा घनश्याम को उपाध्यक्ष चुना गया।

समिति में गोकुल चंद, लोभू राम, गंगा देवी, मीरा देवी, गुड़ी देवी, सरसा देवी, सोमना देवी, मैना देवी, हीमा देवी, गोविंद शर्मा और गौरव भारती को सदस्य बनाया गया। वहीं, पोखरी पंचायत के उपप्रधान आशीष शर्मा और वार्ड सदस्य दीपा देवी को भी समिति में शामिल किया गया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष भाग चंद ने विद्यालय के विकास के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया। उपप्रधानाचार्य गोविंद शर्मा ने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए विद्यार्थियों के हित में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा जताई। बैठक में विद्यालय के सभी अध्यापक उपस्थित रहे।

शूलिनी विवि में डायरेक्ट सेलिंग के भविष्य को आकार देने के लिए नेशनल कॉन्क्लेव आयोजित

अनंत ज्ञान

सोलन । शूलिनी यूनिवर्सिटी में 'सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फ़ॉर डायरेक्ट सेलिंग इन एकेडमिक्स' ने 5वें सालानासी इडीएसए डायरेक्ट सेलिंग कॉन्क्लेव का आयोजन किया। इसमें देश भर से इंडस्ट्री लीडर्स, पॉलिसी बनाने वाले, शिक्षाविद, कानूनी विशेषज्ञ और उद्यमी शामिल हुए ताकि भारत में डायरेक्ट सेलिंग के भविष्य पर चर्चा की जा सके। दो दिनों तक चले इस कॉन्क्लेव का मुख्य विषय था – 'डायरेक्ट सेलिंग 2030: एक सम्मानजनक, भरोसेमंद और मुनाफ़े वाला उद्यमी पेशा बनाना।' यह कॉन्क्लेव विचारों के आदान–प्रदान और डायरेक्ट सेलिंग सेक्टर में प्रोफेशनलिज़्म, नैतिकता, इनोवेशन, नियमों का पालन और उद्यमिता को मज़बूत करने के तरीकों पर चर्चा करने का एक मंच बना। कार्यक्रम की शुरुआत शूलिनी यूनिवर्सिटी के चांसलर प्रो. पी. के. खोसला, वाइस चांसलर प्रो. अतुल खोसला, प्रो–चांसलर प्रो. विशाल आनंद और इनोवेशन एंड टेक्नोलॉजी के प्रेसिडेंट प्रो. आशीष खोसला की मौजूदगी में दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। इस दौरान देश भर से आए प्रतिनिधि भी मौजूद थे। इस मौके पर शूलिनी यूनिवर्सिटी के प्रो–चांसलर प्रो. विशाल आनंद ने कहा कि किसी भी सफल बिज़नेस में काम को अंजाम देना (एक्ज़ीक्यूशन) और रिश्ते बनाना सबसे बड़ी ताकत होती है। प्रो. विशाल ने आगे कहा कि सिर्फ़ विचारों से सफलता नहीं मिलती। काम को सही ढंग से करने और मज़बूत व्यक्तिगत रिश्तों से ही फर्क पड़ता है। हर इंडस्ट्री तेज़ी से बदल रही है, और जो संगठन खुद को नहीं बदल पाते, उन्हें आगे बढ़ने में मुश्किल होती है। लंबे समय तक सफलता पाने के लिए लगातार सीखते रहना और बदलाव को अपनाने के लिए तैयार रहना जरूरी है।

कार्यक्रम को संबोधित करते यूनिवर्सिटी के प्रो–चांसलर प्रो. विशाल आनंद। अनंत ज्ञान

राष्ट्रीय स्तरीय मां शूलिनी मेले का विधिवत शुभारंभ

अनंत ज्ञान

आर. मोहन चौहान, सोलन। सोलन की अधिष्ठात्री देवी माँ शूलिनी के प्रति आस्था, श्रद्धा और परंपरा का प्रतीक तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तरीय माँ शूलिनी मेले का शुक्रवार को धार्मिक उल्लास और भव्यता के साथ शुभारंभ हुआ। मेले के पहले दिन शहर भक्तिमय माहौल में रंगा नजर आया। पारंपरिक वेशभूषा में सजे–धजे श्रद्धालुओं ने माँ शूलिनी मंदिर में पूजा–अर्चना कर मंगलमयी शोभायात्रा में भाग लिया। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री डॉ. कर्नल धनी राम शांडिल ने प्रदेश एवं जिला वासियों की ओर से पुरानी कचहरी से माँ शूलिनी की सुसज्जित पालकी की अगुवाई की। उन्होंने माँ के दरबार में शीश नवाकर प्रदेश की सुख–समृद्धि और खुशहाली की कामना की तथा पूरे श्रद्धाभाव के साथ शोभायात्रा में शामिल हुए। बघाट बैंक के समीप मंत्री ने माँ की पवित्र पालकी पर पुष्प वर्षा कर श्रद्धालुओं का अभिवादन किया। शोभायात्रा के दौरान शहर के विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए भंडारों का आयोजन किया गया, जहां हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। तीन दिनों तक चलने वाले इस ऐतिहासिक मेले के दौरान पूरा सोलन शहर भक्ति और उत्सव के रंग में सराबोर रहेगा। धार्मिक आस्था के साथ–साथ यह मेला अपने ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक महत्व के लिए भी विशेष पहचान रखता है। इससे पूर्व प्रात:काल वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच हवन एवं विधिवत पूजा–अर्चना के साथ मेले का शुभारंभ किया गया। डॉ. शांडिल ने पुरानी कचरी में माता की पालकी का स्वागत किया। इसके बाद माता की डोली शहर की परिक्रमा को निकली। इस दौरान हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने शीश नावाया। मेले के साथ ही विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का भी आगाज हुआ। स्वास्थ्य मंत्री ने वॉलीबॉल प्रतियोगिता के खिलाड़ियों से मुलाकात कर उनका उत्साहवर्धन किया तथा आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं।

माता की पालकी के दर्शन को उमड़ा जनसैलाब अनंत ज्ञान

माटल बखोग में राज्य सहकारी बैंक ने लगाया जागरूकता शिविर आयोजित

अनंत ज्ञान, राजगढ़ । हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक शाखा कार्यालय यशवंत नगर द्वारा 'एफ–1 योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु एक माह के संतृप्ति अभियान' के अंतर्गत ग्राम पंचायत माटल बखोग में एक विशेष वित्तीय साक्षरता एवं जनजागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बैंक के कर्मचारी हनीश शर्मा, अधीनस्थ कर्मचारी मस्त राम उपस्थित सहित स्वयं सहायता समूहों के सदस्य एवं स्थानीय ग्रामीण भी उपस्थित रहे। शिविर के दौरान प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना जैसी सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत नामांकन हेतु लोगों को जागरूक किया गया तथा कुछ लाभार्थियों का इन योजनाओं के अंतर्गत नामांकन भी किया गया। इसके साथ ही निष्क्रिय प्रधानमंत्री जन धन खातों को सक्रिय करने, लंबित खातों की CKYC तैयार करने, बचत खातों में केवाईसी एवं नामांकन अद्यतन करने, पीएमजेडीवाई एवं अन्य बचत खातों की पुन: केवाईसी करने तथा वंचित वयस्कों के नए प्रधानमंत्री जन धन खाते खोलने संबंधी जानकारी दी।

न्यूज ब्रीफ

किसान जल्द करवाएं किसान पंजीकरण, मिलेगा सरकारी योजनाओं का लाभ : कृषि विभाग

अनंत ज्ञान, नाहन। कृषि विभाग सिरमौर ने जिले के सभी किसानों से अपील की है कि वे शीघ्र अपना किसान पंजीकरण (Farmer Registry) करवाएं, ताकि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित कृषि योजनाओं का लाभ समय पर प्राप्त कर सकें। उप निदेशक कृषि साहिब सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि भारत सरकार की एग्रीस्टैक योजना के अंतर्गत प्रदेश में किसान पंजीकरण का कार्य संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि किसानों का पंजीकरण होना अब आवश्यक है, जिससे किसानों की मूल जानकारी सरकार के पास उपलब्ध हो सके तथा विभिन्न कृषि योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जा सके। उन्होंने बताया कि भारत सरकार और हिमाचल प्रदेश सरकार की कृषि संबंधी योजनाओं का लाभ केवल पंजीकृत किसान ही प्राप्त कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना (PM-KISAN) का लाभ भी उन्हीं किसानों को मिलेगा जिनका किसान रजिस्ट्री में पंजीकरण हुआ होगा। साथ ही डिजिटल फसल सर्वेक्षण (DCS) के सफल क्रियान्वयन के लिए भी किसान पंजीकरण आवश्यक है, जिससे किसानों एवं उनकी फसलों का सही विवरण दर्ज किया जा सके। उन्होंने बताया कि किसान अपने नजदीकी लोक मित्र केंद्र (CSC) में जाकर निःशुल्क पंजीकरण करवा सकते हैं। पंजीकरण के लिए किसान अपने साथ आधार कार्ड, आधार से लिंक मोबाइल नंबर तथा भूमि अभिलेख (खसरा नंबर) अवश्य लेकर जाएं। उन्होंने कहा कि जो किसान मोबाइल फोन अथवा कंप्यूटर का उपयोग करना जानते हैं, वे स्वयं भी ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। कृषि विभाग ने किसानों से आग्रह किया है कि वे जल्द से जल्द अपना किसान पंजीकरण सुनिश्चित करें, ताकि भविष्य में किसी भी सरकारी कृषि योजना के लाभ से वंचित न रहें। उन्होंने बताया कि अधिक जानकारी के लिए किसान कृषि विभाग के अधिकारियों, एसएमएस, एडीओ, एईओ तथा आत्मा परियोजना के बीटीएम एवं एटीएम से संपर्क कर सकते हैं।

व्यापारियों को दी जीएसटी के बारे में जानकारी

अनंत ज्ञान, राजगढ़ । राज्य कर एवं आबकारी विभाग (वस्तु एवं सेवा कर), हिमाचल प्रदेश द्वारा वीरवार को राजगढ़ में जीएसटी जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सहायक आयुक्त, राज्य कर एवं आबकारी विभाग, सिरमौर, अभिनाश चौहान ने कहा कि विभाग का उद्देश्य केवल कर संग्रह करना नहीं, बल्कि व्यापारियों को नियमों की सही जानकारी देकर उन्हें जागरूक बनाना भी है। उन्होंने कहा कि सरकार समय-समय पर जीएसटी प्रणाली में आवश्यक सुधार कर रही है, इसलिए प्रत्येक व्यापारी को इन बदलावों की जानकारी रखना आवश्यक है। उन्होंने सभी कारोबारियों से कर संबंधी सभी प्रक्रियाओं को समय पर पूरा करने और डिजिटल माध्यमों का अधिकाधिक उपयोग करने का आग्रह किया। शिविर का उद्देश्य क्षेत्र के व्यापारियों एवं कारोबारियों को जीएसटी से जुड़े नवीनतम नियमों, संशोधनों तथा कर प्रणाली में किए गए बदलावों की जानकारी देकर उन्हें जागरूक बनाना था। कार्यक्रम में राजगढ़ क्षेत्र के बड़ी संख्या में व्यापारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभागीय अधिकारियों से विभिन्न विषयों पर जानकारी प्राप्त की।शिविर के दौरान विभाग के अधिकारियों ने वस्तु एवं सेवा कर अधिनियम में समय-समय पर किए जा रहे संशोधनों की विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि कर व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, सरल एवं डिजिटल बनाने के लिए सरकार लगातार नए प्रावधान लागू कर रही है। उन्होंने कारोबारियों से अपील की कि वे सभी कर संबंधी नियमों का समय पर पालन करें तथा अपनी जीएसटी रिटर्न निर्धारित समय सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से दाखिल करें, ताकि किसी भी प्रकार के आर्थिक दंड अथवा कानूनी कार्रवाई से बचा जा सके।

हेल्दी बेबी शो 28 जून को होगा आयोजित

अनंत ज्ञान, सोलन। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग सोलन द्वारा ऐतिहासिक ठोडो मैदान में राष्ट्रीय स्तरीय माँ शूलिनी मेला के अवसर पर 28 जून, 2026 को स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की प्रदर्शनी के समीप स्थित हाल में हेल्दी बेबी शो का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय पाठक ने दी। डॉ. अजय पाठक ने कहा कि हेल्दी बेबी शो प्रतियोगिता में 0 से 1 वर्ष तक, 03 वर्ष तक तथा 03 से 05 वर्ष तक के बच्चे (प्रतिरक्षण व टीकाकरण कार्ड सहित) भाग ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रतियोगिता में आयु के अनुसार पूर्ण प्रतिरक्षण (टीकाकरण), आयु के अनुसार वजन एवं लंबाई, आयु के अनुसार विकास, व्यक्तिगत स्वच्छता के अनुसार का मूल्यांकन किया जाएगा।

दवा विक्रेताओं को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रति जागरूक किया

अनंत ज्ञान

अर्की/ दाड़लाघाट। नागरिक चिकित्सालय अर्की स्थित औषधि नियंत्रण कार्यालय में अर्की और दाड़लाघाट क्षेत्र के दवा विक्रेताओं के लिए एक दिवसीय जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य दवा विक्रेताओं को नशीली दवाओं के दुरुपयोग (ड्रग एब्यूज) की रोकथाम, दवा बिक्री से जुड़े नियमों तथा नियंत्रित दवाओं के सुरक्षित वितरण के संबंध में जागरूक करना रहा। कार्यशाला में औषधि निरीक्षक अर्की राकेश कौशल विशेष रूप से मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि समाज में बढ़ रहे नशे के दुष्प्रभावों को रोकने में दवा विक्रेताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि दवा विक्रेता निर्धारित नियमों का पालन करते हुए दवाओं का वितरण करें तो नशीले पदार्थों के दुरुपयोग पर काफी हद तक अंकुश लगाया जा सकता है। उन्होंने दवा विक्रेताओं को एच–1 श्रेणी की दवाओं, नारकोटिक्स, नियंत्रित औषधियों तथा कुछ विशेष प्रकार के कफ सिरप की बिक्री से संबंधित नियमों की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि बिना चिकित्सकीय परामर्श अथवा वैध पर्ची के ऐसी दवाओं की बिक्री से बचना चाहिए तथा सभी आवश्यक रिकॉर्ड का सही तरीके से रखरखाव करना अनिवार्य है। राकेश कौशल ने बताया कि कुछ कफ सिरप और अन्य दवाओं का गलत उपयोग युवाओं द्वारा नशे के रूप में किए जाने की शिकायतें सामने आती रहती हैं। ऐसे में दवा विक्रेताओं को सतर्क रहते हुए केवल वास्तविक आवश्यकता वाले मरीजों को ही दवाएं उपलब्ध करवानी चाहिए। उन्होंने दवा विक्रेताओं को दवा भंडारण, बिक्री रजिस्टर, स्टॉक रिकॉर्ड तथा नियमानुसार दस्तावेजों के रखरखाव के बारे में भी जानकारी दी। इसके अतिरिक्त सिरिंज, इंसुलिन सिरिंज तथा अन्य आवश्यक चिकित्सकीय सामग्री की बिक्री के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों पर भी चर्चा की गई।

रीड़ा भारती अर्की टोली ने किया विशेष छबील का आयोजन

दाड़लाघाट। धार्मिक एवं सामाजिक परंपराओं का निर्वहन करते हुए क्रीड़ा भारती अर्की टोली द्वारा निर्जला एकादशी के पावन अवसर पर एक विशेष छबील का आयोजन मण्डल सचिव हेमराज की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान टोली के कार्यकर्ताओं ने अर्की के चमाकड़ी पुल बाजार और आसपास से गुजरने वाले राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को श्रद्धापूर्वक ठंडा व मीठा जल अर्पित किया। क्रीड़ा भारती के सदस्यों ने बताया कि संगठन जहाँ एक ओर खेल के माध्यम से युवाओं में राष्ट्रभाव और शारीरिक क्षमता का विकास कर रहा है, वहीं दूसरी ओर ऐसे धार्मिक और सामाजिक अवसरों पर सेवा कार्य करना भी टोली का मुख्य कर्तव्य है। एकादशी के दिन जल सेवा का विशेष महत्व है, इसी भावना के साथ इस छबील का आयोजन किया गया। इस मौके पर टोली के तमाम पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने नेरी कलां में 90.66 करोड़ रूपये की 12 विकास परियोजनाओं के लिए उद्घाटन व शिलान्यास

अनंत ज्ञान

सोलन। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने सोलन जिला के कसौली विधानसभा क्षेत्र के नेरी कलां में 90.66 करोड़ रुपये लागत की 12 विकासात्मक परियोजनाओं के उद्घाटन एवं शिलान्यास किए। मुख्यमंत्री ने 12.92 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित शालाघाट–अर्की–कुनिहार–बरोटीवाला मार्ग पर गम्बर खड्ड पर 45 मीटर स्पैन के डबल लेन आर्च पुल, 3.42 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित बीडीओ कार्यालय भवन धर्मपुर तथा पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रथा में 51 लाख रुपये की लागत से निर्मित विज्ञान भवन का उद्घाटन किया। उन्होंने दत्यार के समीप 20.83 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले कौशल्या बांध, 16.24 करोड़ रुपये की लागत से किम्मूघाट से चक्की का मोड़ सड़क के सुधार एवं सुदृढ़ीकरण, 6.33 करोड़ रुपये की लागत से जंगेशू से औडा वाया भनेट सड़क, 7.03 करोड़ रुपये की लागत से ग्रोणी से सरी सड़क वाया बोहरों के उन्नयन, 3.77 करोड़ रुपये की लागत से सुबाथू से ग्राम चपला, ग्राम पंचायत शडयाना सड़क पर शहीद सुदेश मार्ग की मेटलिंग एवं तारकोल बिछाने, 3.48 करोड़ रुपये की लागत से रेहला से मठान वाया शार्ड संपर्क मार्ग, 8.06 करोड़ रुपये की लागत से देवठी–बराह कून सड़क के सुधार एवं सुदृढ़ीकरण, 5 करोड़ रुपये की लागत से धर्मपुर–कसौली सड़क के उन्नयन तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना–प्ट के अंतर्गत 3.08 करोड़ रुपये की लागत से नागली से चेवा सड़क के निर्माण/उन्नयन कार्यों के शिलान्यास किए।

विकास कार्यो का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री। अनंत ज्ञान

डीएवी स्कूल राजगढ़ में स्कूल कैबिनेट का गठन हेड बॉय उत्सव कौशल व हेड गर्ल बनी आरुषि गिल

अनंत ज्ञान

राजगढ़। डीएवी शताब्दी महात्मा आनंद स्वामी पब्लिक स्कूल, राजगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2026–27 के लिए निवेश समारोह का आयोजन बड़े उत्साह, गरिमा एवं अनुशासन के साथ किया गया। स्कूल अध्यापक मनीष सागर ने मीडिया को जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया की इस समारोह का शुभारंभ नव–निर्वाचित छात्र परिषद के आकर्षक मार्च–पास्ट तथा मधुर स्वागत गीत से हुआ। इस अवसर पर उपमंडलाधिकारी (एसडीएम) राज कुमार ठाकुर मुख्य अतिथि तथा डीएवी राजगढ़ की पूर्व प्रधानाचार्या रीना मल्होत्रा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। समारोह के दौरान विद्यालय के हेड बॉय उत्सव कौशल, हेड गर्ल आरुषि गिल, स्कूल प्रीफेक्ट (बॉय) आरव, स्कूल प्रीफेक्ट (गर्ल) आराध्या, स्पोर्ट्स कैप्टन लक्ष्य, स्पोर्ट्स कैप्टन स्वास्तिका सहित हाउस कैप्टन, वाइस कैप्टन, प्रीफेक्ट्स एवं अन्य छात्र पदाधिकारियों को बैज एवं सैश पहनाकर सम्मानित किया गया। सभी छात्र नेताओं ने अपने पद एवं कर्तव्यों का निष्ठा, ईमानदारी, अनुशासन और समर्पण के साथ निर्वहन करने की शपथ ली।इस अवसर पर मुख्य अतिथि राज कुमार ठाकुर ने विद्यालय में बिताए अपने छात्र जीवन की मधुर स्मृतियों को साझा किया। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने, अपने कर्तव्यों एवं उत्तरदायित्वों को समझने तथा एक जागरूक, अनुशासित एवं जिम्मेदार नागरिक बनकर राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। विशिष्ट अतिथि रीना मल्होत्रा ने भी अपने कार्यकाल की यादों को साझा करते हुए विद्यालय परिवार के प्रति अपनी आत्मीयता व्यक्त की। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने नव–निर्वाचित छात्र परिषद को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 'नेतृत्व केवल पद या अधिकार का नाम नहीं, बल्कि सेवा, अनुशासन, उत्तरदायित्व और दूसरों को प्रेरित करने की क्षमता का प्रतीक है। इस अवसर ने विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, उत्तरदायित्व, अनुशासन, टीम भावना एवं सेवा भाव को सुदृढ़ करने की दिशा में एक प्रेरणादायक एवं यादगार शुरुआत की।

कार्यक्रम के दौरान स्कूल कैबिनेट के साथ मुख्य अतिथि । अनंत ज्ञान

सनियो दीदग में स्कूल प्रबंधन समिति का गठन, संजीव ठाकुर बने अध्यक्ष

अनंत ज्ञान

राजगढ़ । राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सनियो दीदग में स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) का गठन सौहार्दपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। समिति के गठन के दौरान गांव के लोगों ने आपसी एकता, भाईचारे और समझदारी का परिचय देते हुए सर्वसम्मति से अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के नाम पहले ही तय कर दिए, जिससे बैठक शांतिपूर्ण एवं सफलतापूर्वक संपन्न हुई ।समिति के अध्यक्ष पद के लिए संजीव ठाकुर (दीदग गांव) तथा उपाध्यक्ष पद के लिए कपिल मोहन ठाकुर (जेलग) का सर्वसम्मति से चयन किया गया। इस अवसर पर स्थानीय पंचायत के प्रधान वेदप्रकाश ठाकुर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे ।बैठक में निर्णय लिया गया कि प्राथमिक एवं वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के लिए एक ही स्कूल प्रबंधन समिति कार्य करेगी। इसके तहत कुल 20 सदस्यों की कार्यकारिणी का गठन किया गया। उपस्थित लोगों ने विद्यालय के सर्वांगीण विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तथा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया। ग्रामीणों ने कहा कि विद्यालय की प्रगति में समुदाय की सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है और भविष्य में भी हर संभव सहयोग विद्यालय को दिया जाएगा। विद्यालय प्रबंधन ने गांव के लोगों द्वारा दिखाई गई एकजुटता और शिक्षा के प्रति सकारात्मक सोच की सराहना करते हुए इसे अन्य क्षेत्रों के लिए भी प्रेरणादायक बताया ।अंत में सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं समिति के सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की गई ।

भंडारे राज्य स्तरीय शूलिनी मेले में धार्मिक सद्भाव और सेवा भावना की अनूठी मिसाल

मां शूलिनी की नगरी बनी अन्नपूर्णा तीन दिनों तक शहरभर में सजे भंडारे

अनंत ज्ञान

आर मोहन चौहान, सोलन। राष्ट्रीय स्तरीय मां शूलिनी मेले के अवसर पर सोलन नगरी इन दिनों अन्नपूर्णा का स्वरूप धारण किए हुए है। मेले के तीनों दिनों तक शहर के विभिन्न क्षेत्रों, बाजारों, गलियों और प्रमुख चौकों में 24 घंटे भंडारों का आयोजन किया जा रहा है, जहां हजारों श्रद्धालु और पर्यटक माता का प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। मेले के उपलक्ष्य पर शहरभर में अनेक संस्थाओं ने भंडारे लगाए हैं। इसी क्रम में सिरमौर कल्याण मंच ने भी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित कर सेवा कार्य में अपनी भागीदारी निभाई। मां शूलिनी मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सेवा, सद्भाव और भाईचारे का ऐसा उत्सव है, जो समाज को एकता और मानवता का संदेश देता है। मेले के दौरान शहर में आने वाले लोगों को भोजन और पेयजल की कोई कमी महसूस नहीं होती। स्थानीय सामाजिक, धार्मिक और व्यापारिक संस्थाओं के साथ–साथ विभिन्न संगठनों द्वारा श्रद्धालुओं की सेवा के लिए भंडारे लगाए गए हैं। मान्यता है कि 'मां शूलिनी के दरबार में आने वाला कोई भी श्रद्धालु भूखा नहीं लौटता। शूलिनी मेले की सबसे बड़ी विशेषता इसकी धार्मिक और सामाजिक समरसता है। हिंदू, मुस्लिम, सिख सहित सभी धर्मों और समुदायों के लोग पूरे उत्साह के साथ मेले में भाग लेते हैं। मेले की शोभायात्रा से लेकर भंडारों तक हर जगह आपसी भाईचारे और सौहार्द की भावना देखने को मिलती है। भंडारों में श्रद्धालु अनुशासित ढंग से कतारों में खड़े होकर प्रसाद ग्रहण करते हैं। यह दृश्य केवल धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सेवा भावना का भी प्रतीक बनता है।

शिरगुल महाराज की पवित्र जातर कल शाया से चूड़धार के लिए होगी रवाना

अनंत ज्ञान, राजगढ़ । श्री शिरगुल देवता की पवित्र जातर इस वर्ष 27 जून को उनकी जन्मस्थली शाया से चूड़धार स्थित पवित्र स्नान के लिए रवाना होगी। इस संबंध में नो ताबीन के मुखिया निवेश ठाकुर ने जानकारी देते हुए बताया कि जातर का पहला पड़ाव बांगा पानी में होगा, जहां श्रद्धालु रात्रि विश्राम करेंगे। रात्रि के समय विधि–विधान से देव पूजन संपन्न किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 28 जून की सुबह जातर चूड़धार के लिए प्रस्थान करेगी। पाछले मोड़ पहुंचने के बाद श्रद्धालु चूड़धार की ओर रवाना होंगे, जहां भगवान शिरगुल महाराज का पवित्र स्नान संपन्न होगा। स्नान के उपरांत जातर वापसी करेगी तथा रात्रि विश्राम पाछले मोड़ में किया जाएगा। इसके बाद 29 जून को जातर जन्मस्थली शाया पहुंचेगी। निवेश ठाकुर ने सभी ताबीनों से अपील की है कि जिनकी जो काराभारी जिम्मेदारी है, वे देव परंपराओं एवं अपने दायित्वों का पूरी श्रद्धा और निष्ठा के साथ निर्वहन करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि जातर के दौरान किसी भी प्रकार के नशीले पदार्थ का सेवन करना अथवा साथ लेकर चलना पूर्णत: वर्जित है।

न्यूज ब्रीफ

आंगनबाड़ी वर्कर एवं हेल्पर के लिए करें आवेदन

अनंत ज्ञान, अंब/ऊना। बाल विकास परियोजना अंब के अंतर्गत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के कुल 17 रिक्त पदों को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी 10 जुलाई सायं 5 बजे तक अपने आवेदन सादे कागज पर भरकर बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) कार्यालय अंब में जमा कर सकते हैं। सीडीपीओ अंब कुलदीप कुमार ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के तीन पद भरे जाएंगे। इनमें आंगनबाड़ी केंद्र वधमाण-दो, जवाल-एक और बढ़ाऊ-एक में एक-एक कार्यकर्ता की नियुक्ति की जाएगी। इसके अलावा आंगनबाड़ी सहायिकाओं के 14 पदों के लिए भी भर्ती होगी। ये पद कोटली, सिद्ध चलेहड़, पिंजौर-दो, बेहड़, वधमाणा-दो, लडियाल चूक, कटौहड़ कलां-दो, बीजापुर, बाजीगर मुहल्ला, टकोली, शिवपुर, हीरानगर-दो, दियाड़ा-दो और बेहड़ी आंगनबाड़ी केंद्रों में भरे जाएंगे। उन्होंने बताया कि सभी पात्र अभ्यर्थियों के साक्षात्कार 15 जुलाई को सुबह 10 बजे बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय अंब में आयोजित किए जाएंगे। इच्छुक उम्मीदवार निर्धारित तिथि तक आवेदन जमा कर भर्ती प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं।

पिपलू मेले में दिखा अव्यवस्था का आलमः कंवर

अनंत ज्ञान, बंगाणा। कुटलैहड़ के जिला स्तरीय तीन दिवसीय पिपलू मेले पर पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर ने मेले के आयोजन को लेकर प्रदेश सरकार, स्थानीय विधायक और प्रशासन पर कई गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इस बार पिपलू मेले में अनेक अव्यवस्थाएं देखने को मिलीं, जिस से दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि इतना प्रसिद्ध धार्मिक एवं सांस्कृतिक मेला होने के बावजूद व्यवस्थाओं को लेकर गंभीरता नहीं दिखाई गई, जो बेहद चिंताजनक है। वीरेंद्र कंवर ने कहा कि वर्ष 2022 में भाजपा सरकार के कार्यकाल के दौरान उन्होंने पिपलू मेले के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की थीं। इनमें सबसे प्रमुख घोषणा पिपलू में एक आधुनिक ऑडिटोरियम के निर्माण की थी, ताकि मेले के दौरान होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए स्थायी और बेहतर व्यवस्था उपलब्ध हो सके। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के लिए धनराशि भी उपलब्ध करवा दी गई थी, लेकिन छह महीने बाद प्रदेश में सत्ता परिवर्तन होने के बाद इस दिशा में कोई कार्य नहीं हुआ और योजना पूरी तरह ठंडे बस्ते में चली गई। उनका आरोप था कि वर्तमान सरकार स्थानीय जनप्रतिनिधि ने मेले के विकास की बजाय केवल राजनीतिक लाभ लेने का प्रयास किया है, जबकि श्रद्धालुओं और क्षेत्र की जनता की सुविधाओं पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया गया।

जसाना में समाजसेवियों ने लगाई छबील

अनंत ज्ञान, बंगाणा। जिला स्तरीय तीन दिवसीय पीपलू मेले के उपलक्ष्य पर जसाना में समाजसेवी राजेंद्र रिंकू, प्रकाश धीमान तथा उनके साथियों द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए ठंडे एवं मीठे पानी की छबील लगाई गई। इस सेवा कार्य के दौरान मेले में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं, राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय लोगों को पूरे दिन ठंडा पानी पिलाकर उनकी प्यास बुझाई गई। समाजसेवियों की इस पहल की लोगों ने जमकर सराहना की। पीपलू मेले के चलते क्षेत्र की सड़कों पर वाहनों की आवाजाही सामान्य दिनों की तुलना में काफी अधिक रही। बड़ी संख्या में श्रद्धालु, पर्यटक और अन्य लोग विभिन्न वाहनों से मेले में पहुंच रहे थे। तेज धूप और उमस भरे मौसम के बीच छबील राहगीरों के लिए बड़ी राहत साबित हुई। जैसे ही लोग जसाना पहुंचे, उन्होंने रुककर ठंडा पानी पिया और समाजसेवियों का धन्यवाद किया।

यातायात नियम तार-तार, एक बाइक पर चार-चार सवार

घनारी और आसपास के क्षेत्रों में युवा सरेआम उड़ा रहे ट्रैफिक रूल्स की धज्जियां

अनंत ज्ञान

ट्रैफिक नियमों की परवाह किए बगैर दो पहिया वाहन पर सवार चार युवक।

घनारी। न ट्रैफिक नियमों की परवाह, न ही तीसरी आंख का खौफ, दो पहिया वाहनों पर कई लोग हो रहे सवार। गगरेट विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत घनारी और आसपास के क्षेत्रों में ट्रैफिक नियमों की जिस तरह खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं, वह बेहद गंभीर चिंता का विषय है।

ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ लोगों के लिए न ट्रैफिक नियमो की परवाह न कानून का कोई डर रह गया है। सड़कें मानों सरेआम बेलगाम चालकों की मनमानी का अड्डा बनती जा रही हैं, जबकि आम नागरिक अपनी सुरक्षा को लेकर असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। एक बाइक पर चार-चार लोगों का बैठकर सफर करना, बिना हेलमेट तेज रफ्तार से वाहन चलाना, बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस और नाबालिगों द्वारा वाहन चलाना, ये सब केवल नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन को भी खतरे में डालने वाली गंभीर लापरवाहियां हैं। यदि ऐसे दृश्य लगातार दिखाई दे रहे हैं, तो यह व्यवस्था के लिए भी एक चुनौती है कि कानून का पालन प्रभावी ढंग से सुनिश्चित किया जाए।

हाल ही में तहसील घनारी में एक बाइक पर चार प्रवासी नाबालिगों का बेखौफ घूमना सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यदि सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह नियमों की अनदेखी होती रहे और रोकथाम प्रभावी न हो, तो स्वाभाविक रूप से लोगों के मन में व्यवस्था की सक्रियता को लेकर प्रश्न उठते हैं।

क्षेत्र में बिना साइलेंसर वाली बाइकें, तेज आवाज वाले मॉडिफाइड वाहन, प्रेशर हॉर्न और तेज रफ्तार में वाहन चलाना आम लोगों के लिए परेशानी और दुर्घटना का कारण बन रहा है। सार्वजनिक सड़कें किसी की निजी रेसिंग ट्रैक नहीं हैं। हाल ही में तेज रफ्तार बाइक की टक्कर से एक स्कूटी सवार की मौत ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया था। ऐसी घटनाएं याद दिलाती हैं कि सड़क पर एक पल की लापरवाही किसी परिवार के लिए आजीवन दुख का कारण बन सकती है।

नियम तोड़ने वालों पर हो कड़ी कार्रवाई

अब केवल औपचारिक कार्रवाई पर्याप्त नहीं है। आवश्यकता है कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध निरंतर और निष्पक्ष अभियान चलाए जाएं। प्रबुद्धजनों ने नाबालिग चालकों, बिना लाइसेंस वाहन चलाने वालों, ओवरलोडिंग, बिना हेलमेट और खतरनाक ड्राइविंग करने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई हो। साथ ही, जहां कानूनी रूप से लागू हो, वहां वाहन मालिकों और अभिभावकों की जिम्मेदारी भी तय की जाए। सड़क सुरक्षा कोई औपचारिकता नहीं, बल्कि हर नागरिक के जीवन से जुड़ा विषय है। यदि नियमों का पालन सुनिश्चित नहीं किया गया, तो दुर्घटनाओं का जोखिम बना रहेगा। इसलिए समय रहते प्रभावी और सतत कार्रवाई आवश्यक है।

पिपलू मेले में हजारों श्रद्धालुओं ने श्री नरसिंह नारायण का लिया आशीर्वाद

समापन समारोह में राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष रहे मुख्यातिथि

अनंत ज्ञान

पिपलू मेले में नाचते-गाते कुलदीप कुमार, विवेक शर्मा व अन्य।

बंगाणा (ऊना)। जिला स्तरीय ऐतिहासिक पिपलू मेला शुक्रवार को संपन्न हो गया। मेले में ऊना सहित विभिन्न जिलों तथा पड़ोसी राज्यों से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान श्री नरसिंह नारायण के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मेले के दौरान आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम, विकास प्रदर्शनी, खेलकूद प्रतियोगिताएं तथा अन्य आयोजन लोगों के आकर्षण का केंद्र रहे। तीन दिनों तक मेले में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिली।

समापन समारोह में हिमाचल प्रदेश राज्य अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री कुलदीप कुमार ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। आयोग के सदस्य विजय डोगरा भी उनके साथ रहे। इस अवसर पर कुटलैहड़ के विधायक विवेक शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

कुलदीप कुमार ने कहा कि पिपलू जैसे ऐतिहासिक मेले हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और लोक परंपराओं के संवाहक हैं। ऐसे आयोजन समाज में भाईचारे, सामाजिक समरसता व जनभागीदारी की भावना को मजबूत करते हैं। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार आत्मनिर्भर हिमाचल के निर्माण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। सरकार समाज के अंतिम व्यक्ति तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा अनाथ एवं निराश्रित बच्चों के लिए शुरू की गई मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना सहित अनेक जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि ये योजनाएं संवेदनशील और जनहितैषी शासन की मिसाल हैं। उन्होंने ऊना में राज्य अनुसूचित जाति आयोग का कार्यालय स्थापित करने के लिए मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे जिला सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सुविधा मिली है। वहीं, विधायक विवेक शर्मा ने कहा कि पिपलू मेला क्षेत्र की आस्था, संस्कृति और लोक परंपराओं का महत्वपूर्ण केंद्र है। मेले को अधिक भव्य और व्यवस्थित स्वरूप देने के प्रयास किए गए हैं तथा आने वाले वर्षों में इसका आयोजन और अधिक व्यापक स्तर पर किया जाएगा। अंतिम दिन सायंकाल बंगाणा के भलेत में कुटलैहड़ महोत्सव के अंतर्गत सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया है।

जोड़बड़-दौलतपुर वाया बेहड़ भटेड़ सड़क की हालत खराब

अनंत ज्ञान

जगह-जगह पर क्षतिग्रस्त हुई सड़क।

घनारी। जहां सरकार सड़कों की दशा सुधारने को लेकर समय समय पर विभाग को दिशा निर्देश देती है ताकि लोगों को सुरक्षित सफर मिल सके लेकिन आम जनमानस को होने वाली असुविधा को लेकर विभाग भी ध्यान नहीं देता। क्षेत्र के दौलतपुर चौक से बेहड़ भटेड़ जोड़बड़ जाने वाली सड़क की दशा कई स्थानों पर सन्तोषजनक नही है जिससे वाहनों को असुविधा होती है साथ ही सफर असुरक्षित बनता है। बता दें कि यह सड़क कई जगहों पर क्षतिग्रस्त है कहीं बजरी उखड़ने के कारण खड्डु सी नजर आती है तो कहीं गंदा पानी बीच सड़क रहने की समस्या सुर्खियों में रही वहीं बरसात के बाद हुए नुकसान से इसकी मरम्मत करने को लेकर ध्यान नहीं दिया गया। बता दें यह सड़क गगरेट क्षेत्र को चिंतपूर्णी क्षेत्र के साथसाथ जिला कांगड़ा के गांवो से जोड़ती है।

लोगों ने विभाग से की सड़क की मरम्मत करने की अपील

इस बारे जब इस सड़क से आने जाने वाले लोगों से बात की गई तो इस बारे रमन, राकेश ने कहा कि यह सड़क ग्रामीण क्षेत्रों से जोड़ती है तथा विभाग को इसके सुधार की ओर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस सड़क के कई भाग अरसे से क्षतिग्रस्त है जिनके कारण दोपहिया वाहनों के दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका बनी रहती है, वहीं बड़े वाहनों को क्षति पहुंचती है, लेकिन विभाग को इसके सुधार की तरफ ध्यान देना चाहिए।

एआई आधारित जांच प्रणाली से चिट्टे पर सख्त शिकंजा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। प्रदेश में नशे के खिलाफ चल रहे अभियान को अब आधुनिक तकनीक का मजबूत सहारा मिलने जा रहा है। बिलासपुर जिला प्रशासन ने राज्य की पहली 'सो-टॉक्सा' मोबाइल मादक पदार्थ जांच प्रणाली' खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसे जल्द ही मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा लॉन्च किया जाएगा। लगभग 19 लाख रुपए की लागत से यह अत्याधुनिक प्रणाली जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) के माध्यम से खरीदी जा रही है।

यह जानकारी अंतरराष्ट्रीय मादक द्रव्य दुरुपयोग एवं अवैध तस्करी निरोधक दिवस पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में उपायुक्त राहुल कुमार ने दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार नशे के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति पर पूरी मजबूती से काम कर रही है। सरकार का उद्देश्य केवल नशा तस्करी पर रोक लगाना ही नहीं, बल्कि युवाओं को नशे की गिरफ्त में जाने से बचाना और उन्हें सुरक्षित भविष्य देना भी है।

इस प्रणाली की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह व्यक्ति के मुख द्रव (लार) के नमूने के आधार पर मात्र 5 मिनट में जांच परिणाम उपलब्ध कराती है। यह तकनीक चिट्टा (मेथाम्फेटामाइन) सहित एम्फेटामाइन, बेंजोडायजेपाइन, कैनाबिस (THC), कोकीन और ओपिएट्स जैसे छह प्रमुख प्रकार के नशीले पदार्थों की मौके पर ही जांच करने में सक्षम है। इससे पुलिस और अन्य प्रवर्तन एजेंसियों को त्वरित, सटीक और वैज्ञानिक परिणाम मिलते हैं, जिससे संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान तुरंत की जा सकती है। प्रारंभिक चरण में इस प्रणाली की एक मशीन को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में स्थापित किया जाएगा। इसके प्रदर्शन, सटीकता और उपयोगिता का मूल्यांकन करने के बाद आवश्यकता अनुसार और मशीनें खरीदी जाएंगी। इस पहल के साथ बिलासपुर जिला हिमाचल प्रदेश का पहला ऐसा जिला बन जाएगा जहां मोबाइल आधारित अत्याधुनिक ड्रग टेस्टिंग प्रणाली का उपयोग किया जाएगा। उपायुक्त ने बताया कि इस प्रणाली में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित विश्लेषण सुविधा भी शामिल होगी। जांच से प्राप्त आंकड़ों का वैज्ञानिक अध्ययन कर नशे से प्रभावित क्षेत्रों, तस्करी के संभावित मार्गों, नए रुझानों और अपराध के पैटर्न की पहचान की जाएगी।

मुख्यमंत्री सुक्खू सो-टॉक्सा मोबाइल मादक पदार्थ जांच प्रणाली का जल्द करेंगे शुभारंभ

यह डेटा पुलिस विभाग के साथ साझा किया जाएगा, जिससे साक्ष्य आधारित रणनीति बनाकर नशे के अवैध कारोबार पर अधिक प्रभावी कार्रवाई संभव होगी। इसके अतिरिक्त, सो-टॉक्सा प्रणाली में क्यूआर कोड आधारित परीक्षण, स्वचालित गुणवत्ता नियंत्रण, डिजिटल रिकॉर्डिंग और सुरक्षित डेटा प्रबंधन जैसी आधुनिक सुविधाएं भी होंगी। इससे जांच प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, तेज और विश्वसनीय बनेगी। प्रशासन ने कहा है कि यह प्रणाली विशेष अभियान, पुलिस नाकों, सार्वजनिक स्थलों, शैक्षणिक संस्थानों के आसपास और संवेदनशील क्षेत्रों में रैंडम जांच के लिए बेहद उपयोगी साबित होगी। कम समय में अधिक लोगों की जांच संभव होने से नशे के खिलाफ अभियान को नई गति मिलेगी। अधिकारियों ने युवाओं से नशे से दूर रहने और नागरिकों से नशा तस्करी की सूचना देने की अपील की है।

बिलासपुर मुक्त कारागार में लगाया नशा मुक्ति व ध्यान-साधना शिविर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत मुक्त कारागार, बिलासपुर में जिला कल्याण अधिकारी, बिलासपुर द्वारा विशेष जागरूकता एवं ध्यान-साधना शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें सकारात्मक, स्वास्थ्य एवं आध्यात्मिक जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

इस अवसर पर ब्रह्माकुमारी संस्थान, बिलासपुर की ओर से रीना एवं अखिल कुमार ने बंदियों को आध्यात्मिक जीवन के महत्व से अवगत कराया तथा ध्यान (मेडिटेशन) की विभिन्न विधियों का अभ्यास करवाया। उन्होंने बताया कि आत्मचिंतन, सकारात्मक सोच और आध्यात्मिक जागरूकता व्यक्ति को नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने जीवन में आत्मविश्वास, संयम एवं नैतिक मूल्यों को अपनाने का संदेश भी दिया।

कार्यक्रम के दौरान बंदियों ने ध्यान-साधना में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपने अनुभव साझा किए। वक्ताओं ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सुधार और नई शुरुआत की अपार संभावनाएं होती हैं। यदि व्यक्ति स्वयं को पहचाने और सही मार्ग का चयन करे, तो वह अपने जीवन को नई दिशा दे सकता है।

जिला कल्याण अधिकारी, बिलासपुर ने बताया कि नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जिले भर में विभिन्न जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है, ताकि समाज को नशामुक्त, स्वस्थ एवं सशक्त बनाया जा सके। इस अवसर पर जेल अधीक्षक नोखू राम भारद्वाज सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

झंडूता के डॉ. अनुराग का पीजीआई चंडीगढ़ में चयन

अनंत ज्ञान, झंडूता। जिला बिलासपुर के झंडूता क्षेत्र के होनहार युवा डॉ. अनुराग ठाकुर का देश की प्रतिष्ठित आई एन आई - सीईटी 2026 परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में एमडी (जनरल मेडिसिन) के लिए चयन हुआ है। डॉ. अनुराग ठाकुर ग्राम एवं डाकघर झंडूता के निवासी हैं। उन्होंने डॉ. वाई.एस. परमार मेडिकल कॉलेज, नाहन से एमबीबीएस की शिक्षा प्राप्त की और वर्तमान में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पंतेहड़ा में मेडिकल ऑफिसर के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

नए कांप्लेक्स सिस्टम के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ हिमाचल प्रदेश ने प्रदेश सरकार द्वारा लागू किए गए नए कांप्लेक्स सिस्टम के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया है। घुमारवीं में आयोजित विशेष साधारण अधिवेशन में संघ ने स्पष्ट किया कि यदि मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया तो अगले डेढ़ वर्ष का संघर्ष रोडमैप तैयार कर प्रदेशव्यापी आंदोलन चलाया जाएगा। साथ ही आगामी विधानसभा चुनाव में सरकार का विरोध करने की बात भी कही गई। अधिवेशन में राज्य कार्यकारिणी, 12 जिलों और 141 ब्लॉकों के करीब 700 पदाधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में 23 सितंबर 2025 की अधिसूचना का एकमत से विरोध करते हुए इसे तुरंत वापस लेने की मांग की गई। संघ के प्रदेशाध्यक्ष रमेश शर्मा ने कहा कि यह अधिसूचना प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था और शिक्षकों के अधिकारों पर सीधा प्रहार है।

नारी सशक्तिकरण समाज की प्रगति का आधार : लता

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। लाडली फाउंडेशन एवं सर्वधर्म समभाव राष्ट्रीय मंच की बैठक जिला मुख्यालय में आयोजित की गई। इसकी अध्यक्षता लाडली फाउंडेशन बिलासपुर की जिला अध्यक्ष अनीता शर्मा ने की, जबकि मुख्यातिथि के रूप में लाडली फाउंडेशन मंडी की जिला महासचिव एवं राज्य प्रवक्ता लता ठाकुर उपस्थित रहीं। बैठक में लता ने कहा कि नारी सशक्तिकरण केवल महिलाओं की सहायता नहीं, बल्कि पूरे समाज को प्रगति की ओर ले जाने का माध्यम है। अनीता शर्मा ने कहा कि किसी भी समाज की प्रगति उसकी महिलाओं की स्थिति से आंकी जा सकती है। बैठक में महिला सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता पर विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर सर्वधर्म समभाव राष्ट्रीय मंच एवं हिमालय विकास सेवा संस्था के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

जितेंद्र बने सर्वधर्म समभाव राष्ट्रीय मंच के राज्य संरक्षक

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं हिमुडा के निदेशक जितेंद्र चंदेल को सर्वधर्म समभाव राष्ट्रीय मंच का राज्य संरक्षक नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सत्यदेव शर्मा तथा प्रदेश अध्यक्ष इंजीनियर श्यामलाल पंवार ने की। नियुक्ति के बाद चंदेल ने कहा कि मंच का उद्देश्य सभी धर्मों के प्रति समान सम्मान और सौहार्द की भावना को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि सामाजिक समरसता और राष्ट्रीय एकता के लिए सर्वधर्म समभाव आवश्यक है। उन्होंने बताया कि निकट भविष्य में बिलासपुर में राज्य स्तरीय सर्वधर्म सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधि एवं बुद्धिजीवी भाग लेंगे। इस अवसर पर मंच के पदाधिकारी मंजीत ठाकुर, चमन लाल, गौरव सिंह और मनीष सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

राठौर बने राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के उपाध्यक्ष

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राजीव गांधी पंचायती राज संगठन के राष्ट्रीय महासचिव दीपक राठौर को राज्य सरकार ने हिमाचल प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण का उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। यह नियुक्ति मुख्यमंत्री की अनुशंसा पर की गई है। संगठन से जुड़े पदाधिकारियों ने इस निर्णय पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया है। पूर्व प्रदेश सह संयोजक ठाकुर हीरा पाल सिंह ने कहा कि दीपक राठौर लंबे समय से संगठनात्मक गतिविधियों में सक्रिय रहे हैं और उन्होंने एनएसयूआई, युवा कांग्रेस तथा कांग्रेस संगठन में विभिन्न स्तरों पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि राठौर की संगठनात्मक क्षमता, प्रशासनिक अनुभव और जमीनी जुड़ाव को देखते हुए यह जिम्मेदारी दी गई है। इससे राज्य में आपदा प्रबंधन कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने विश्वास जताया कि उनकी नियुक्ति से न केवल राहत एवं पुनर्वास कार्यों में तेजी आएगी बल्कि विकास योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में भी सहायता मिलेगी। इस अवसर पर विभिन्न जिलों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने दीपक राठौर को बधाई दी और मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया। सभी ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में आपदा प्रबंधन प्रणाली और मजबूत होगी।

बिलासपुर के हॉकी खिलाड़ी हर्षित शर्मा का पंजाब रेजिमेंट में चयन

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। बिलासपुर में हॉकी को नई पहचान दिलाने के प्रयासों को बड़ी सफलता मिली है। युवा हॉकी कोच पुलकित शर्मा के प्रशिक्षण में तैयार खिलाड़ी हर्षित शर्मा (20) का चयन पंजाब रेजिमेंट में स्पोर्ट्स कोटे के तहत हुआ है। चयन के बाद वे शीघ्र ही रामगढ़ कैंट (झारखंड) के लिए रवाना होंगे।

घुमारवीं उपमंडल के सोई गांव निवासी हर्षित एक साधारण परिवार से संबंध रखते हैं। उनके पिता दिनेश कुमार इलेक्ट्रिशियन हैं और माता सुषमा देवी गृहिणी हैं। कठिन परिस्थितियों के बावजूद हर्षित ने नियमित अभ्यास और अनुशासन के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। वे प्रतिदिन घुमारवीं से बिलासपुर आकर प्रशिक्षण लेते थे।

फॉरवर्ड पोजीशन पर खेलने वाले हर्षित ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं के साथ जालंधर और हरिद्वार में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भी हिमाचल प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया है।

कोच पुलकित शर्मा ने बताया कि हर्षित की सफलता अन्य खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी उनके कई खिलाड़ी सेना और अन्य सेवाओं में चयनित हो चुके हैं और कुछ खिलाड़ी चयन प्रक्रिया में हैं। हर्षित के चयन से बिलासपुर में खेल जगत में खुशी का माहौल है और स्थानीय खिलाड़ियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

प्रो . बिहारी लाल शर्मा झारखंड विवि के एडवाइजरी बोर्ड में शामिल

अनंत ज्ञान, ब्यूरो, बिलासपुर। झंडूता तहसील के ग्राम भदोल निवासी तथा वर्तमान में सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के कुलपति प्रो. (डॉ.) बिहारी लाल शर्मा को झारखंड के राधा गोविंद विश्वविद्यालय के प्रशासनिक एवं परामर्शदातृ बोर्ड का सदस्य मनोनीत किया गया है।

यह मनोनयन उनके लंबे शैक्षणिक अनुभव, प्रशासनिक नेतृत्व, उच्च शिक्षा में योगदान और भारतीय ज्ञान परम्परा के संरक्षण एवं संवर्धन में उनकी भूमिका को देखते हुए किया गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार यह बोर्ड शैक्षणिक नीतियों के निर्माण, अनुसंधान, नवाचार और संस्थागत गुणवत्ता सुधार जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मार्गदर्शन प्रदान करता है। उम्मीद जताई गई है कि प्रो. शर्मा के अनुभव से विश्वविद्यालय को नई दिशा मिलेगी। प्रो. शर्मा संस्कृत अध्ययन और उच्च शिक्षा प्रशासन के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित विद्वान माने जाते हैं। उनके नेतृत्व में सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक गुणवत्ता और शोध के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। इस उपलब्धि पर बिलासपुर में खुशी का माहौल है। स्थानीय शिक्षाविदों और सामाजिक संगठनों ने इसे जिले के लिए गौरव का विषय बताते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

नेहर कोल वैली पब्लिक स्कूल ने निकाली नशा मुक्ति रैली

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, बिलासपुर। कोल वैली पब्लिक स्कूल, नेहर में भारत सरकार के नशा मुक्त भारत अभियान के तहत नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम एवं रैली आयोजित की गई। विद्यालय से निकली रैली नेहर, देवला छंब और हरनोडा क्षेत्रों से होकर गुजरी, जहां छात्रों ने बैनर और नारों के माध्यम से लोगों को नशे से दूर रहने का संदेश दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम पंचायत हरनोडा के प्रधान कालिदास द्वारा छात्रों को नशा न करने और समाज में जागरूकता फैलाने की शपथ दिलाकर की गई। इस अवसर पर विद्यार्थियों और शिक्षकों ने मादक पदार्थों से दूर रहने तथा दूसरों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया।

बिलासपुर में अवैध शराब की 207 पेटियां पकड़ीं

अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर। जिला बिलासपुर पुलिस द्वारा अवैध शराब की तस्करी एवं बिक्री के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना सदर पुलिस ने एक व्यक्ति के कब्जे से 207 पेटियां अवैध शराब की बरामद की है। पुलिस द्वारा सुनील कुमार (27) गांव सुमाड़ी डाकघर लैहरी सरेल तहसील घुमारवीं बिलासपुर के वाहन की तलाशी ली। तलाशी के दौरान पिकअप वाहन से 207 पेटियां अवैध शराब की बरामद की गई, जिसमें बीयर की 200 पेटी व अंग्रेजी शराब की 7 पेटी बरामद की गई। बरामद शराब को कब्जे में लेकर आरोपी के विरुद्ध थाना सदर बिलासपुर में मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले में आगामी जांच जारी है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक कुमार ने कहा है कि बिलासपुर पुलिस अवैध शराब एवं नशे के कारोबार के विरुद्ध अपनी कार्रवाई लगातार जारी रखे हुए है तथा आम जनता से भी इस संबंध में सूचना सांझा करने का आग्रह करती है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने आरोपी व्यक्ति के खिलाफ हिमाचल प्रदेश आबकारी अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज कर छानबीन आगे बढ़ा दी है।

नशा एक धीमा जहर, युवाओं को कर रहा कमजोर : राजकुमार

अनंत ज्ञान

हाशू शेख, तीसा चुराह। चंबा जिले के अंतर्गत बाल विकास परियोजना तीसा में नशा निषेध दिवस के अवसर पर एक जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

रैली में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्थानीय बच्चों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर नशा मुक्त समाज का संदेश दिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और समाज में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना था। इस अवसर पर खंड समन्वयक राज कुमार ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा एक धीमा जहर है, जो युवाओं को भीतर से कमजोर कर रहा है और समाज के हर वर्ग को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि सामाजिक समस्या बन चुकी है, जिससे निपटने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं विभिन्न समूहों के माध्यम से लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, ताकि नशे को जड़ से समाप्त किया जा सके और पूरे प्रदेश को नशा मुक्त बनाया जा सके। राज कुमार ने युवाओं और स्कूली बच्चों से अपील की कि वे स्वयं नशे से दूर रहें और अपने आस-पास के लोगों को भी इसके दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी ही नशा मुक्त समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

सरकार ने एंटी-चिट्टा जागरुकता अभियान को दिया जन आंदोलन का स्वरूप : कुलदीप

विधानसभा अध्यक्ष ने जागरुकता रैली को दिखाई हरी झंडी, नशामुक्ति की दिलाई शपथ

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, चंबा। विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया की अध्यक्षता में अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ निषेध दिवस के उपलक्ष्य पर आज जिला स्तरीय एंटी-चिट्टा जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन बचत भवन में किया गया।

विधानसभा अध्यक्ष ने इस अवसर पर कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों-कर्मचारियों तथा विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों को चिट्टे जैसे घातक मादक पदार्थों से दूर रहने तथा समाज में नशामुक्ति के प्रति जन-जागरुकता फैलाने की सामूहिक शपथ दिलाई। इसके उपरांत उन्होंने विभिन्न शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों की सहभागिता से आयोजित एंटी-चिट्टा जागरुकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यक्रम में विधायक नीरज नैय्यर भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। पठानिया ने कहा कि चिट्टा (हेरोइन) एक अत्यंत खतरनाक सिंथेटिक नशा है जो राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चुनौती बन चुका है। उन्होंने कहा कि एक सोची-समझी साजिश के तहत देश की युवा एवं भावी पीढ़ी को इस नशे की ओर धकेलने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे समाज के सामूहिक प्रयासों से ही रोका जा सकता है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश सरकार ने गत वर्ष से एंटी-चिट्टा जागरुकता अभियान को जन आंदोलन का स्वरूप दिया है। अभियान का उद्देश्य युवाओं, विद्यार्थियों और आमजन को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर समाज को नशामुक्त बनाने के लिए जनभागीदारी सुनिश्चित करना है। उन्होंने साथ में यह भी बताया कि राज्य सरकार इसके समूल नाश के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाना सुनिश्चित बना रही है। कुलदीप ने जागरुकता गतिविधियों और जन चेतना को महत्वपूर्ण बताते हुए कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों एवं युवाओं की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि जब युवा स्वयं जागरूक होंगे, तभी समाज के प्रत्येक घर तक नशामुक्ति का संदेश प्रभावी ढंग से पहुंचेगा। इस अवसर पर सदस्य निदेशक मंडल राज्य पथ परिवहन निगम एवं अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी सुरजीत भरमौरी, अध्यक्ष नगर परिषद भुवनेश्वरी कुमारी, पुलिस अधीक्षक विजय कुमार सकलानी, अतिरिक्त उपायुक्त अमित मैहरा, एसडीएम प्रियांशु खाती आदि उपस्थित रहे।

बचत भवन में जिला स्तरीय एंटी-चिट्टा जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन। अनंत ज्ञान

पठानकोट-भरमौर एनएच पर 'दुनाली' के समीप फंसा ट्रक, वाहनों की लगी कतारें

अनंत ज्ञान

देशराज कश्यप, धरवाला। नेशनल हाईवे पठानकोट भरमौर सड़क पर दुनाली के समीप सामान ले जा रहा ट्रक अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर हवा में लटक गया जिससे घंटों यातायात बाधित रहा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शुक्रवार सुबह चंबा से भरमौर की तरफ जा रहा सामान से भरा हुआ एक ट्रक दुनाली के समीप डिबन नामक स्थान पर खड़ी चढ़ाई होने के कारण अनियंत्रित होकर बीच सड़क पर हवा में लटक गया। बताया जा रहा है कि ट्रक बिजली के खंभों व सिलेंडरों से भरा था। ट्रक जब अनियंत्रित होकर पीछे की तरफ जाने लगा इस दौरान ट्रक में लदे खंभे सड़क मार्ग पर जा लगे वह अगला हिस्सा हवा में लटक गया। गनीमत यह रही कि इस दौरान ट्रक के पीछे कोई भी वाहन नहीं था, अन्यथा कोई वाहन वह राहगीर ट्रक की चपेट में आ सकता था। यह घटना शुक्रवार सुबह तकरीबन 7 बजे की बताई जा रही है। ट्रक के बीच मार्ग पर फंसने से घंटों दोनों तरफ से वाहनों की लंबी कतारें लगी रही। राहत की बात यह रही कि इस दौरान छोटे वाहनों के लिए यह सड़क मार्ग खुला रहा।

राजपुरा में अमन और भाईचारे की दुआ

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, चंबा। जिले के राजपुरा स्थित जामिया जमालिया इस्लामिया मदरसा एवं अंजुमन इस्लामिया के संयुक्त तत्वावधान में मुहर्रम की दसवीं तारीख (अशूरा) के अवसर पर कर्बला के शहीदों की याद में श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। कार्यक्रम में शहीद-ए-कर्बला हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की महान कुर्बानी को नमन करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर जामिया जमालिया इस्लामिया मदरसा के बच्चों ने इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत पर आधारित भावपूर्ण प्रस्तुतियां दीं, जिन्होंने उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया। वक्ताओं ने कहा कि कर्बला का संदेश सत्य, न्याय, इंसानियत और अत्याचार के विरुद्ध डटकर खड़े रहने की प्रेरणा देता है तथा समाज को शांति, भाईचारे और मानवता के मार्ग पर चलने का संदेश देता है। कार्यक्रम में चंबा जिले के विभिन्न दूर-दराज क्षेत्रों से मुस्लिम समुदाय के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी ने कर्बला के शहीदों को याद करते हुए उनके हक़ में दुआएं मांगीं और देश में अमन, भाईचारे, खुशहाली तथा आपसी सौहार्द बनाए रखने की विशेष प्रार्थना की।

अशूरा पर कर्बला के शहीदों को दी श्रद्धांजलि। अनंत ज्ञान

आयोजन का समापन सामूहिक दुआ के साथ हुआ। इस मौके पर मुफ्ती सैय्यद अलहाज फरीद शाह मिस्बाही (जम्मू), सदर अंजुमन इस्लामिया चंबा डॉ. इसरार अली शाह, सदर अंजुमन इस्लामिया सलूनी फारूख बट्ट, हैदर अली, सरदार मोहम्मद, हाजी दीन मोहम्मद, रफीक मोहम्मद, मौलाना यासीन (जामा मस्जिद चंबा), हाफिज मुबारक अली, हाफिज अब्दुल मजीद, इंजीनियर मोहसीन खान, नईम शेख, दानिश अली शाह, अशरफ शेख, मक्कुम कुरैशी, सेवानिवृत्त तहसीलदार सलीम मोहम्मद आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. इसरार अली शाह और फारूख बट्ट ने अपने संबोधन में कर्बला की कुर्बानी को इंसानियत, न्याय और सत्य की रक्षा के लिए दिया गया सर्वोच्च बलिदान बताते हुए समाज में शांति और सद्भाव बनाए रखने का आह्वान किया।

महिलाओं को साइबर ठगी से बचाव व बैंकिंग योजनाओं की दी जानकारी

वित्तीय साक्षरता शिविर में महिलाओं को किया जागरूक। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, चंबा। सेवा संस्था के सौजन्य से वित्तीय साक्षरता केंद्र चंबा द्वारा भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आर-सेटी), बालू में एक जागरूकता एवं वित्तीय साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य प्रशिक्षण प्राप्त कर रही महिलाओं को सुरक्षित बैंकिंग, साइबर अपराधों से बचाव तथा विभिन्न वित्तीय योजनाओं की जानकारी प्रदान करना रहा।

शिविर के दौरान सिलाई प्रशिक्षण ले रही महिलाओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी, फर्जी कॉल, ओटीपी साझा करने के जोखिम, डिजिटल भुगतान की सुरक्षा तथा बैंकिंग सेवाओं के सुरक्षित उपयोग के बारे में विस्तार से बताया गया। साथ ही सरकार और बैंकों की ओर से संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं स्वरोजगार से जुड़े वित्तीय अवसरों की भी जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में आर-सेटी के निदेशक विक्रांत राणा, वित्तीय साक्षरता केंद्र, चंबा से प्रवीण वर्मा, परविंदर ठाकुर तथा मुस्कान सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। वक्ताओं ने महिलाओं से वित्तीय रूप से जागरूक बनने, डिजिटल लेनदेन में सतर्कता बरतने और आत्मनिर्भरता की दिशा में उपलब्ध योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया।

वरिष्ठ डॉक्टरों के तबादले तत्काल रद्द करे सरकार : अजय अटवाल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, चंबा। आम आदमी पार्टी हिमाचल प्रदेश के जिला चंबा संयोजक अजय अटवाल ने सिविल अस्पताल डलहौजी से चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुमित अत्री तथा वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. सीमा अत्री के अचानक सीएचसी तकलेच (जिला शिमला) स्थानांतरण पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे डलहौजी विधानसभा क्षेत्र की जनता के साथ गंभीर अन्याय बताया है।

अजय अटवाल ने कहा कि पहले क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था को लगातार कमजोर किया गया और अब पहले से संघर्ष कर रही स्वास्थ्य सेवाओं पर भी कुठाराघात किया जा रहा है। सरकार के ऐसे फैसले यह संदेश देते हैं कि जनता की मूलभूत आवश्यकताओं और अधिकारों की कोई परवाह नहीं की जा रही। उन्होंने कहा कि डलहौजी और आसपास के क्षेत्रों में चिकित्सा सुविधाएं पहले ही सीमित संसाधनों के साथ चल रही हैं। ऐसे समय में अनुभवी चिकित्सकों का अचानक तबादला स्थानीय लोगों की परेशानियों को और बढ़ाने वाला कदम है। सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर किस जनहित में यह निर्णय लिया गया। अजय अटवाल ने स्थानीय कांग्रेस नेतृत्व पर भी निशाना साधते हुए कहा कि यदि वे अपने ही क्षेत्र के स्वास्थ्य हितों की रक्षा नहीं कर पा रहे हैं, तो जनता यह प्रश्न पूछने को मजबूर है कि उनकी भूमिका क्या है। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसा प्रतीत होता है मानो क्षेत्र के हितों की अनदेखी की जा रही हो और 2022 के विधानसभा चुनाव परिणामों की राजनीतिक कड़वाहट का खामियाजा आम नागरिक भुगत रहे हों। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी और डलहौज़ी के विधायक पर भी हमला बोलते हुए कहा कि जनता को एक मजबूत आवाज की आवश्यकता थी, लेकिन क्षेत्र के हितों की रक्षा के मुद्दे पर उनकी चुप्पी बेहद निराशाजनक है। इन बुनियादी अधिकारों पर किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि सरकार ने तत्काल प्रभाव से इन स्थानांतरण आदेशों पर पुनर्विचार कर उन्हें रद्द नहीं किया, तो आम आदमी पार्टी जनता के साथ मिलकर लोकतांत्रिक एवं शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करने के लिए बाध्य होगी।

स्वच्छता सर्वेक्षण को रतिया पहुंची केंद्र की टीम ने लिया लोगों का फीडबैक

सफाई व्यवस्था को बारीकी से जांचने के लिए करवाई फोटोग्राफी

अनंत ज्ञान

फतेहाबाद। स्वच्छ सर्वेक्षण मिशन के तहत रतिया शहर की सफाई व्यवस्था की जमीनी हकीकत परखने के लिए दिल्ली से चार सदस्यीय विशेष टीम शुक्रवार को रतिया पहुंची।

टीम के मुख्य अधिकारी सलीम जावेद के नेतृत्व में पहुंचे इस दल ने शहर के सभी 17 वार्डों और करीब 12 सार्वजनिक शौचालयों का औचक व गहन निरीक्षण किया। इस दौरान टीम ने सफाई व्यवस्था के विभिन्न मानकों को बारीकी से जांचने के साथ-साथ मौके पर वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी भी करवाई, जिसकी विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी। निरीक्षण के दौरान टीम ने केवल प्रशासनिक दावों पर भरोसा न करके सीधे शहरवासियों से मुलाकात की और उनसे व्यवस्था को लेकर जमीनी फीडबैक लिया। टीम ने नागरिकों से मुख्य रूप से यह पूछा कि क्या उनके घरों से नियमित रूप से कूड़ा उठाया जा रहा है और क्या लोग गीला व सूखा कूड़ा अलग-अलग करके सफाई कर्मचारियों को दे रहे हैं।

इसके साथ ही शहर में सार्वजनिक शौचालयों की पर्याप्त सुविधा, उनका उपयोग और खुले में शौच से जुड़े सवाल भी पूछे गए। टीम ने नागरिकों से सडक़ों व नालियों की सफाई की नियमितता पर भी बात की और पूछा कि वे अपने शहर की साफ-सफाई को 10 में से कितने नंबर देना चाहेंगे।

हिसार : एचएयू छात्र को उज्बेकिस्तान की कंपनी में मिला 13 हजार डॉलर का पैकेज

अनंत ज्ञान, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) के छात्र रमनदीप का चयन उज्बेकिस्तान की इंडोरामा एग्रो एलएलसी में फील्ड ऑपरेशन लीड (जोनल मैनेजर) के पद पर हुआ है। कंपनी की ओर से उन्हें 13 हजार अमेरिकी डॉलर (लगभग 11 लाख रुपये) का वार्षिक पैकेज मिलेगा। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय में खुशी का माहौल है। कुलपति प्रो. बीआर कंबोज ने छात्र को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता पूरे विश्वविद्यालय के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय लगातार विद्यार्थियों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोजगार के अवसर दिलाने के लिए प्रयासरत है।

अधिकारियों ने बताया कि यह चयन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, व्यावहारिक प्रशिक्षण और उद्योग से जुड़े कार्यक्रमों का परिणाम है। प्लेसमेंट सेल की भूमिका को भी इस सफलता में महत्वपूर्ण बताया गया। छात्र कल्याण निदेशक ने कहा कि विश्वविद्यालय का प्लेसमेंट सेल विद्यार्थियों को करियर मार्गदर्शन और कौशल विकास के माध्यम से रोजगार के लिए तैयार कर रहा है। इस अवसर पर अधिकारियों ने कहा कि पिछले वर्ष भी कई विद्यार्थियों को इसी कंपनी में इंटर्नशिप का अवसर मिला था, जो विश्वविद्यालय और उद्योग जगत के बढ़ते सहयोग को दर्शाता है।

जॉब सिक्योरिटी की मांग को लेकर अग्रोहा मेडिकल कॉलेज में कर्मचारियों का प्रदर्शन

मुख्यमंत्री के नाम कॉलेज प्रशासन को ज्ञापन सौंपते कर्मचारी। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

हिसा। महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज, अग्रोहा में ऑल हेल्थकेयर एंप्लाइज एसोसिएशन के बैनर तले कर्मचारियों ने जॉब सिक्योरिटी और अन्य लंबित मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद कर्मचारियों ने कॉलेज प्रशासन को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों ने कहा कि सरकार ने 15 जून तक जॉब सिक्योरिटी लागू करने का आश्वासन दिया था, लेकिन निर्धारित समय बीत जाने के बावजूद कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। इससे कर्मचारियों में असुरक्षा और निराशा का माहौल है।

एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने मांग की कि हरियाणा कौशल रोजगार निगम के माध्यम से कार्यरत सभी पात्र कर्मचारियों को जॉब सिक्योरिटी के दायरे में शामिल किया जाए, ताकि समान कार्य के लिए समान सेवा सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। ज्ञापन में मांग की गई कि जॉब सिक्योरिटी संबंधी आदेश 30 जून से पहले लागू किए जाएं और पात्र कर्मचारियों को शीघ्र नियुक्ति पत्र जारी किए जाएं। साथ ही लाभ को 15 अगस्त 2024 से प्रभावी मानते हुए एरियर और अन्य वित्तीय लाभ भी दिए जाने की मांग की गई। कर्मचारियों ने अन्य लंबित मांगों के समयबद्ध समाधान की भी अपील की।

महम के विधायक बलराम दांगी से मांगी पांच करोड़ की फिरौती

अनंत ज्ञान, रोहतक। महम से कांग्रेस विधायक बलराम दांगी के कार्यालय पर फायरिंग के बाद अब उनसे पांच करोड़ रुपए फिरौती मांगी गई है। आरोपी ने फोन पर मैसेज भेजकर विदेशी नंबर से पांच करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी है। धमकी देने वाले ने कहा है कि पांच करोड़ तैयार रखना, नहीं तो इस बार गोली सीधे छाती में मारी जाएगी। दरअसल पिछले सप्ताह ही विधायक के कार्यालय पर दो युवकों ने गोली भी चलाई थी, जिनमें से एक युवक को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया था।

रंगदारी के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। पुलिस के अनुसर कांग्रेस विधायक बलराम दांगी के फोन पर एक विदेशी नंबर से पांच करोड़ रुपए की धमकी को लेकर मैसेज आया। मैसेज में लिखा है कि पांच करोड़ रुपए तैयार रखना, अभी तक शीशों पर गोली लगी है, इस बार गोली छाती में मारी जाएगी। विधायक ने मैसेज के बारे में पुलिस अधीक्षक को सूचना दी। इसके बाद पुलिस ने विधायक आवास पर सुरक्षा बढ़ा दी और इस बारे में जांच पड़ताल शुरू कर दी। धमकी भरा मैसेज सुमित उर्फ छोटा सामनिया के नाम पर भेजा गया है। पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। रोहतक पुलिस प्रवक्ता के अनुसार पुलिस कई एंगल से मामले की जांच कर रही है। फायरिंग का एक आरोपी पहले ही पकड़ा जा चुका है। जल्द ही अन्य आरोपी काबू कर लिए जाएंगे।

फरीदाबाद में हाईवे पर स्टंट करने पर ऑटो चालक पकड़ा

अनंत ज्ञान

फरीदाबाद। सोशल मीडिया पर वायरल नेशनल हाईवे की सर्विस रोड पर ऑटो से खतरनाक स्टंट करने के वीडियो पर संज्ञान लेते हुए पुलिस ने ऑटो का 15 हजार 500 रुपए का चालान काट दिया। साथ ही स्टंट करने वाले युवक से सार्वजनिक रूप से माफी भी मंगवाई गई। वायरल वीडियो में एक युवक नेशनल हाईवे की सर्विस रोड पर ऑटो को बार-बार घुमाकर खतरनाक स्टंट करता दिखाई दे रहा है। स्टंटबाजी के दौरान सडक़ से गुजर रहा एक साइकिल सवार ऑटो की चपेट में आने से बाल-बाल बच गया। यह पूरी घटना रात के समय की बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार, युवक ने खुद स्टंट का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड किया था। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने बिना देरी किए मामले का संज्ञान लिया और जांच शुरू कर दी। जांच में सामने आया कि ऑटो बडखल स्थित बुद्ध कॉलोनी निवासी मधु के नाम पर पंजीकृत है। पुलिस के अनुसार, ऑटो मालिक का बेटा विकास इस वाहन से स्टंट करता था और सोशल मीडिया पर लाइक और व्यूज पाने के लिए वीडियो अपलोड करता था। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि वायरल वीडियो में दिखाई दे रही ऑटो की नंबर प्लेट के आधार पर पुलिस आरोपी तक पहुंची।

कार्रवाई करते हुए ऑटो का 15,500 रुपए का चालान किया गया। जांच में यह भी सामने आया कि स्टंट करने वाले युवक विकास के पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था। पुलिस का यह भी कहना है कि घटना के समय युवक ने शराब का सेवन किया हुआ था। मामले में नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कैथल में पुलिस मुठभेड़, दो इनामी बदमाश गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, कैथल। कैथल पुलिस की स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट (एसडीयू) ने देर रात मुठभेड़ के बाद दो इनामी बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों आरोपी चीका के हुड्डा सेक्टर में 9 जून को हुई लाखों रुपए की चोरी के मामले में वांछित थे और उन पर पांच-पांच हजार रुपए का इनाम घोषित था।

पुलिस के अनुसार, नाकेबंदी के दौरान आरोपियों ने भागने की कोशिश की और कार दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान एक गोली इंस्पेक्टर और एक जवान की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी, जिससे उनकी जान बच गई। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दोनों आरोपियों के पैरों में गोली लगी और उन्हें मौके पर ही दबोच लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पंजाब के बठिंडा जिले के मौड़ मंडी निवासी सोहन सिंह और धर्मबीर के रूप में हुई है। उनके कब्जे से दो अवैध पिस्तौल, कारतूस और वारदात में इस्तेमाल कार बरामद की गई है। दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस का कहना है कि पूछताछ के बाद गिरोह के अन्य सदस्यों और अन्य वारदातों का भी खुलासा हो सकता है।

श्री अमर ज्योति सेवा दल ने छबील और भंडारा लगाया

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। आस्था,त्याग और मानवता की सेवा के नजरिए से श्री अमर ज्योति सेवा दल द्वारा सैक्टर 24 स्थित भगवान वाल्मीकि मंदिर के पास चिलचिलाती गर्मी में ठंडे मीठे जल की छबील और भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर चंडीगढ़ प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता परवीन शर्मा टीटू ने भंडारे के साथ साथ छबील का शुभारभ किया और वितरण में सेवा भी निभाई। इस सेवा कार्य में यूटी पुलिस के कांस्टेबल राजेश कुमार ने भी हिस्सा लिया।

श्री अमर ज्योति सेवा दल के परम श्रद्धेय सतगुरु नवीन सरहदी ने कहा कि निष्काम समाज सेवा का सिद्धांत है। उन्होंने कहा कि इस चिलचिलाती गर्मी में राहगीरों को पानी पिलाना और भोजन छकाना समाज सेवा और मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण है।

फतेहाबाद में वेतन न मिलने पर सफाई कर्मी हड़ताल पर

अनंत ज्ञान, फतेहाबाद। शहर की डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण व्यवस्था वेतन न मिलने के कारण ठप हो गई है। सफाई कर्मचारी शुक्रवार को लगातार दूसरे दिन हड़ताल पर रहे और अपनी गाड़ियां खड़ी कर धरने पर बैठ गए।

कर्मचारियों का कहना है कि वे पिछले आठ महीनों से काम कर रहे हैं, लेकिन केवल तीन महीने का वेतन मिला है, जबकि पांच महीने का भुगतान अभी तक लंबित है। बार-बार आश्वासन मिलने के बावजूद सैलरी नहीं मिलने से उन्हें हड़ताल करने पर मजबूर होना पड़ा। नगर परिषद ने सफाई कार्य एक निजी एजेंसी को ठेके पर दे रखा है। इस मामले में नगर परिषद और ठेकेदार के बीच भुगतान को लेकर असहमति बनी हुई है, जिससे कर्मचारी प्रभावित हो रहे हैं।

धरने पर बैठे कर्मचारियों ने कहा कि वेतन न मिलने से उनके परिवार आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि बकाया भुगतान होते ही वे तुरंत काम पर लौट आएंगे। फिलहाल हड़ताल के कारण शहर में कचरा न उठने से सफाई व्यवस्था प्रभावित हो गई है और नागरिकों की परेशानी बढ़ रही है।

सिरसा: राम रहीम ने किया डेरे के नवीनीकृत मुख्य द्वार का उद्घाटन

अनंत ज्ञान

सिरसा। सिरसा स्थित डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह ने पैरोल अवधि समाप्त होने से एक दिन पहले गुरुवार को शाह सतनाम जी धाम के नवीनीकृत मुख्य द्वार का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में डेरा अनुयायी मौजूद रहे। कार्यक्रम में हनीप्रीत इंसा भी उपस्थित थीं, जो लंबे समय बाद राम रहीम के साथ सार्वजनिक रूप से नजर आईं।

पैरोल पर जेल से बाहर आने के बाद यह पहला अवसर था, जब राम रहीम श्रद्धालुओं के बीच दिखाई दिए। इससे पूर्व वह पैरोल के दौरान अधिकतर डेरे के अंदर ही रहे या वीडियो संदेश के माध्यम से अनुयायियों को संबोधित करते रहे हैं। शाह सतनाम जी धाम के नवीनीकरण का कार्य राम रहीम की देखरेख में कराया गया है। नवीनीकरण के तहत डेरे में कई नई सुविधाएं जोड़ी गई हैं। परिसर में दो से तीन विशाल प्रवेश द्वार बनाए गए हैं। इसके अलावा श्रद्धालुओं के ठहरने के लिए होटल का निर्माण भी किया गया है। मुख्य द्वारों के आसपास हाथियों की आकर्षक प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं, जो श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित कर रही हैं।

एचआरटीसी ने 656 अस्थायी चालकों का पैनल किया तैयार

◆ छह माह तक रहेगा मान्य जरूरत पड़ने पर लगेगी ड्यूटी

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। संभावित हड़ताल व आपातकालीन परिस्थितियों में बस सेवाओं को निर्बाध बनाए रखने के लिए हिमाचल पथ परिवहन निगम ने 656 अस्थायी चालकों का पैनल तैयार कर लिया है। यह पैनल अगले छह माह तक प्रभावी रहेगा और आवश्यकता पड़ने पर चयनित चालकों को ड्यूटी पर बुलाया जाएगा। हालांकि, यह व्यवस्था पूरी तरह अस्थायी और जरूरत आधारित है, जबकि नियमित भर्ती प्रक्रिया अलग से संचालित होगी।

जानकारी के अनुसार राज्य के 31 डिपो में आयोजित ड्राइविंग टेस्ट के माध्यम से करीब नौ हजार अभ्यर्थियों में से 656 योग्य चालकों का चयन किया गया है। चयनित चालकों का रिकॉर्ड संबंधित क्षेत्रीय प्रबंधकों के पास सुरक्षित रखा जाएगा ताकि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें तत्काल सेवाओं में लगाया जा सके। चयनित चालकों को ड्यूटी के प्रत्येक दिन 1500 रुपये का पारिश्रमिक दिया जाएगा।

बेरोजगारी के मौजूदा दौर में बड़ी संख्या में युवाओं ने इस अस्थायी अवसर को स्वीकार किया है। चयनित अभ्यर्थियों का कहना है कि उन्हें यह जानकारी है कि उनकी नियुक्ति स्थायी नहीं है और नियमित कर्मचारी लौटने के बाद उनकी सेवाएं समाप्त हो सकती हैं। इसके बावजूद रोजगार के सीमित अवसरों को देखते हुए वे इस व्यवस्था को अपने अनुभव और आजीविका के लिए महत्वपूर्ण मान रहे हैं।

एचआरटीसी प्रबंधन ने स्पष्ट किया है कि यह पैनल केवल आपातकालीन जरूरतों को पूरा करने के लिए बनाया गया है और इसका नियमित नियुक्तियों से कोई सीधा संबंध नहीं है। हालांकि परिवहन क्षेत्र के जानकारों का मानना है कि यदि भविष्य में निगम में नियमित चालक पदों पर भर्ती होती है तो इस पैनल में शामिल चालकों के अनुभव और पहले से उत्तीर्ण ड्राइविंग टेस्ट को महत्व दिए जाने पर विचार किया जा सकता है। फिलहाल इस संबंध में सरकार या निगम की ओर से कोई आधिकारिक निर्णय नहीं लिया गया है।

भविष्य में नियमित भर्ती की उम्मीद बरकरार

परिवहन निगम को चुनाव ड्यूटी और सरकारी कार्यक्रमों में बस संचालन के एवज में करीब आठ करोड़ रुपये की वित्तीय राहत भी मिली है। इस राशि का उपयोग कर्मचारियों के लंबित चिकित्सा बिलों के भुगतान, चालक-परिचालकों तथा वर्कशॉप कर्मचारियों के वर्दी भत्ते सहित अन्य आवश्यक मदों में किया जाएगा, जिससे निगम की वित्तीय स्थिति को भी कुछ मजबूती मिलने की उम्मीद है।

उहल चरण-तीन परियोजना बनी हिमाचल की कमाऊ पूत

सुक्खू सरकार के प्रभावी प्रयासों से सालाना 200 करोड़ रुपए की कमाई

अनंत ज्ञान

विजय, जोगिंदरनगर। मंडी जिला के जोगिंदरनगर क्षेत्र में स्थित उहल चरण-तीन जलविद्युत परियोजना आज हिमाचल प्रदेश की सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा परियोजनाओं में से एक बनकर उभरी है। वर्षों तक विभिन्न तकनीकी और वित्तीय चुनौतियों का सामना करने के बाद यह परियोजना अब पूरी क्षमता के साथ संचालित हो रही है। इसके सफल संचालन से प्रदेश को न केवल स्वच्छ ऊर्जा प्राप्त हो रही है, बल्कि सालाना लगभग 200 करोड़ रुपए की आय भी सुनिश्चित हो रही है। यह परियोजना मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के प्रभावी नेतृत्व, बेहतरीन वित्तीय प्रबंधन और दृढ़ संकल्प की एक उल्लेखनीय सफलता की कहानी बन गई है। प्रबंध निदेशक देवेंद्र कुमार के अनुसार पिछले वर्ष लक्ष्य से कम उत्पादन का मुख्य कारण शानन जल विद्युत परियोजना का लगभग एक माह तक बंद रहना था। इसके कारण शानन परियोजना से मिलने वाला 23 क्यूसेक पानी उपलब्ध नहीं हो सका, जिससे बिजली उत्पादन प्रभावित हुआ। इसके बावजूद परियोजना ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया और अब उत्पादन लगातार बढ़ रहा है।

परियोजना में अब तक 465 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन

उहल चरण-तीन जलविद्युत परियोजना ने अब तक लगभग 465 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन किया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में दो माह संचालन के दौरान लगभग 25 मिलियन यूनिट बिजली पैदा की गई। इसके बाद वित्तीय वर्ष 2025-26 में परियोजना ने 345 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन किया। वहीं, वर्तमान वित्तीय वर्ष में अब तक लगभग 95 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन हो चुका है। परियोजना का वार्षिक लक्ष्य 390 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन का है और प्रबंधन को विश्वास है कि इस वर्ष यह लक्ष्य हासिल कर लिया जाएगा। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में इस परियोजना को नई गति मिली। मुख्यमंत्री ने मार्च, 2023 में परियोजना की समीक्षा करते हुए इसके दीर्घ अवधि से लंबित कार्यों को शीघ्र

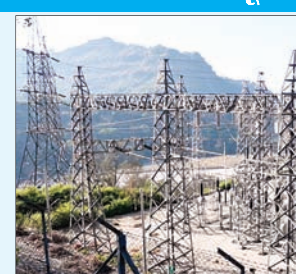

पूरा करने के निर्देश दिए। उनके हस्तक्षेप और विशेष रुचि के कारण परियोजना के समक्ष मौजूद वित्तीय एवं प्रशासनिक बाधाओं को दूर करने में सफलता मिली। परियोजना की वित्तीय चुनौतियों को दूर करने के लिए मुख्यमंत्री के प्रयासों से केसीसी बैंक के माध्यम से लगभग 185 करोड़ रुपए का ऋण कम ब्याज दर पर उपलब्ध करवाया गया। इस राशि से परियोजना के शेष बहाली एवं मरम्मत कार्य पूरे किए गए और इसे सुचारू रूप से संचालित करने में सहायता मिली। इसके साथ ही राज्य सरकार और संबंधित अधिकारियों के प्रयासों से पावर फाइनेंस कॉरपोरेशन के ऋण पर ब्याज दर में भी कमी लाई गई, जिससे परियोजना को प्रतिवर्ष लगभग 30 करोड़ रुपए की बचत होगी।

सालाना 390 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन का लक्ष्य

परियोजना के सफल संचालन और नियमित राजस्व प्राप्त होने से अब इसके ऋण का मूलधन तथा ब्याज चुकाने की प्रक्रिया भी प्रारम्भ कर दी गई है। इससे परियोजना की वित्तीय स्थिति लगातार मजबूत हो रही है और आने वाले वर्षों में इसके और अधिक लाभकारी बनने की संभावना है। आज उहल चरण-तीन परियोजना पूरी क्षमता के साथ कार्य कर रही है और सालाना लगभग 390 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन के लक्ष्य की ओर बढ़ रही है। वर्तमान औसत दर लगभग 5 रुपये प्रति यूनिट के आधार पर यह परियोजना प्रतिवर्ष करीब 200 करोड़ रुपये की आय अर्जित कर रही है। भविष्य में बिजली की दरों में वृद्धि के साथ इसकी आय में भी बढ़ोतरी होने की संभावना है। इस परियोजना की एक विशेष उपलब्धि यह भी है कि इसकी आय का 13 प्रतिशत हिस्सा सीधे हिमाचल प्रदेश सरकार को प्राप्त होगा।

झूठ के सहारे सरकार चला रही कांग्रेस: जयराम ठाकुर

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू पर विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण को लेकर प्रदेश की जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार लगातार झूठ और अफवाहों के सहारे इस योजना का विरोध कर रही है, जबकि इससे हिमाचल जैसे पहाड़ी राज्यों को सबसे अधिक लाभ मिलने वाला है। जयराम ने कहा कि योजना में सरकार की जवाबदेही तय करने, रोजगार प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने, समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने तथा रोजगार के दिनों में बढ़ोतरी जैसे महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं। उनका आरोप है कि भ्रष्टाचार के रास्ते बंद होने की वजह से ही प्रदेश सरकार इस योजना का विरोध कर रही है।

उन्होंने शिमला से जारी बयान में कहा कि वीबी-जी राम जी के तहत रोजगार की अवधि 100 से बढ़ाकर 125 दिन की गई है और निर्माण कार्यों में केंद्र सरकार की हिस्सेदारी 75 प्रतिशत से बढ़ाकर 90 प्रतिशत कर दी गई है, जिससे हिमाचल जैसे राज्यों को सीधा लाभ मिलेगा। इसके अलावा कार्यस्थल पर दुर्घटना होने पर प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना का लाभ, 15 दिन के भीतर भुगतान नहीं होने पर ब्याज सहित राशि देने तथा रोजगार नहीं मिलने पर भत्ते का भी प्रावधान किया गया है। जयराम ठाकुर ने कहा कि सरकार द्वारा यह प्रचार करना कि इस योजना में मनरेगा से कम मजदूरी मिलेगी, पूरी तरह भ्रामक है, क्योंकि अधिनियम की धारा-10 में स्पष्ट उल्लेख है कि मानदेय किसी भी स्थिति में मनरेगा से कम नहीं हो सकता।

आपदा प्रभावित हिमाचल के लिए 'वीबी-जी राम जी' योजना उपयोगी

नेता प्रतिपक्ष और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ने कहा कि वीबी-जी राम जी में आपदा राहत, पुनर्वास और आपदा न्यूनीकरण के कार्यों के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं, जिनका हिमाचल प्रदेश को व्यापक लाभ मिल सकता है। उन्होंने प्रदेश सरकार से 1 जुलाई से लागू होने जा रही इस योजना का राजनीतिक विरोध छोड़कर प्रदेशहित में प्रभावी ढंग से लागू करने की अपील की। उनका कहना था कि विकसित भारत के लक्ष्य को ध्यान में रखकर तैयार की गई यह योजना केवल रोजगार उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि ग्रामीण आजीविका को सशक्त बनाने, संसाधनों के बेहतर उपयोग और पारदर्शी व्यवस्था स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

शिमला के जोगनी में कार दुर्घटनाग्रस्त चालक की मौत, चार व्यक्ति घायल

गाड़ी पर से नियंत्रण खोने से हुआ हादसा, सभी घायल एक ही गांव के

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। शिमला जिले के रामपुर उपमंडल में बीती मध्यरात्रि एक सड़क हादसे में कार चालक की मौत हो गई, जबकि उसके साथ सफर कर रहे चार लोग घायल हो गए। हादसा जोगनी क्षेत्र में हुआ जब एक ऑल्टो के-10 कार सड़क से नीचे जा गिरी। मृतक और सभी घायल एक ही गांव के रहने वाले हैं। पुलिस के अनुसार रामपुर के तकलेच पुलिस चौकी अंतर्गत गांव मुनिश बाहली के रहने वाले 29 वर्षीय जय प्रकाश पुत्र सुंदर लाल ने इस संबंध में शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत में कहा गया है कि 25 जून की रात करीब 11:45 बजे वह अपने गांव के ही पीकी राम, सरजन, ज्योति प्रकाश और ललित के साथ ऑल्टो के-10 कार (एचपी-06बी-5765) में

यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान जोगनी के पास वाहन दुर्घटनाग्रस्त होकर सड़क से नीचे गिर गया।

हादसे के बाद वाहन में सवार सभी पांच लोगों को उपचार के लिए महात्मा गांधी चिकित्सा सेवा परिसर (एमजीएमएससी) खनेरी पहुंचाया गया। अस्पताल में चिकित्सकों ने चालक पीकी राम (40) पुत्र भीषण को मृत घोषित कर दिया।

दुर्घटना में सरजन (36) पुत्र श्याम लाल, ज्योति प्रकाश (37) पुत्र रूप सिंह, ललित (27) पुत्र किशन और जय प्रकाश (29) पुत्र सुंदर लाल घायल हुए हैं। चारों का रामपुर के खनेरी अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस में दर्ज बयान के अनुसार दुर्घटना चालक के वाहन पर नियंत्रण खो देने के कारण हुई। शिकायत में वाहन को लापरवाही और तेज गति से चलाने का भी आरोप लगाया गया है। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 281, 125(ए) और 106(1) के तहत रामपुर थाने में मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच रामपुर थाना के तहत तकलेच पुलिस चौकी द्वारा की जा रही है।

पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि शव का पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है और हादसे से जुड़े सभी पहलुओं को खंगाला जा रहा है।

महासंघ ने कर्मचारियों की मांगों पर की चर्चा

अनंत ज्ञान, दाड़लाघाट। जिला सोलन पटवार एवं कानूनगो महासंघ ने जिला अध्यक्ष सुमित ठाकुर की अध्यक्षता में निदेशक भू-अभिलेख (डीएलआर) अभिषेक वर्मा से मुलाकात कर राजस्व कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों और ज्वलंत समस्याओं को उनके समक्ष रखा। बैठक के दौरान कर्मचारियों की मांगों तथा विभागीय चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की गई। महासंघ ने जिला हमीरपुर और जिला किन्नौर में कथित राजनीतिक द्वेष के आधार पर किए गए पटवारियों एवं कानूनगो के तबादलों का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। प्रतिनिधिमंडल ने ट्रांसफर-पोस्टिंग के लिए लागू स्टेट कैडर के दुरुपयोग पर चिंता व्यक्त करते हुए इस संबंध में मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन भी डीएलआर के माध्यम से प्रेषित किया। इसमें कर्मचारियों के लंबे समय से लंबित इंटरनेट भत्ते, भूमि ई-केवाईसी भत्ता तथा कृषि जनगणना भत्ते के शीघ्र भुगतान की मांग भी रखी गई। इसके अलावा पटवार वृत्तों में आबादी देह से जुड़े व्यावहारिक मुद्दों, ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी की कमी और अन्य विभागीय समस्याओं पर भी चर्चा हुई।

पिपलू मेला सामाजिक एकता का प्रतीक: वीरेंद्र कंवर

पूर्व मंत्री ने तीन दिवसीय मेले में शिरकत कर बजाया पारंपरिक टमक

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, ऊना। जिला स्तरीय तीन दिवसीय पिपलू मेले के अवसर पर पूर्व मंत्री एवं राष्ट्रीय बॉलीबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष वीरेंद्र कंवर ने शुक्रवार को ऐतिहासिक नरसिंह नारायण मंदिर पहुंचकर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की। मंदिर में माथा टेकने के बाद उन्होंने भगवान नरसिंह नारायण का आशीर्वाद लिया और मेले में पहुंचे श्रद्धालुओं एवं क्षेत्रवासियों से आत्मीय मुलाकात की। मंदिर पहुंचने पर मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों एवं स्थानीय श्रद्धालुओं ने वीरेंद्र कंवर का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया। इस दौरान मंदिर कमेटी ने उन्हें स्मृति चिन्ह, शॉल और हिमाचली टोपी भेंट कर सम्मानित किया। वीरेंद्र कंवर ने सम्मान के लिए

पिपलू मेले में पहुंचे पूर्व मंत्री वीरेंद्र कंवर आयोजकों के साथ। अनंत ज्ञान

मंदिर कमेटी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पिपलू मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि क्षेत्र की संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का प्रतीक है। ऐसे आयोजन लोगों में आपसी भाईचारे और सांस्कृतिक विरासत के प्रति सम्मान को और अधिक मजबूत करते हैं।

पूजा-अर्चना के उपरांत वीरेंद्र कंवर ने अपने समर्थकों के साथ पारंपरिक टमक भी बजाया। टमक की गूंज से पूरा मेला परिसर भक्तिमय और उत्साहपूर्ण माहौल में सराबोर हो गया। उनके साथ मौजूद युवाओं और समर्थकों ने भी पारंपरिक वाद्य यंत्रों की थाप पर उत्साह व्यक्त किया। मेले में मौजूद लोगों ने इस दृश्य का भरपूर आनंद लिया और कई श्रद्धालुओं ने इस यादगार पल को अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया।

मेले के दौरान वीरेंद्र कंवर ने बड़ी संख्या में समर्थकों, कार्यकर्ताओं और क्षेत्रवासियों से मुलाकात की। लोगों ने फूल-मालाएं पहनाकर उनका स्वागत किया तथा उनके साथ स्मृति चित्र भी खिंचवाए। इस अवसर पर उन्होंने सामाजिक सौहार्द बनाए रखने का संदेश देते हुए कहा कि पिपलू मेला वर्षों से धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक पहचान का केंद्र रहा है, जहां सभी वर्गों के लोग एकजुट होकर परंपराओं को आगे बढ़ाते हैं। उन्होंने क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को सभी की सामूहिक जिम्मेदारी बताया। कार्यक्रम के अंत में वीरेंद्र कंवर ने मंदिर कमेटी, प्रशासन एवं सभी श्रद्धालुओं को मेले के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं और भगवान नरसिंह नारायण से क्षेत्र की निरंतर उन्नति एवं सभी के सुखद भविष्य की प्रार्थना की।

भराड़ी माता मंदिर से सोने और चांदी के आभूषण ले उड़े शातिर

अनंत ज्ञान

सुंदरनगर। सुंदरनगर उपमंडल के सलापड़ क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध भराड़ी माता मंदिर में अज्ञात चोरों ने देर रात चोरी की वारदात को अंजाम देकर मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। चोर मंदिर से देवी को अर्पित सोने-चांदी के कीमती आभूषण और अन्य धार्मिक सामग्री चोरी कर फरार हो गए। मंदिर प्रबंधन के अनुसार चोरी हुए सामान में चांदी का छत्र, सोने की बालियां तथा चांदी से निर्मित अन्य धार्मिक वस्तुएं शामिल हैं। घटना का पता सुबह उस समय चला जब मंदिर परिसर में गतिविधियां शुरू हुईं। सूचना मिलते ही मंदिर समिति के पदाधिकारी और स्थानीय लोग मौके पर पहुंच गए। प्रारंभिक जांच में पुलिस को मंदिर के समीप वैकल्पिक मार्ग पर संदिग्ध आवाजाही के संकेत मिले हैं। माना जा रहा है कि आरोपियों ने इसी रास्ते का इस्तेमाल कर मंदिर तक पहुंच बनाई। घटना के दौरान मंदिर परिसर में लोग मौजूद थे, बावजूद इसके चोर बड़ी सावधानी से वारदात को अंजाम देने में सफल रहे। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाकर जांच शुरू कर दी है। आसपास के क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है।

पंजोआ में विवादित रास्ते पर फिर बढ़ा तनाव

लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और ग्रामीणों में हुई तीखी नोक-झोंक

अनंत ज्ञान

अंब। उपमंडल अंब के गांव पंजोआ में पिछले कई दिनों से चल रहे रास्ता निर्माण विवाद ने अब नया मोड़ ले लिया है। ग्राम पंचायत पंजोआ-लड़ोली और ग्राम पंचायत ठठल की सीमा पर स्थित विवादित रास्ते को लेकर वीरवार को एक और विवाद सामने आ गया, जिसके बाद मामला पुलिस तक पहुंच गया है।

जानकारी के अनुसार लोक निर्माण विभाग के एसडीओ सुखविंदर सिंह और सहायक अभियंता संजीव राणा विभागीय टीम के साथ विवादित स्थल पर पहुंचे थे। विभाग की ओर से रास्ते के निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने की कोशिश की जा रही थी, लेकिन मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों और भूमालिकों ने इसका विरोध शुरू कर दिया।

ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों के समक्ष जमीन से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करते हुए दावा किया कि जिस भूमि को विभाग सरकारी भूमि बता रहा है, वह मामला न्यायालय में विचाराधीन है। उनका कहना था कि संबंधित खसरा नंबरों पर माननीय न्यायालय द्वारा स्थगन आदेश (स्टे) जारी किया गया है, इसलिए निर्माण कार्य शुरू नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि न्यायालय में मामला लंबित होने के बावजूद विभाग निर्माण कार्य करवाने का प्रयास कर रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विभागीय अधिकारियों द्वारा कार्य शुरू करवाने की कोशिश के बाद मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बन गई और विरोध और तेज हो गया। काफी देर तक दोनों पक्षों के बीच बहस होती रही, जिसके चलते निर्माण कार्य आगे नहीं बढ़ सका।

उधर, लोक निर्माण विभाग के एसडीओ सुखविंदर सिंह ने इस मामले को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई है। अपनी शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया है कि विभागीय टीम जब सरकारी कार्य के सिलसिले में मौके पर पहुंची तो कुछ लोगों ने उनके साथ गाली-गलौज की, धमकियां दीं तथा रास्ता जाम कर दिया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि मौके पर विधायक के खिलाफ नारेबाजी की गई और सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की गई।

सीबीएसई स्कूलों में शिक्षकों-किताबों की कमी पर एसएफआई ने घेरी सरकार

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की राज्य कमेटी ने प्रदेश के 151 सरकारी स्कूलों को सीबीएसई से संबद्ध किए जाने के बाद शिक्षकों की भर्ती और पाठ्यपुस्तकों की उपलब्धता में हो रही देरी पर प्रदेश सरकार को घेरते हुए इसे विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा गंभीर मामला बताया है। संगठन के राज्य अध्यक्ष अनिल ठाकुर ने कहा कि नया शैक्षणिक सत्र शुरू हुए करीब तीन महीने बीत चुके हैं, लेकिन अनेक स्कूलों में नियमित शिक्षक नियुक्त नहीं हो पाए हैं और बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को अब तक सीबीएसई पाठ्यक्रम की किताबें भी नहीं मिली हैं। इससे हजारों छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का वादा किया था, जिसके चलते इन स्कूलों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई, लेकिन आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर नहीं की जा सकीं। एसएफआई ने आरोप लगाया कि सरकार मेरिट के आधार पर नियुक्तियां करने के बजाय स्थानांतरण के माध्यम से शिक्षकों की तैनाती की तैयारी कर रही है, जिसका शिक्षकों के बीच भी विरोध हो रहा है। संगठन ने मांग की है कि स्क्रीनिंग परीक्षा की मेरिट के आधार पर सभी रिक्त पदों पर तत्काल नियमित नियुक्तियां की जाएं, सभी सीबीएसई स्कूलों में तुरंत पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध करवाई जाएं तथा नियमित कक्षाएं सुचारू रूप से शुरू की जाएं।

सरकारी स्कूलों में बच्चों को रोल नंबर वाइज मिलेगा मिड-डे-मील

स्कूलों में जाति-धर्म के नाम भेदभाव पर जीरो टॉलरेंस

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश के सरकारी स्कूलों में अब मिड-डे-मील पीएम पोषण योजना के तहत किसी भी छात्र के साथ जाति, धर्म, पंथ या लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकेगा। शिक्षा विभाग ने इस संबंध में प्रदेशभर के सभी जिला उपनिदेशकों और खंड प्रारंभिक शिक्षा अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि किसी भी प्रकार के भेदभाव को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार विभाग ने निर्देश दिए हैं कि सभी विद्यालयों में बच्चों को उनकी जाति या धर्म के आधार पर अलग-अलग बैठाने के बजाय रोल नंबर के अनुसार एक साथ बैठाकर भोजन कराया जाए। इसका उद्देश्य स्कूलों में सामाजिक समानता, भाईचारे और समरसता की भावना को मजबूत करना है, ताकि हर बच्चे को सम्मान और समान अवसर मिल सके।

शिक्षा विभाग ने साफ किया है कि यदि कोई सरकारी कर्मचारी, शिक्षक या पीएम पोषण योजना से जुड़ा कोई भी व्यक्ति भेदभावपूर्ण व्यवहार करता पाया गया तो उसके खिलाफ नियमानुसार कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने सभी अधिकारियों को इन निर्देशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के आदेश दिए हैं। योजना की निगरानी को और प्रभावी बनाने के लिए स्कूलों से मासिक रिपोर्ट भी मांगी गई है। साथ ही, शिकायतों और सुझावों के लिए टोल-फ्री नंबर 1800-180-8007 प्रत्येक विद्यालय में प्रमुख स्थान पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। इस नंबर पर कार्यदिवसों में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक शिकायत दर्ज कराई जा सकेगी।

बता दें कि प्रदेश में लाखों विद्यार्थियों को लाभ पहुंचाने वाली पीएम पोषण योजना सामाजिक समानता व संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने के माध्यम के रूप में भी लागू होगी। शिक्षा विभाग का मानना है कि इस पहल से विद्यालयों में भेदभाव की किसी भी संभावना पर प्रभावी रोक लगेगी और सभी बच्चों को समान वातावरण में शिक्षा के साथ सम्मानपूर्वक भोजन उपलब्ध हो सकेगा।

नुकसान बदलते मौसम ने तोड़ी प्रदेश की बागवानी की कमर, लागत बढ़ी और पैदावार घटी

हिमाचल में मौसम की मार से घटा सेब उत्पादन

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले सेब उद्योग पर इस वर्ष मौसम की दोहरी मार पड़ी है। बर्फबारी में भारी कमी, फूल आने के समय ओलावृष्टि, बेमौसम बारिश, तेज हवाओं व लगातार बदलते तापमान ने सेब की फसल को गंभीर नुकसान पहुंचाया है।

प्रारंभिक आकलन के अनुसार इस बार प्रदेश में केवल 2 करोड़ 18 लाख 35 हजार 350 पेटियों के उत्पादन की संभावना है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 1.31 करोड़ पेटियां कम है। उत्पादन में इतनी बड़ी गिरावट ने लाखों बागवान परिवारों की आय और प्रदेश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को लेकर चिंता बढ़ा दी है। जानकारी के अनुसार शिमला, कुल्लू, किन्नौर, मंडी व चंबा जैसे प्रमुख सेब उत्पादक जिलों में फसल पर मौसम का सीधा असर दिखाई दे रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन अब हिमाचल की पारंपरिक बागवानी के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन चुका है। एक ओर

फाइल फोटो

◆ इस सीजन 2.15 करोड़ पेटियां होने का अनुमान बागवानों की बढ़ी चिंता

उत्पादन लगातार घट रहा है तो दूसरी ओर खाद, कीटनाशकों, दवाइयों, पैकेजिंग सामग्री, मजदूरी और परिवहन की लागत लगातार बढ़ती जा रही है। उस पर गुणवत्तापूर्ण दवाइयों और कृषि आदानों की उपलब्धता भी कई क्षेत्रों में बड़ी समस्या बनी हुई है, जिससे बागवानों की परेशानियां और बढ़ गई हैं।

अहम पहलू यह है कि बदलते मौसम के खतरे को लेकर लंबे समय से चर्चा तो हो रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर व्यापक और प्रभावी रणनीति अभी भी नजर नहीं आती। मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने, वैज्ञानिक सलाह, जोखिम प्रबंधन, फसल सुरक्षा और बागवानों को समय पर राहत देने के लिए समन्वित प्रयासों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। कई बागवानों का कहना है कि वे स्वयं को उपेक्षित महसूस कर रहे हैं और उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में अपेक्षित गति दिखाई नहीं दे रही।

दीर्घकालिक व प्रभावी नीति बनाने की मांग

हालांकि प्रशासन ने आगामी सेब सीजन को देखते हुए परिवहन, मंडियों, पैकेजिंग सामग्री और यातायात प्रबंधन की तैयारियां शुरू कर दी हैं, लेकिन बागवानों की असली चिंता घटते उत्पादन और बढ़ती लागत को लेकर है। यदि मौसम ने आगे भी साथ नहीं दिया तो इसका असर केवल बागवानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि प्रदेश की मंडियों, पैकेजिंग उद्योग, परिवहन, मजदूरी और पूरी सेब आधारित अर्थव्यवस्था पर भी व्यापक रूप से देखने को मिल सकता है। ऐसे में बागवानी क्षेत्र को भविष्य की चुनौतियों से बचाने के लिए दीर्घकालिक और प्रभावी नीति बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है।